

# दिनांक

# उच्छ्वसंलता

● विदुर खतिवडा/शिव मुखिया

मानिस मार्दा के होला र ? भन्ने उन्माद चढेकैले हुनसक्छ गत साउन २१ गते राजधानीको मुटु रत्नपार्कमा विप्लवमानसिंह डंगोल नामका युवाले एकैपटक ६ जनाको ज्यान लिए । २० औं जन्मोत्सव मनाउने क्रममा रक्सीले मातेका सिंहले अनियन्त्रित रूपमा चलाएको गाडीले केही सेकेन्डभित्रै ६ जनालाई किचेर ज्यान लियो ।

फन्दामा परे । हाल केन्द्रीय कारागार सुन्धारामा जेल जीवन बिताइरहेका लामा शैक्षिक रूपमा उत्कृष्ट विद्यार्थी मानिन्थे ।

● १७ वर्ष उमेरमा बैक लुटेर तहल्का मच्चाएका निरञ्जन खनाल दुइ वर्ष जेल सजाय काटेर पनि फेरि अपराधकै दुनियाँमा फर्किए । ५ वर्षअघि कान्तिपथस्थित नविल बैकबाट ६०



साप्ताहिकको यो अंकमा स्टडी एब्रोड विशेष सामग्री समावेश छ ।

● एसएलसीमा विशिष्ट श्रेणीमा उत्तीर्ण भएको खुसीमा अभिभावकले किनिदिएको पल्सर मोटरसाइकललाई जति स्पिडसम्म कुद्न सक्छ, कुदाउँछु भनेर जोस्सिएका एक युवक त्यही उन्मादको सिकार बनेर मोटरसाइकल खरिद गरेकै दिन दुर्घटनामा मृत्युको सिकार भए । तीव्र गतिमा मोटरसाइकल हुड्क्याउने क्रममा रातो पुल अगाडिको डिभाइडरमा ठोकिएका उनको दुर्घटनास्थलमै मृत्यु भयो । (उनको परिचय गोप्य राखिएको छ )

● एसएलसी उत्तीर्ण गरेपछि उच्च शिक्षाका क्रममा काठमाडौं भित्रिएका काभ्रेका किशोर टासी लामा छिट्टै धनी हुने क्रममा खुब्यार अपराधी बने । माओवादी जनयुद्ध चलिरहेकै बेला एकैले चन्दा आतंक मच्चाएका लामा अन्ततः प्रहरीको

लाख रुपैयाँ लुटेका खनाल सम्मिलित संगठित समूहले केही समयअघि व्यापारी महेश सारडाको अपहरण गरेर फिरौती लिएको थियो । हाल उनी फेरि प्रहरी हिरासतमा छन् ।

● अपराधको भावना बढ्दै जाँदा १७ वर्षे राजेन्द्रकुमार पण्डितले १४ वर्षीय रीतेश रौनियार र १३ वर्षीय आशिष मानन्धरलाई महादेवस्थान- ४ स्थित जंगलमा लगी वीभत्स हत्या गरे । एउटै कक्षामा अध्ययनरत साथीबीच लेनदेनको कारोबारका क्रममा रीतेशलाई तिर्नुपर्ने पैसा नतिरी उल्टो राजेन्द्रले दुई साथीको हत्या गरेका थिए । राजेन्द्रमाथि बिना लाइसेन्सको पेस्तोल बोकेको अपराधको मुद्दा पनि छ ।

शेष पृष्ठ २६ मा जारी



**U.K.**

**SPOT ADMISSION TO EGAN FAIR**

College of Technology, Bhanu

EGAN FAIR

FOR MORE INFORMATION CONTACT:

01-4255111

01-4255112

01-4255113

01-4255114

01-4255115

01-4255116

01-4255117

01-4255118

01-4255119

01-4255120

01-4255121

01-4255122

01-4255123

01-4255124

01-4255125

01-4255126

01-4255127

01-4255128

01-4255129

01-4255130

01-4255131

01-4255132

01-4255133

01-4255134

01-4255135

01-4255136

01-4255137

01-4255138

01-4255139

01-4255140

01-4255141

01-4255142

01-4255143

01-4255144

01-4255145

01-4255146

01-4255147

01-4255148

01-4255149

01-4255150

01-4255151

01-4255152

01-4255153

01-4255154

01-4255155

01-4255156

01-4255157

01-4255158

01-4255159

01-4255160

01-4255161

01-4255162

01-4255163

01-4255164

01-4255165

01-4255166

01-4255167

01-4255168

01-4255169

01-4255170

01-4255171

01-4255172

01-4255173

01-4255174

01-4255175

01-4255176

01-4255177

01-4255178

01-4255179

01-4255180

01-4255181

01-4255182

01-4255183

01-4255184

01-4255185

01-4255186

01-4255187

01-4255188

01-4255189

01-4255190

01-4255191

01-4255192

01-4255193

01-4255194

01-4255195

01-4255196

01-4255197

01-4255198

01-4255199

01-4255200

01-4255201

01-4255202

01-4255203

01-4255204

01-4255205

01-4255206

01-4255207

01-4255208

01-4255209

01-4255210

01-4255211

01-4255212

01-4255213

01-4255214

01-4255215

01-4255216

01-4255217

01-4255218

01-4255219

01-4255220

01-4255221

01-4255222

01-4255223

01-4255224

01-4255225

01-4255226

01-4255227

01-4255228

01-4255229

01-4255230

01-4255231

01-4255232

01-4255233

01-4255234

01-4255235

01-4255236

01-4255237

01-4255238

01-4255239

01-4255240

01-4255241

01-4255242

01-4255243

01-4255244

01-4255245

01-4255246

01-4255247

01-4255248

01-4255249

01-4255250

01-4255251

01-4255252

01-4255253

01-4255254

01-4255255

01-4255256

01-4255257

01-4255258

01-4255259

01-4255260

01-4255261

01-4255262

01-4255263

01-4255264

01-4255265

01-4255266

01-4255267

01-4255268

01-4255269

01-4255270

01-4255271

01-4255272

01-4255273

01-4255274

01-4255275

01-4255276

01-4255277

01-4255278

01-4255279

01-4255280

01-4255281

01-4255282

01-4255283

01-4255284

01-4255285

01-4255286

01-4255287

01-4255288

01-4255289

01-4255290

01-4255291

01-4255292

01-4255293

01-4255294

01-4255295

01-4255296

01-4255297

01-4255298

01-4255299

01-4255300

01-4255301

01-4255302

01-4255303

01-4255304

01-4255305

01-4255306

01-4255307

01-4255308

01-4255309

01-4255310

01-4255311

01-4255312

01-4255313

01-4255314

01-4255315

01-4255316

01-4255317

01-4255318

01-4255319

01-4255320

01-4255321

01-4255322

01-4255323

01-4255324

01-4255325

01-4255326

01-4255327

01-4255328

01-4255329

01-4255330

01-4255331

01-4255332

01-4255333

01-4255334

01-4255335

01-4255336

01-4255337

01-4255338

01-4255339

01-4255340

01-4255341

01-4255342

01-4255343

01-4255344

01-4255345

01-4255346

01-4255347

01-4255348

01-4255349

01-4255350

01-4255351

01-4255352

01-4255353

01-4255354

01-4255355

01-4255356

01-4255357

01-4255358

01-4255359

01-4255360

01-4255361

01-4255362

01-4255363

01-4255364

01-4255365

01-4255366

01-4255367

01-4255368

01-4255369

01-4255370

01-4255371

01-4255372

01-4255373

01-4255374

01-4255375

01-4255376

01-4255377

01-4255378

01-4255379

01-4255380

01-4255381

01-4255382

01-4255383

01-4255384

01-4255385

01-4255386

01-4255387

01-4255388

01-4255389

01-4255390

01-4255391

01-4255392

01-4255393

01-4255394

01-4255395

01-4255396

01-4255397

01-4255398

01-4255399

01-4255400

01-4255401

01-4255402

01-4255403

01-4255404

01-4255405

01-4255406

01-4255407

01-4255408

01-4255409

01-4255410

01-4255411

01-4255412

01-4255413

01-4255414

01-4255415

01-4255416

01-4255417

01-4255418

01-4255419

01-4255420

01-4255421

01-4255422

01-4255423

01-4255424

01-4255425

01-4255426

01-4255427

01-4255428

01-4255429

01-4255430

01-4255431

01-4255432

01-4255433

01-4255434

01-4255435

01-4255436

01-4255437

01-4255438

01-4255439

01-4255440

01-4255441

01-4255442

01-4255443

01-4255444

01-4255445

01-4255446

01-4255447

01-4255448

01-4255449

01-4255450

01-4255451

01-4255452

01-4255453

01-4255454

01-4255455

01-4255456

01-4255457

01-4255458

01-4255459

01-4255460

01-4255461

01-4255462

01-4255463

01-4255464

01-4255465

01-4255466

01-4255467

01-4255468

01-4255469

01-4255470

01-4255471

01-4255472

01-4255473

01-4255474

01-4255475

01-4255476

01-4255477

01-4255478

01-4255479

01-4255480

01-4255481

01-4255482

01-4255483

01-4255484

01-4255485

01-4255486

01-4255487

01-4255488

01-4255489

01-4255490

01-4255491

01-4255492

01-4255493

01-4255494

01-4255495

01-4255496

01-4255497

01-4255498

01-4255499

01-4255500

01-4255501

01-4255502

01-4255503

01-4255504

01-4255505

01-4255506

01-4255507

01-4255508

01-4255509

01-4255510

01-4255511

01-4255512

01-4255513

01-4255514

01-4255515

01-4255516

01-4255517

01-4255518

01-4255519

01-4255520

01-4255521

01-4255522

01-4255523

01-4255524

01-4255525

01-4255526

01-4255527

01-4255528

01-4255529

01-4255530

01-4255531

01-4255532

01-4255533

01-4255534

01-4255535

01-4255536

01-4255537

01-4255538

01-4255539

01-4255540

01-4255541

01-4255542

01-4255543

01-4255544

01-4255545

01-4255546

01-4255547

01-4255548

01-4255549

01-4255550

01-4255551

01-4255552

01-4255553

01-4255554

01-4255555

01-4255556

01-4255557

01-4255558

01-4255559

01-4255560

01-4255561

01-4255562

01-4255563

01-4255564

01-4255565

01-4255566

01-4255567

01-4255568

01-4255569

01-4255570

01-4255571

01-4255572

01-4255573

01-4255574

01-4255575

01-4255576

01-4255577

01-4255578

01-4255579

01-4255580

01-4255581

01-4255582

01-4255583

01-4255584

01-4255585

01-4255586

01-4255587

01-4255588

01-4255589

01-4255590

01-4255591

01-4255592

01-4255593

01-4255594

01-4255595

01-4255596

01-4255597

01-4255598

01-4255599

01-4255600

01-4255601

01-4255602

01-4255603

01-4255604

01-4255605

01-4255606

01-4255607

01-4255608

01-4255609

01-4255610

01-4255611

01-4255612

01-4255613

01-4255614

01-4255615

01-4255616

01-4255617

01-4255618

01-4255619

01-4255620

01-4255621

01-4255622

01-4255623

01-4255624

01-4255625

01-4255626

01-4255627

01-4255628

01-4255629

01-4255630

01-4255631

01-4255632

01-4255633

01-4255634

01-4255635

01-4255636

01-4255637

01-4255638

01-4255639

01-4255640

01-4255641

01-4255642

01-4255643

01-4255644

01-4255645

01-4255646

01-4255647

01-4255648

01-4255649

01-4255650

01-4255651

01-4255652

01-4255653

01-4255654

01-4255655

01-4255656

01-4255657

01-4255658

01-4255659

01-4255660

01-4255661

01-4255662

01-4255663

01-4255664

01-4255665

01-4255666

01-4255667

01-4255668

01-4255669

01-4255670

01-4255671

01-4255672

01-4255673

01-4255674

01-4255675

01-4255676

01-4255677

01-4255678

01-4255679

01-4255680

01-4255681

01-4255682

01-4255683

01-4255684

01-4255685

01-4255686

01-4255687

01-4255688

01-4255689

01-4255690

01-4255691

01-4255692

01-4255693

01-4255694

01-4255695

01-4255696

01-4255697

01-4255698

01-4255699

01-4255700

01-4255701

01-4255702

01-4255703

01-4255704

01-4255705

01-4255706

01-4255707

01-4255708

01-4255709

01-4255710

01-4255711

01-4255712

01-4255713

01-4255714

01-4255715

01-4255716

01-4255717

01-4255718

01-4255719

01-4255720

01-4255721

01-4255722

01-4255723

01-4255724

01-4255725

01-4255726

01-4255727

01-4255728

01-4255729

01-4255730

01-4255731

01-4255732

01-4255733

01-4255734

01-4255735

01-4255736

01-4255737

01-4255738

01-4255739

01-4255740

01-4255741

01-4255742

01-4255743

01-4255744

01-4255745

01-4255746

01-4255747

01-4255748

01-4255749

01-4255750

01-4255751

01-4255752

01-4255753

01-4255754

01-4255755

01-4255756

01-4255757

01-4255758

01-4255759

01-4255760

01-4255761

01-4255762

01-4255763

01-4255764

01-4255765

01-4255766

01-4255767

01-4255768

01-4255769

01-4255770

01-4255771

01-4255772

01-4255773

01-4255774

01-4255775

01-4255776

01-4255777

01

## रंगमञ्च

## जन्माष्टमीमा नाटक

श्रीकृष्ण जन्माष्टमीको उपलक्ष्यमा हिजो विहीवार राजधानीमा एउटा एकांकी नाटक मञ्चन गरिएको छ। बालकुमारी, ललितपुरस्थित हिन्दू विद्यापीठ नेपालको प्रांगणमा आयोजित एक धार्मिक समारोहमा भगवान् श्रीकृष्णको लीला भल्कने नाटक मञ्चन गरिएको हो। समारोहमा सांस्कृतिक झाँकी, भजन-कीर्तन तथा नृत्य पनि प्रस्तुत गरिएको थियो। नाटकमा विद्यापीठकै छात्र-छात्राले अभिनय गरेका थिए।

## पालो ग्रीन चिल्लीको

राजधानीको पुरानो बानेश्वरस्थित गुरुकुलमा गत मंगलवारदेखि नयाँ नाटक 'ग्रीन चिल्ली' मञ्चन हुन थालेको छ। ल्याबोरेटरी स्कूल, कीर्तिपुरका विद्यार्थीहरूले अभिनय गरेको यो नाटक आगामी शुक्रवारसम्म जारी रहनेछ। यो नाटक यवनिका थिएटरको प्रस्तुति हो। सुमन रायमाझीको निर्देशनमा मञ्चन भैरहेको यो नाटकले एकतालाई आफ्नो मुख्य विषय बनाएको छ। गोपेश आचार्यको लेखनमा तयार पारिएको यो नाटकमा दिनेश ज्ञवाली, सुप्रभा अर्याल, सुरज भट्टराई, भवेन्द्र सिंह तथा मनोज

गौतमले अभिनय गरेका छन्। नाटकमा अभिनय गर्ने यी सबै कलाकार आँखा देख्न सक्दैनन्, तर पनि अभिनयको भोकले उनीहरूलाई रंगमञ्चमा उतारेको छ। नाटकका निर्देशक रायमाझीले उनीहरूलाई रंगमञ्चमा उतार्नु अघि केही महिना अभिनयको प्रशिक्षण दिएका थिए। नाटकमा सलिल सुवेदीले संगीत दिएका छन्। दायहाड राईको मञ्च परिकल्पना रहेको यो नाटकमा प्रवीण खतिवडाले प्रकाश व्यवस्थापनको जिम्मेवारी सम्हालेका छन्।

## ज्यालरी

## महाकविका आवभङ्गिमा

महाकवि लक्ष्मीप्रसाद देवकोटाका विभिन्न मूहार चित्रको प्रदर्शनी गत आइतवार राजधानीमा सम्पन्न भयो। बबरमहलस्थित नेपाल कला परिषद्मा गत शुक्रवारदेखि आइतवारसम्म चलेको प्रदर्शनी महाकवि देवकोटाको शतवार्षिकीका अवसरमा आयोजना गरिएको थियो। 'महाकवि देवकोटा चित्रकला महोत्सव' नामक उक्त प्रदर्शनीमा ५४ जना कलाकारले महाकवि देवकोटालाई आ-आफ्नै शैलीमा प्रस्तुत गरेर ५५ वटा चित्र तयार पारेका थिए। प्रतियोगितात्मक

प्रदर्शनीका रूपमा सञ्चालन गरिएको उक्त प्रदर्शनीमा अमर चित्रकार, केके कर्माचार्य, गेहेन्द्र अमात्य, लय मैनाली, रमेश खनाल, विजय थापा आदि चित्रकार अप्रतियोगीका रूपमा सहभागी थिए।

## तिब्बतको भूत र वर्तमान

अहिलेको विकसित तिब्बत करिब ५० वर्षअघि कस्तो थियो? राजधानीको राष्ट्रिय सभागृहमा आयोजित प्रदर्शनीमा यसको जवाफ पाउन सकिन्छ। अधिल्लो बुधवार प्रारम्भ भएको 'चाइना तिब्बतको भूत र वर्तमान' शीर्षकको तस्वीर प्रदर्शनीमा तिब्बतका विगत तथा वर्तमान दृश्य अवलोकन गर्न सकिन्छ। काठमाडौँस्थित चिनियाँ दूतावास तथा वर्ल्ड कल्चरल नेटद्वारा संयुक्त रूपमा आयोजित उक्त तस्वीर प्रदर्शनीमा तिब्बतका मनोरम प्राकृतिक सौन्दर्यदेखि विकसित सहर, सडक, भवन, यातायात, कलाकारखाना, शिक्षालगायत तिब्बती जीवनशैली भल्किएको छ। सन् १९५९ भन्दा अघिको तिब्बतको धार्मिक सामन्तवादको स्वरूप पनि तस्वीरमा समेटिएको छ। प्रदर्शनीमा तत्कालीन मालिकले दासको हात-खुट्टा काटेको, आँखा फुटाएको तथा छाला काढेको जस्ता मर्मस्पर्शी

तस्वीरमाफत त्यहाँको इतिहास नियाल्न सकिन्छ।

## नौ कलाकारको डाइभर्स

भोलि शनिवारदेखि राजधानीमा प्रारम्भ हुने 'डाइभर्स' शीर्षकको चित्रकला प्रदर्शनीमा नौ जना कलाकारका चित्र समावेश हुँदैछ। ठमेलस्थित मिथिला येन आर्ट ग्यालरीले आयोजना गर्न लागेको प्रदर्शनीमा नयाँ तथा पुराना चित्रकारहरूको सहभागिता रहनेछ। प्रदर्शनीको उद्घाटन साँझ ४:३० बजे गरिनेछ।

## तीनदिने तस्वीर प्रदर्शनी

गत बुधवारदेखि वीरगन्जमा तीनदिने तस्वीर प्रदर्शनी प्रारम्भ भएको छ। कुनै पनि मुलुकमा हुने आन्तरिक तथा बाह्य युद्धले निम्त्याउने विध्वंस तथा पीडाको सचित्र भल्को दिने तस्वीरहरू प्रदर्शनीमा राखिएका छन्। प्रदर्शनी विश्वका ८० भन्दा बढी मुलुकमा सञ्चालन भैरहेको 'हाम्रो संसार : तपाईंको प्रयास' नामक विश्वव्यापी अभियानको अङ्गका रूपमा सञ्चालन गरिएको हो। प्रदर्शनीमा 'युद्धमा मानवता', 'हाम्रो विश्व : तपाईंको प्रयास' र 'नेपाल रेडक्रस सोसाइटीका मानवीय गतिविधि' गरी तीन विषयमा आधारित तस्वीर प्रदर्शन गरिएको छ। प्रदर्शनी वीरगन्जको अतिथि सदनको हलमा सञ्चालन भैरहेको छ। वीरगन्जपछि, यही प्रदर्शनी धनकुटामा गरिने आयोजक संस्थाले जनाएको छ।

## पुस्तक

## मेरो कथा

शंकर खरेलको 'मेरो कथा' प्रजातान्त्रिक नेपाल रेडियोकी प्रथम गायिका रानुदेवी अधिकारीको जीवनीमा आधारित छ। नेपालमा रेडियोको स्थापना, ०७ सालको क्रान्ति र भर्खरै भित्रिएका रेडियोका रोचक जानकारी पुस्तकमा समेटिएको छ। पुस्तकमा गिरिजाप्रसाद कोइराला, सुशील कोइराला, नोना कोइराला, डा. शेखर कोइराला, डा. मिनेन्द्र रिजाल, गगन थापा, अमृत अर्याल, फूलकुमार लालवानी, सनतकुमार बस्नेत, रमेश ताम्राकार, उषा कोइराला, मनु मञ्जिल, केशवप्रसाद बराल, उमा शर्मा आदिका प्रतिक्रिया समावेश छन्। १ सय ३० पृष्ठको पुस्तक विभिन्न चरणमा विभाजित छ। रेडियोको कथा हुँदै लेखकले लामो समय शिक्षण पेशामा संलग्न अधिकारीको जीवनीलाई समेटेका छन्।

## यो साताको पञ्चाङ्ग

साउन ३० गते : श्रीकृष्ण जात्रा, तानसेन भगवती जात्रा, नारायणी यात्रा, डोटी मस्टो जात्रा, ३१ गते : ललितपुर भीमजात्रा, ३२ गते : एकादशी, भदौ १ गते : भाद्र संक्रान्ति, २ गते : काठमाडौँ पञ्चदान, ४ गते : जोकार्ण (कुशे) औंशी, मोतीजयन्ती ।



## तपाईंको यो साता

ज्यो. पं. ओजराज उपाध्याय लोहनी



## मेष

कुरा काट्नेहरू सक्रिय रहनेछन्। विवादको सामना गर्नुपर्ला। धनमाल हराउन सक्छ। घरेलु समस्याले सताउनेछ। प्रतिद्वन्द्वीहरू बढ्नेछन्। शनिवार चोटपटक लाग्नसक्छ। पराक्रम बढ्ने, अधुरा काम बन्ने तथा नयाँ काम पाइने योग छ। व्यवसाय एवं अध्ययनमा सफलता हात लाग्नेछ।

## मिथुन

खर्च एवं विवाद बढ्नेछ। काममा सफलता पाउन मुस्किल पर्ला। मनमा दुविधाले डेरा जमाउनेछ। भूटा आरोप पनि लाग्नसक्छ। धनमाल हराउने तथा शरीरमा चोटपटक लाग्ने सम्भावना छ। आइतवार, सोमवार र विहीवार मान-सम्मान मिल्ने, पराक्रम बढ्ने, अधुरा काम नयाँ काम पाइने योग छ।

## सिंह

मान-सम्मान मिल्नेछ। सजिलै अरूको मन जित्न सकिनेछ। अध्ययनमा सफलता प्राप्त हुनेछ। धन आर्जन गर्ने अवसर जुट्नेछ। पराक्रम बढ्नुका साथै अधुरा काम बन्ने तथा नयाँ काम पाइने योग छ। मंगलवार र बुधवार खर्च, विवाद एवं चिन्ता बढ्ने योग छ। सफलताका लागि धैर्यता आवश्यक छ।

## तुला

स्वास्थ्य गडबड हुनसक्छ। काममा सफलता पाउन गाह्रो पर्ला। कुरा काट्नेहरू सक्रिय रहनेछन्। भूटा आरोप पनि लाग्न सक्छ। मंगलवारदेखि मान-सम्मान एवं काममा सफलता मिल्ने तथा धन आर्जन हुने योग छ। भाग्यले साथ दिनेछ भने अध्ययनमा सफलता हात लाग्नेछ।

## धनु

काममा सफलता मिल्नुका साथै धन आर्जन गर्ने अवसर जुट्नेछ। यात्रा हुनसक्छ। अधुरा काम पूरा हुनेछन्। नयाँ काम पाइने प्रबल सम्भावना छ। आफन्तहरूको सहयोग मिल्नेछ। मंगलवारदेखि स्वास्थ्य गडबड रहने, काममा अवरोध आउने तथा चिन्ता बढ्ने योग छ।

## कुम्भ

घरेलु समस्याले सताउनेछ। काममा सफलता पाउन गाह्रो पर्ला। गलत विचार बढ्नेछ भने सानो काममा पनि सफलता पाउन गाह्रो पर्ला। विश्वास गरेकाहरूले धोका दिनेछन्। शरीरमा चोटपटक लाग्न सक्छ। मंगलवारदेखि काममा सफलता मिल्न थाल्नेछ। धन आर्जन हुने तथा प्रसन्नता बढ्ने योग छ।



## वृष

समय राम्रो छ। पराक्रम बढ्नुका साथै अधुरा काम बन्ने तथा नयाँ काम पाइने योग छ। मान-सम्मान पनि पाउनुहोला। भोज-भतेरमा सामेल हुने अवसर जुट्नेछ। सभा-सम्मेलनहरूमा तपाईंको प्रशंसा हुनेछ। आफन्तहरूबाट राम्रै सहयोग प्राप्त गर्न सकिन्छ। विवादतिर अधि नबढ्नुहोला।

## कर्कट

साताको आरम्भ अनुकूल रहनेछ। धन आर्जन हुनसक्छ। काममा सफलता मिल्नेछ। बोलीको प्रभाव बढ्नेछ। भोजभतेर तथा सभा-सम्मेलनमा सहभागी हुने अवसर जुट्नेछ। अध्ययनमा सफलता पाइनेछ। आइतवार र सोमवार खर्च, विवाद एवं चिन्ताले सताउन सक्छ। स्वास्थ्यमा गडबडी देखिने छँट छ।

## कन्या

भाग्यले साथ दिनेछ भने मान-सम्मान मिल्नेछ। पराक्रम एवं प्रसन्नता बढ्नुका साथै अधुरा काम बन्ने तथा नयाँ काम पाइने योग छ। धन आर्जन पनि हुनसक्छ। स्वास्थ्यको ख्याल गर्नुहोला। प्रतिद्वन्द्वीहरूबाट सजग रहनुपर्ने बेला छ। विहीवार खर्च, विवाद एवं चिन्ता बढ्ने देखिन्छ।

## वृश्चिक

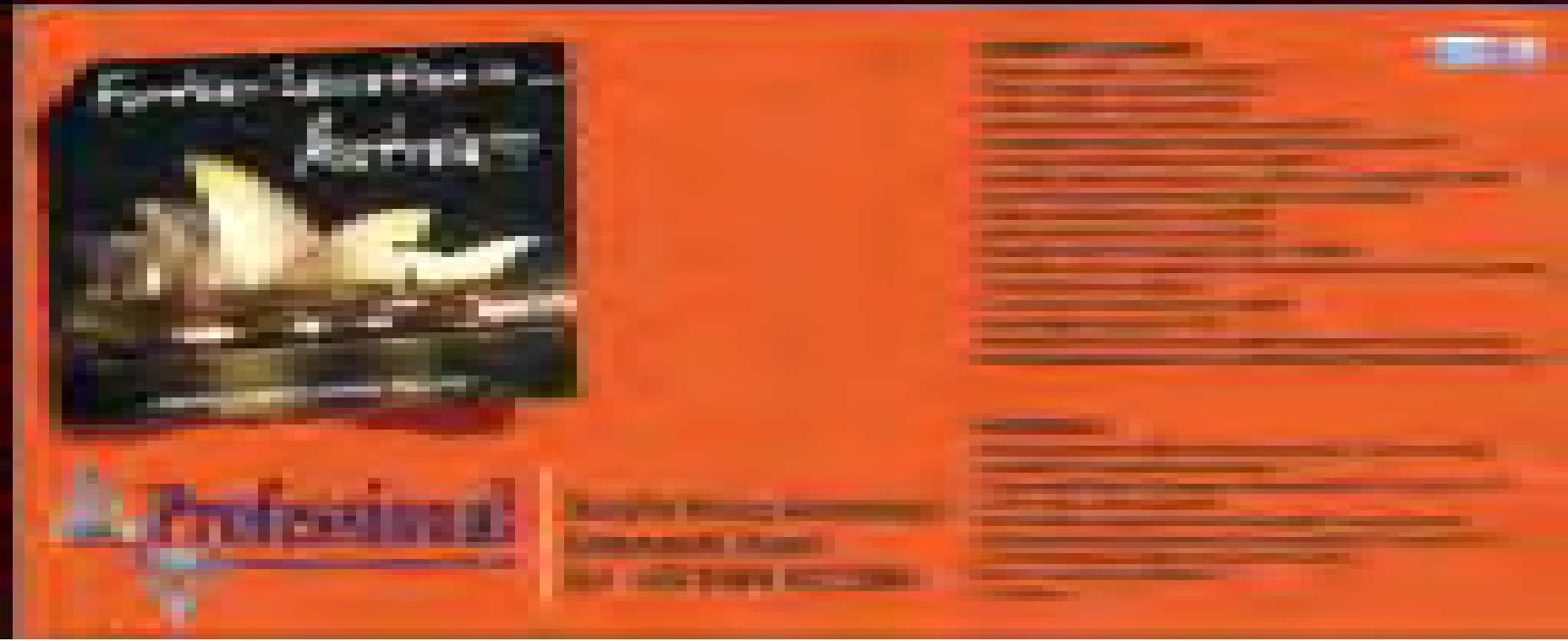
यात्रा रमाइलो होला। प्रसन्नता एवं पराक्रम बढ्नुका साथै अधुरा काम पूरा हुने तथा नयाँ काम पाइने योग छ। आइतवारदेखि बुधवारसम्म स्वास्थ्य गडबड रहने, काममा अवरोध आउने तथा चिन्ता बढ्ने देखिन्छ। विहीवार मान-सम्मान प्राप्त हुनुका साथै धन पनि हात पर्नेछ।

## मकर

गलत विचार बढ्न सक्छ। समयमा निर्णय नहुँदा हात परेको काम पनि फुल्न सक्छ। विश्वास गरेकाहरूले धोका दिनेछन्। स्वास्थ्य गडबड हुनुका साथै शरीरमा चोटपटक लाग्न सक्छ। आइतवारपछि धन आर्जन हुने तथा काममा सफलता मिल्ने देखिन्छ। यात्रा पनि हुनसक्छ।

## मीन

पराक्रम बढ्नेछ। अधुरा काम पूरा हुने तथा नयाँ काम पाइने योग छ। धन आर्जन गर्ने अवसर जुट्नेछ। आइतवारदेखि घरेलु समस्याले सताउनेछ भने शत्रु एवं गलत विचार पनि बढ्नेछन्। काममा अवरोध आउन सक्छ। खर्च एवं विवादले सताउनेछ। रोग एवं शत्रु बढ्ने देखिन्छ।



# प्रारम्भ भयो इ-क्यान शैक्षिक मेला

## साप्ताहिक समाचार

वैदेशिक शिक्षामा बढ्दै गएको क्रेजलाई लक्षित गरी राजधानीमा शैक्षिक परामर्श मेला प्रारम्भ भएको छ। हिजो विहीवार प्रारम्भ भएको उक्त मेलामा उच्च शिक्षाका लागि विदेश जान चाहने विद्यार्थीहरूले भरपर्दो परामर्श पाउने विश्वास गरिएको छ।

नेपाल शैक्षिक परामर्श व्यवसायी संघ (इ-क्यान) को आयोजनामा भैरहेको उक्त मेला चार दिनसम्म सञ्चालन हुनेछ। 'द काठमाडौं पोस्ट प्रेजेन्स थर्ड इक्यान एजुकेशन फेयर' शीर्षकको उक्त मेलामा शैक्षिक परामर्श व्यवसायीहरूका अतिरिक्त कूटनैतिक नियोग एवं विदेशी कलेज तथा विश्वविद्यालयहरूको सहभागिता रहनेछ।

'त्यसो संस्करणको यो मेलामा एब्रोड स्टडीको चाहना राख्ने विद्यार्थीले प्रत्यक्ष रूपमा आफ्नो जिज्ञासा मेटाउन पाउनेछन्,' इक्यानका अध्यक्ष उत्तम पन्तले भने- 'यो क्षेत्रसँग सम्बन्धित व्यवसायीहरू, विद्यार्थी तथा अभिभावकहरूले एकैठेलामा अन्तर्क्रिया गर्न पाउन भन्ने उद्देश्यले इ-क्यानले बसेरिने मेला आयोजना गर्दै आएको हो।'

१५ प्याभिलियनसहित कुल १ सय ४० स्टल रहने मेलालाई १ लाखभन्दा बढी दर्शकले अवलोकन गर्ने अपेक्षा राखिएको आयोजकहरूले बताएका छन्। इक्यानका उपाध्यक्ष तथा मेला संयोजक प्रेम पाण्डेका अनुसार विगतका दुईवटा मेला अत्यन्तै सफल भएकाले यस पटकको मेला अझ बृहत् स्वरूपमा आयोजना गरिएको छ।

उच्च शिक्षाको अध्ययनका लागि विदेश जाने तयारी गरिरहेका विद्यार्थीले मेलामा अमेरिका, बेलायत, अस्ट्रेलिया, भारत, क्यानाडा, न्युजिल्यान्ड, साइप्रस, डेनमार्क, नर्वे, सिंगापुर, स्वीट्जरल्यान्ड, जर्मनी, जापान, चीन, बंगलादेश आदि राष्ट्रका कलेज तथा विश्वविद्यालयको शैक्षिक कार्यक्रमका सम्बन्धमा सम्बन्धित व्यवसायीहरूसँग विस्तृत जानकारी हासिल गर्नेछन्।

'एउटै छातामणि राष्ट्रिय-अन्तर्राष्ट्रिय शैक्षिक संस्था, कूटनैतिक नियोग, शैक्षिक परामर्श व्यवसायी



## शैक्षिक मेलाको विशेषता

शैक्षिक मेलाको आयोजनाले उच्च शिक्षाका क्रममा विदेशिन चाहने विद्यार्थीलाई विषय छनौट गर्न भएको द्विविधा हटाउन सहयोग गरेको छ। त्यसैगरी नयाँ प्राविधिक पाठ्यक्रमहरूका बारेमा जानकारी हासिल गर्न पनि मेला उपयोगी छ। व्यक्तित्व विकासका लागि उत्कृष्ट पाठ्यक्रम मात्र होइन, उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थाको पनि आवश्यकता हुने भएकाले मेलामा जतिसक्दो धेरै जानकारी लिन सकिन्छ। शैक्षिक परामर्शको क्षेत्रमा लामो अनुभव हासिल गरेका विज्ञहरूको उपस्थितिले विद्यार्थी वर्गलाई स्वदेश तथा विदेशमा अध्ययन गर्दाका फरकका बारेमा थाहा पाउन मद्दत मिल्छ। मेलामा सबै किसिमका शैक्षिक संस्थाको उपस्थिति हुने भएकाले विद्यार्थीले सही र गलत संस्था छुट्याउन सक्नेछन्। त्यसैगरी हरेक वर्ष थपिँदै गएका नयाँ प्राविधिक विषयका बारेमा पनि मेलाले जानकारी गराउनेछ। मेलामा मेडिकल, इन्जिनियरिङ, नर्सिङ, बायो-टेक्नोलोजी, सँचना तथा सञ्चार प्रविधि (आईसीटी), एयरहोस्टेज, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, ट्राभल एन्ड टुरिज्म, होटल म्यानेजमेन्ट, फेशन डिजाइनिङस्ता पाठ्यक्रमका बारेमा जानकारी गराइनेछ। मेलामा आउने विद्यार्थीले टेस्ट प्रिपरेशनअन्तर्गत टोफल, आईईएलटीएस, जीआरइ, जिम्याट, स्याट, एसीटी आदि पाठ्यक्रमका बारेमा पनि जानकारी हासिल गर्न सक्नेछन्।

एवं विद्यार्थी-अभिभावकहरूको जमघट गराउने उद्देश्यले मेला आयोजना गरिएको हो,' मेलाका संयोजक प्रेम पाण्डे भन्छन्- 'शैक्षिक मेला हरेक दिन १० बजेदेखि ६ बजेसम्म खुला रहनेछ भने प्रवेश टिकट शुल्क १५ रुपैयाँ तोकिएको छ।' मेला अवलोकन गर्न दर्शकलाई लक्षित गरेर युनाइटेड टेलिकमले प्रत्येक टिकटमा निःशुल्क 'यु-सिम' वितरण गरेको छ।

संयोजक पाण्डेका अनुसार यस पटकको मेलामा छवटा विदेशी विश्वविद्यालयले प्रत्यक्ष रूपमा आफैँ स्टल राखेका छन्। ५० वटा विश्वविद्यालय तथा कलेजका प्रतिनिधि विभिन्न नेपाली परामर्श व्यवसायी स्टलमा देखिनेछन्। यसबाहेक ब्रिटिस काउन्सिल, एलाइन्स फ्रान्स, मर्लेसियन र जर्मन दूतावासको स्टल पनि मेलामा हुनेछन्।

वैदेशिक अध्ययनका लागि सही विदेशी शैक्षिक संस्था र परामर्श उपलब्ध गराउने सही संस्था चिन्न यो मेला प्रभावकारी हुने आशा गरिएको छ। पछिल्ला वर्षहरूमा वैदेशिक शिक्षा परामर्श उपलब्ध गराउने नाममा केही संस्थाले गलत काम पनि गरिरहेको हुनाले विद्यार्थीले यो मेलामार्फत सही काम गर्ने परामर्श व्यवसायी चिन्न सक्नेछन्। शैक्षिक मेलामा विभिन्न देशका प्रतिनिधिहरूले आ-आफ्नै स्टलमा छोट्टा सेमिनार पनि राखेका छन्।

इ-क्यानका अध्यक्ष पन्तका

अनुसार विदेशी विश्वविद्यालय तथा कलेजहरूले समावेश गरेका नयाँ विषयका पाठ्यक्रमका बारेमा पनि विद्यार्थीले मेलामा विस्तृत जानकारी पाउनेछन्। 'मेलाको उद्देश्य विद्यार्थीलाई विदेश पठाउन प्रेरित गर्नु होइन,' मेला संयोजक पाण्डेले भने- 'वैदेशिक अध्ययनका बारेमा सम्पूर्ण जानकारी पाइसकेपछि जानेर नजाने निर्णय उनीहरू स्वयंले गर्नु भन्ने हो।'

मेलाको अर्को उद्देश्य राम्रा विषयमा उच्च शिक्षा अध्यापन गराउने स्वदेश तथा विदेशका उत्कृष्ट कलेजका बारेमा जानकारी गराउनु रहेको अध्यक्ष पन्तले बताए। पन्त भन्छन्- 'विशेष गरेर न्युनतम प्लस टु उत्तीर्ण भएकादेखि स्नातकोत्तर उत्तीर्णसम्मले यो मेलालाई अवसरका रूपमा प्रयोग गर्न सक्छन्।'

त्यसैगरी विदेश जाने अन्तिम लक्ष्य बनाएकाहरूका लागि उनीहरूले उच्च शिक्षा क्रममा अध्ययन गर्नुपर्ने पाठ्यक्रम, विश्वविद्यालय-कलेजको शैक्षिक वातावरण, शुल्कका बारेमा यथार्थ विवरण मेलामार्फत हासिल गर्न सक्नेछन्। कूटनैतिक नियोगलाई सहभागी गराउनुको कारण प्रस्ट्याउँदै मेला संयोजक पाण्डेले भने- 'सम्बन्धित मुलुकको सरकारको शिक्षानीति, विदेशी विद्यार्थीहरूलाई उपलब्ध गराइने सुविधा आदिका बारेमा कूटनीतिक नियोगका अधिकारीहरूले स्पष्ट पार्नेछन्।' नेपाल पर्यटन बोर्डले पनि मेलालाई पर्यटन प्रवर्द्धनको माध्यमका रूपमा प्रयोग गरेको छ। विदेश पढ्न जाने विद्यार्थीलाई नेपाली पर्यटन दूताका रूपमा विकास गर्न बोर्डले सहकार्य गरिरहेको छ।

**THE NEXT**  
Education Consultancy Pvt. Ltd.

**Australia** **UK**

**DIPLOMA**  
**ADV. DIPLOMA**  
**BACHELOR'S**  
**MASTERS**

**THE NEXT Education Consultancy Pvt. Ltd.**

**Models Wanted** 9841013449  
9803527322

Mega Contest of the year

**Mr. & Miss Kathmandu 2009**

We are looking for fresh & talented models

Contact: Prayash Sangit Kala Kendra Balkhu Chowk

Ms. Rajeshwari  
Mr. Rajeshwari  
Ms. Rajeshwari  
Ms. Rajeshwari

## सम्पादकीय

## शिक्षामा सुधारको अपेक्षा

त्रिभुवन विश्वविद्यालयले 'फेज आउट' गर्ने निर्णय गरिसकेको प्रवीणता प्रमाणपत्र तह फेरि ब्यँत्याउन अहिले नेपालका लगभग सबै विद्यार्थी संगठन आन्दोलनरत छन्। पछिल्लो समयमा शिक्षा क्षेत्रमा विश्वव्यापी रूपमा देखा परेको सुधार तथा परिवर्तनलाई आत्मसात् गर्दै नेपालले पनि प्लस टु लगायत अन्य रोजगारमुखी शिक्षालाई प्राथमिकता दिँदै आएको छ। पछिल्लो समयमा सरकारले लामो गृहकार्यपछि प्लस टु शिक्षानीति लागू गरेको थियो। पाठ्यक्रम, शिक्षण विधि आदि सबै पक्षलाई लचिलो रूपमा प्रस्तुत गरिएको प्लस टु शिक्षाले पछिल्लो समयमा लोकप्रियता आर्जन गरेको मात्र नभै शिक्षाको गुणस्तरमा समेत सुधार देखाएको छ। प्लस टु शिक्षाको लोकप्रियता र पहुँचका आधारमा नै त्रिभुवन विश्वविद्यालयले प्रवीणता प्रमाणपत्र तहलाई 'फेज आउट' गर्ने निर्णय गरेको थियो। अहिले त्रिभुवन विश्वविद्यालयको त्यो निर्णयका विरुद्ध गरिब विद्यार्थीलाई उच्च शिक्षाबाट वञ्चित गर्ने षडयन्त्र गरिएको नारा लिएर विद्यार्थी संगठनहरू आन्दोलनमा उत्रिएका छन्। विद्यार्थी संगठनहरूको आन्दोलन कति जायज छ? यसको विश्लेषण-व्याख्या हुनैपर्छ।

सस्तो र सुलभ शिक्षाका लागि अहिले आन्दोलनमा उत्रिएका विद्यार्थी संगठनहरूले जहिले पनि वैज्ञानिक शिक्षापद्धतिको वकालत गर्दै आएका छन्। शिक्षामा सबैको पहुँच, पाठ्यक्रममा समयसापेक्ष सुधारजस्ता कुरा विद्यार्थी संगठनका लोभलाग्दा नारा बन्दै आएका छन्। यस्तो लोभलाग्दो नाराले विद्यार्थीहरूलाई आकर्षित गर्ने संगठनहरूले नै अहिले पुरानो र अवैज्ञानिक ठहर गरिएको प्रवीणता प्रमाणपत्र तहलाई पुनर्स्थापना गर्न खोज्नुले उनीहरूको मनसाय के हो? भन्ने प्रश्न जन्माएको छ। अहिले विद्यार्थीहरूको आन्दोलन प्लस टु शिक्षामा राज्यले बेहोर्ने खर्चको मात्रा बढाउनुपर्ने, पाठ्यपुस्तकलगायतका शैक्षिक सामग्रीहरू सुलभ र सस्तो हुनुपर्ने, प्लस टु शिक्षा गाउँ-गाउँमा विस्तार गरिनुपर्ने, सम्बन्धित विषयका तालिमप्राप्त शिक्षकहरू पर्याप्त मात्रामा उपलब्ध हुनुपर्ने, शिक्षाशुल्कको निश्चित दायरा तोकिनुपर्ने, शिक्षाशुल्क अन्तुष्पको सेवा र सुविधाहरू उपलब्ध हुनुपर्ने जस्ता विषयमा केन्द्रित हुनुपर्छ। विडम्बना, यी कुराका विपरित विद्यार्थी संगठनहरूले कुनै बेला विद्यार्थीहरूबाटै अवैज्ञानिक र अव्यावहारिक घोषणा गरिएको प्रवीणता प्रमाणपत्र तह ब्याँटाउन खोज्नु समयलाई पछाडि फर्काउन खोज्नुजस्तो मात्र हो।

## अध्यारोबाट उच्चातीति बढ्न, जसुटाउँ साप्ताहिक पढ्न।

गोपनीय : साप्ताहिक-पत्रिका पत्रिका राष्ट्रिय सञ्जाल

## विकासका लागि

हाम्रो जस्तो पिछडिएको देशलाई सानो सहयोग पनि आवश्यक छ, तर सामाजिक कार्य तथा विकास-निर्माणका नाममा विगतमा भ्रष्टाचार भएका छन्, भ्रिगाको बोसो काट्ने काम भएको छ र त्यसका अवशेषहरू अझै बाँकी छन्। लोकतान्त्रिक गणतन्त्रलाई संस्थागत गर्न सबैले दिलोज्यान लगाउनु आवश्यक छ। सिद्धान्तमा मात्र नअलमलिएर व्यवहारमा प्रस्तुत हुनु आवश्यक छ।

आज हामी नेपालका विकट गाउँदेखि सहरसम्म र विश्वका कुना-कुनासम्म पुगेर जीविकोपार्जनका साथै विभिन्न उद्देश्यका निमित्त संघर्ष गरिरहेका छौं, देशभित्र पनि स्वतन्त्रताको नाममा विभिन्न जातीय, धार्मिक, भौगोलिक, लिंगीय, वर्गीय आदि गुट-उपगुट बनाएर संघर्ष गरिरहेका छौं। अधिकार र पहिचानका निमित्त लडाइँ गरिरहेका छौं भन्थौं तर यस प्रकारको लडाइँबाट भोलि साम्प्रदायिक भिडन्त नहोस् भन्ने कुरामा सचेत रहनुपर्छ।

विगतका संसदीय निर्वाचनहरूमा जस्तै गत वर्ष भएको संविधानसभाको निर्वाचनमा गाउँतहमा विभिन्न संघ-संगठन र क्लवहरू गठन गरिने तथा चन्दा लिने-दिने काम नभएका होइनन्। हामीभित्र रहेको अहमपन, द्वेष चरित्र तथा व्यक्तिवादी प्रवृत्तिका कारण ती संस्था अंकुरण हुन नपाउँदै मासिए, जसले गर्दा अन्य समाजभन्दा हामी धेरै पछाडि छौं,



## चिठीपत्र

जसमा हामीले आफ्नो कमजोरीलाई पनि स्वीकारनुपर्छ र अरूबाट हामीले आर्थिक सहयोग मात्र नभै आवश्यक शिक्षासमेत लिनुपर्छ।

यदि हामी जन्मभूमि नेपालको सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, वातावरणीयका साथै विविध विकास गर्ने संकल्प गर्न चाहन्छौं भने उक्त संकल्पसहित चालिएको जुनै प्रकारको संघ-संगठन वा संस्थाहरूले सुरु गरेको भए पनि सकारात्मक कदमलाई सबैले स्वागत अनि

हृदयगम गर्दै हातमा हात दिई होस्तेमा हैसे गर्ने समय छ।

हामीले देशको विकृति, असभ्यता, रुढिवादिता अनि यहाँको कठिनाइ तथा यावत् समस्यालाई स्मरण गर्नु आवश्यक छ। हाम्रो दृष्टिकोणमा पनि परिवर्तन आउनुपर्छ। जबसम्म हाम्रो दृष्टिकोणमा रूपांतरण आउँदैन तबसम्म समाज परिवर्तनको सपना देख्नको कुनै अर्थ रहँदैन। जब एउटा पोखरी दुर्गन्धित हुन्छ त्यसको बीचमा फर्किएको कमलको फूलले एउटा

मरुभूमिको सिउँडीको काँडाको हैसियत पनि राख्दैन।

नेपालका सबै गाउँ सबै कुरामा पछाडि छन्। हामीले दिगो विकासका लागि अरूको मात्र मुख ताक्ने कार्य नगरी राज्यको सम्बन्धित निकायलाई दबाव दिन तथा स्थानीय स्रोत र साधनहरूलाई सही ढंगले परिचालन गर्न तथा स्थानीयताको कदर गर्न र हाम्रो दृष्टिकोणलाई परिवर्तन गर्नु आवश्यक छ।

म एक सामान्य नेपाली नागरिकको हैसियतले के अनुरोध गर्छु भने हामी सबैले म र मेरो नभनी हामी र हाम्रो भन्ने कुरालाई स्मरण गरौं। नेपाल हाम्रो देश भन्नेमा गौरव गर्न पाउँ न कि त्रास र लाज। हामी नेपालीहरू कुनै राजनैतिक एवं वैचारिक प्रतिशोध नराखी अधि बढौं।

विकास कसैले आकाशबाट बसाउने चीज होइन। यो हाम्रो आफ्नै सहयोग, हातेमालो र सिर्जनशीलता, लगनशीलता तथा सबैको प्रतिनिधित्व र सहभागिता अनि दबावबाट मात्र गर्न सकिन्छ। अहिले नेपालमा चलिरेहेको जनताका नाममा भएका फोहोरी राजनीतिबाट टाढा रहौं। चाकरी-चाप्लुसी प्रथाको अन्त्य गरी विकासको नाममा अविकास तथा निश्चित स्वार्थ पूर्तिका लागि नभै सामाजिक भलाइ, सामाजिक जनजागरण र सामाजिक स्वार्थका लागि हामी जनता एकताबद्ध हुनु आवश्यक छ।

-वासुदेव देवकोटा, गोरखा

## तीतो सत्य

● एउटा कोठामा सीमित भएर बस्नुभन्दा सडकमा त्यत्तिकै हिँड केही नयाँ कुरा देख्छौ र जान्दछौ।

● अरूले दिएको हरेक भौतिक कुरा आफ्नो पसिनाभन्दा धेरै गुणा कम मूल्यको हुन्छ।

● लक्ष्यविहीन मानिस जहिले पनि फुर्सदमा रहन्छ।

## -विकास राई

● छलछम र इमान्दरिताबीच कहिल्यै मिलाप हुन सक्दैन।

● उपकार त्यहाँ हुन्छ, जहाँ सम्भता र मानवता रहन्छ।

● राम्रो देखिन सुन्दर हुन होइन, असल बन्नु आवश्यक छ।

## अक्षोभ केसी, काभ्रे

● ज्ञानको शक्तिलाई बल र धन दुवैले ढाल्न सक्दैन।

● रिसले अरूलाई होइन आफैलाई बर्बाद पार्छ।

● परोपकार नै मानवताको पहिचान हो।

## सविन रिजाल, धरान

● यदि तिमी शत्रु चाहन्छौ भने साथीहरूलाई जित्न खोज, यदि मित्र चाहन्छौ भने उनीहरूलाई जित्न देऊ।

## भवीन्द्र खनाल, दाङ

'तीतो सत्य' स्तम्भका लागि आफूले देखेका, भोगेका कटु सत्य पठाउन हार्दिक अनुरोध छ।

-सम्पादक

## टुरिज्म विवनका लागि ऋचा

मिस टुरिज्म विवन इन्टरनेसनल प्रतियोगिताको अन्तिम प्रतिस्पर्धा अगामी अगस्त ३० तारिख अर्थात् भदौ १४ गते चीनको भेनझाउ सहरमा सञ्चालन हुने भएको छ। ८० भन्दा बढी राष्ट्रका पर्यटन सुन्दरीको सहभागिता रहने यो प्रतिस्पर्धाका लागि नेपालबाट ऋचा थापाले सहभागिता जनाउने छिन्। अगस्त ७ तारिख प्रारम्भ हुने प्रतियोगितामा सहभागी हुन ऋचा गत शुक्रबार नै चीन प्रस्थान गरेकी छिन्। मिस टुरिज्म विवन इन्टरनेसनलका लागि ऋचालाई ग्रुप अफ इभेन्ट इन्टर टेनर्स (जीईई) ले छनौट गरेको हो। मिस टिन नेपाल २००३ की प्रतिस्पर्धी तथा सोही प्रतियोगिताकी मिस पर्सनालिटी तथा मिस क्लवर् उपाधि विजेता ऋचा सन् २००८ को मिस नेपाल प्रतियोगिताकी सहभागी पनि हुन्। ५ फिट साढे ४ इन्च अग्लो ऋचाले काठमाडौं कलेज अफ म्यानेजमेन्टबाट बीबीए पूरा गरेकी छिन्। २३ वर्षीया ऋचा टपटेन कलेज वुमेन कम्पिटिसन २००७ की विजेता पनि हुन्। हाल उनी युनिलिभरमा कार्यरत छिन्।

## सविनाको क्याटवाक

लैनचौर, काठमाडौंकी सविना महर्जनले मोडलिङ यात्रा प्रारम्भ गरेको दुई वर्ष भयो। उनी सन् २००७ मा नेप्लिज फेसन होमले आयोजना गरेको 'मिस नेवा' मा प्रतिस्पर्धा गरेर मोडलिङमा छानिएकी हुन्। कक्षा १२ उत्तीर्ण सविनाले आगामी दिनमा मोडलिङमै करियर बनाउने योजना बनाएकी छिन्। मिस नेवामा सहभागी भएदेखि हालसम्म उनले आधा दर्जन फेसन सोमा क्याटवाक गरिसकेकी छिन्। भर्खरै सम्पन्न मिस मेनिया फेसन सोका चारवटा सिक्वेन्समा आकर्षक क्याटवाक गरेर चर्चामा आएकी सविना पाँच फिट तीन इन्च अग्लो छिन्। इमेज च्यानलबाट प्रसारण भैरहेको नेवारी हास्य श्रृंखला 'खोडा वजी' मा समेत अभिनय गरिसकेकी सविनाले गायक महेश गुरुङको 'हृदय मेरो...' गीतको म्युजिक भिडियोमा पनि अभिनय गरेकी छिन्। नृत्य गर्न, संगीत सुन्नु तथा यात्रा गर्न मन पराउने सविनालाई मोडलिङले आकर्षित गर्ने दुई कारण छन्। उनी भन्छिन्- 'यसबाट नाम र प्रसिद्धि हासिल हुन्छ।' याम्पमा आफ्नो क्याटवाक आकर्षक हुने धारणा व्यक्त गर्ने सविना आगामी दिनमा विज्ञापनमा काम गर्न इच्छुक छिन्।

## सहर चर्चा



## मोडल वाच

## गुस्साले

संसदले एकपटक टुंगो लगाइसकेको विषयमा फेरि छलफल हुन सक्दैन।

**माधवकुमार नेपाल**  
माओवादीले लोकतान्त्रिक मान्यताविपरीत गतिविधि सञ्चालन गरिरहेको छ, सरकार अब सहर बस्दैन।

**विजय गच्छेदार**  
चार वर्षदेखि हतियार खरिद भएको छैन, सेनालाई सबल र चुस्त बनाउन हतियारलगायत अन्य उपकरण चाहिन्छ।

**विद्या भण्डारी**  
संविधानअनुसार महाअभियोग ल्याएर छलफल गरे विधिसम्मत हुन्छ।

**अर्जुनरसिंह केसी**  
कृतकका लागि मात्र महाअभियोगको कुरा गरिएको हो।  
**डा.बाबुराम भट्टराई**  
भारतले यही मौकामा विभिन्न सन्धि-सम्भन्धितामा हस्ताक्षर गराउन खोजिरहेको छ।

**पुष्पकमल दाहाल**  
पुचण्डजी जनसेनाको सुप्रिम कमान्डर बने लोकतान्त्रिक मूल्य-मान्यता छाडेको ठहरिनेछ।

**रामचन्द्र पौडेल**  
अपराधीलाई आर्तकित पार्ने गरी सरकारले अभियान थाल्छ।

**रिजवान अन्सारी**  
माओवादीको विद्रोहको नारा विचलनको ऊर्जा हो।

मणि थापा

# विदेश पढ्न जानेहरू मिसगाइड नहुन्



प्रेम पाण्डे, मेला संयोजक तथा प्रबन्ध निर्देशक उल्फिन एजुकेशन कन्सल्टन्सी

## यस पटकको मेलाको विशेष आकर्षण के हो ?

यसअघिका दुईवटा संस्करण सफल भएकाले यसपटक धेरै परामर्श व्यवसायीहरूले मेलामा स्टल राखेका छन्, त्यतिमात्र होइन, विदेशी विश्वविद्यालय तथा कलेजको उपस्थिति पनि उल्लेख्य छ। यसले गर्दा विद्यार्थीले वैदेशिक अध्ययनसम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी मेलामा पाउनेछन्। अर्को कुरा, मेलामा आउने विद्यार्थीले युटीएलको सिम पनि निःशुल्क पाउनेछन्, तर मेलामा अन्य कुनै प्रकारको छुट भने पाइनेछैन।

## मेला आयोजना गर्नुको उद्देश्य ?

एब्रोड स्टडीका बारेमा विद्यार्थी एवं अभिभावकहरूलाई सही जानकारी उपलब्ध गराउन सकिने भन्ने मूल उद्देश्य हो। यो क्षेत्रका बारेमा विद्यार्थी तथा अभिभावकमा सचेतना फैलाउनु अर्को उद्देश्य हो। वैदेशिक शैक्षिक परामर्शको क्षेत्रमा कतिपय संस्थाले 'मिस गाइड' गरिरहेको यथार्थलाई मध्यनजर गरेर विद्यार्थीलाई सचेत गराउन पनि मेला आयोजना गरिएको हो। विद्यार्थीले आफ्नो करियर योजनाअन्तर्गतको पाठ्यक्रम, छात्रवृत्ति कार्यक्रम र टेस्ट प्रिपरेसनका बारेमा मेलामा विभिन्न स्टलमार्फत जानकारी लिन सक्नेछन्। यसबाहेक कूटनीतिक नियोगहरूको नीति-नियमका बारेमा पनि विद्यार्थीले ज्ञान हासिल गर्नु भन्ने हो। यो क्षेत्रसँग सम्बन्धित व्यवसायलाई अभि प्रोफेसनल बनाउनु पनि हाम्रो उद्देश्य हो।

## मेलामा इ-क्यानअन्तर्गतका सदस्यहरूले मात्र सहभागिता जनाएका छन्, होइन ?

हो, हाम्रो उद्देश्य पनि इ-

क्यानअन्तर्गतका सदस्य परामर्श व्यवसायीबाट मात्र विद्यार्थीले एब्रोड स्टडीका लागि परामर्श लिनु भन्ने हो। इ-क्यानका सदस्यहरू इ-क्यानद्वारा निर्देशित हुने भएकाले शैक्षिक परामर्शका लागि उनीहरू भरपर्दो भएको हामी बताउन चाहन्छौं। इ-क्यानका सदस्य व्यवसायी संस्थाले विद्यार्थीलाई कुनै प्रलोभन नदेखाई सही परामर्श दिन भनेर त्यहीअनुरूपको 'कोड अफ कन्डक्ट' पनि जारी गरेका छौं।

## यो क्षेत्रसँग सम्बन्धित ५ सयभन्दा बढी व्यवसायी छन्, तर इ-क्यानले त करिब २ सयलाई मात्र सदस्यता दिएको छ, त्यसो भए अरू संस्था गलत हुन् ?

इ-क्यानको सदस्यता लिन केही सर्त पूरा गरेको हुनुपर्छ। यस्तै इ-क्यानको सदस्य संस्थाले कोड अफ कन्डक्टअनुसार चल्नुपर्छ। त्यही भएर सबै व्यवसायी इ-क्यानको छातामुनि आवद्ध हुन नआएका हुन्। यस प्रकारको मेलाको आयोजना पछि उहाँहरूले इ-क्यानमा आउँदाको फाइदा बुझ्न पाउनु हुने छ, त्यसपछि इ-क्यानभित्र उहाँहरू पनि आवद्ध हुने बाटो खुल्छ। जनताले इ-क्यानका सदस्य मात्र भरपर्दा व्यवसायी हुन् भन्ने कुरा बुझेपछि सही नियतका सबै संस्था अवश्य सदस्य बन्नेछन्। आवद्ध नहुने सबै संस्था गलत हुन् भनेको होइन तर भरपर्दा नहुन सक्छन् भन्ने हो।

## परामर्शदाता संस्था सबैलाई इ- क्यानले समेट्न नसकेको त हो नि ?

इ-क्यान ननप्रोफिटेबल अर्गनाइजेसन हो। यसले कसैलाई दबाव दिएर सदस्य बन भन्न

सक्दैन। त्यस्तै सदस्य बनाउने भनेर जुन पायो त्यो संस्थालाई सदस्यता दिन पनि मिल्दैन। क्राइटेरिया पुऱ्याएर आएका संस्थालाई हामीले सदस्यता दिएका छौं।

## मेलाबाहेक इ-क्यानले के गर्दै आएको छ ?

हामीले विभिन्न दूतावासमार्फत परामर्श व्यवसायीहरूलाई तालिम उपलब्ध गराउँदै आएका छौं। यस्तै इ-क्यान सदस्यहरूलाई हरेक अपडेटेड जानकारी तुरुन्तै उपलब्ध गराउँछौं। सदस्य व्यवसायीलाई समस्या पर्दा सहयोग गर्छौं। यसका अतिरिक्त यो क्षेत्रलाई मर्यादित एवं व्यवसायिक बनाउन मन्त्रालयमार्फत सरकारी निर्देशिका जारी गर्न दबाव दिइरहेका छौं।

## वैदेशिक शिक्षाका लागि गन्तव्य राष्ट्र च्जेज हुँदै जाने लहरलाई कसरी लिनुहुन्छ ?

यो चलिआएको प्रक्रिया हो। सामान्यतः वैदेशिक शिक्षाका लागि अमेरिका, अस्ट्रेलिया, बेलायत, क्यानाडा, साइप्रस, न्युजिल्यान्ड, जापान आदि राष्ट्रमा विद्यार्थीको आकर्षण पाइन्छ। विकसित मुलुक र सहजै रोजगार पाइने भएकाले यी राष्ट्रमा जाने विद्यार्थीको संख्या उल्लेख्य हुन्छ, तर तपाईंले जुन लहरको कुरा गर्नुभयो, त्यसको सही

जवाफ भने जुन राष्ट्रको भिसा प्रक्रिया सरल हुन्छ, नेपाली परामर्श व्यवसायी र विद्यार्थी त्यसकै पछाडी दौडिरहेका हुन्छन्।

## वैदेशिक शिक्षाको परामर्श दिने संस्थाहरूबीचमा अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा हुने गरेको देखिन्छ, यसलाई इ- क्यानले कसरी हेरेको छ ?

परामर्शदाता संस्थाहरूको संख्या बढ्दै जाँदा प्रतिस्पर्धा पनि अस्वस्थ हुँदै गएको पाइन्छ। सरकारी स्तरबाट यो क्षेत्रलाई नियन्त्रणमा राख्ने निर्देशिका जारी नहुनु एवं अनुगमन गर्ने निकाय नहुनुले यो व्यवसाय नियन्त्रणभन्दा बाहिर पुगेको यथार्थ हो। इ-क्यानका १ सय ९० संस्थालाई भने हामी आफैँले अनुगमन गरिरहेका छौं। खासगरी भ्रामक र तल्लो स्तरका विज्ञापनले प्रतिस्पर्धालाई अस्वस्थ बनाएकाले इ-क्यानले 'कोड अफ कन्डक्ट' बनाएर त्यसअनुरूप सदस्य संस्थाहरूलाई सचेत गराउँदै आएको छ।

## सम्पूर्ण व्यवसायलाई नै नराप्ने पर्ने गरी भैरहेका गतिविधिलाई नियन्त्रण गर्न किन पहल नगर्नुभएको त ?

अहिले सातामा चारवटासम्म नयाँ परामर्शदाता संस्था जन्मिरहेका छन्। कसै-कसैले व्यक्तिगत पहलमा

पनि परामर्शको काम गरिरहेका छन्। पहिलो कुरा हामीसँग कारवाही गर्ने अधिकार छैन, दोस्रो सरकारले कर असुल्नेबाहेक अन्य कुरामा यो क्षेत्रलाई चासो नै दिएको छैन, निर्देशिकासम्म पनि जारी गरिएको छैन, तेस्रो हामीसँग आवद्ध नरहेका संस्थालाई हामीले त्यसो नगर्न आग्रह मात्र गर्न सक्छौं, हाम्रो कोड अफ कन्डक्टले उनीहरूलाई छुदैन।

## तपाईंहरूको कोड अफ कन्डक्टमा के छ ?

हामीले व्यवसायी संस्थाको हकमा संस्थाले पालन गर्नुपर्ने कुरासम्बन्धी पहिलो कोड अफ कन्डक्ट र विज्ञापनमा अपनाउनुपर्ने सजगताका विषयमा दोस्रो कोड अफ कन्डक्ट जारी गरेका छौं। जसअनुसार हामीसँग आवद्ध संस्थालाई टुचाकमा हिँडाएर यो व्यवसायलाई मर्यादित बनाउने काम इ-क्यानले गरेको छ। यदि सदस्य

संस्था कसैले कोड अफ कन्डक्टभन्दा बाहिर गएर काम गरेको छ भने इ-क्यानको विधानअनुसार कारवाही गर्छौं।

## गलत परिपाटीको नियन्त्रणका लागि समाधान के त ?

समाधानका लागि जतिसक्दो छिटो निर्देशिका जारी हुनुपर्छ। निर्देशिका आइसकेपछि व्यवस्थित ढंगले सही काम गर्ने संस्था रहन्छन् भने गलत काम गर्नेहरू आफैँ बाहिरिन्छन्, तर निर्देशिका मात्र मुख्य कुरा होइन, विद्यार्थी र अभिभावक पनि त्यत्तिकै सचेत हुनुपर्छ। विद्यार्थी र अभिभावक सचेत हुनुपर्छ भनेर इ-क्यानले समय-समयमा कार्यक्रम पनि गर्दै आएको छ। इ-क्यानका सदस्य संस्थाबाट मात्र परामर्श लिने, लोभ वा प्रलोभनमा नफस्ने एवं वैदेशिक शिक्षाका बारेमा जतिसक्दो धेरै संस्थामा गएर बुझ्ने काम गर्नुपर्छ।

- विदुर खतिवडा

STUDY IN USA

UNDERGRADUATE  
GRADUATE

100%

WISCONSIN  
UNIVERSITY

WISCONSIN  
UNIVERSITY

WISCONSIN  
UNIVERSITY

STUDY IN USA

UNDERGRADUATE  
GRADUATE

100%

WISCONSIN  
UNIVERSITY

WISCONSIN  
UNIVERSITY

WISCONSIN  
UNIVERSITY



खेलकूद प्रतियोगितामा पहिचान बनाएका खेलाडीहरूले भने अस्ट्रेलियाका विश्वविद्यालयमा छात्रवृत्ति पाउने अवसर पाउँछन्। अस्ट्रेलिया जाने विद्यार्थीहरू अक्सर हस्पिटालिटी म्यानेजमेन्ट अन्तर्गतका भोकेसनल कोर्समा जान्छन्। जसमा होटल म्यानेजमेन्ट अन्तर्गत कुकरी, बेकरी तथा वेटर्स/वेट्रेस जस्ता रोजगारमुखी सर्टर्म कोर्स पछिन्छन्। फुड एन्ड वेभरेज म्यानेजमेन्ट, कूक (कन्टिनेन्टल, चाइनिज, इन्डियन, इटालियन, मेक्सिकन), फ्रन्ट अफिस, वारटेन्डर, हाउसकिपिङ (वेड मिलाउने, रुम व्यवस्थापन गर्ने) जस्ता कोर्स गर्नेले तुरुन्तै काम पनि पाउने भएकाले धेरै विद्यार्थी यस्ता कोर्समा डिप्लोमा एवं एडभान्स डिप्लोमा गरेपछि तिनै विषयसँग मिल्दो संकायमा स्नातक तहको अध्ययन गर्न पुग्छन्। यसरी डिप्लोमा लेभल अन्तर्गतको भोकेसनल कोर्स गरेकाहरूले सीधै स्नातक तहको दोस्रो वर्षमा भर्ना पाउँछन्।

धेरै विद्यार्थी उच्च शिक्षाका लागि विदेश जाने भएकाले उनीहरूले प्राइभेट कलेज वा विश्वविद्यालयमध्ये एक रोजन सक्छन्। प्राइभेट कलेजको तुलनामा विश्वविद्यालयको शुल्क दोब्बर महँगो हुन्छ। विश्वविद्यालयमा जाने विद्यार्थीले पनि फाउन्डेसन कोर्स गरेर मात्र स्नातक अध्ययन गर्न पाउँछन्। साधारणतया नेपालबाट जाने विद्यार्थीहरू भोकेसनल ट्रेनिङ कोर्समा जान रुचाए पनि पछिल्लो अवधिमा अस्ट्रेलिया सरकार विश्वविद्यालयमा विद्यार्थी तान्ने योजनामा छ। योग्यताको दृष्टिकोणले पनि विद्यार्थीलाई विश्वविद्यालयको पाठ्यक्रममा अध्ययन गर्नु फाइदाजनक हुन्छ तर शुल्क महङ्गो हुनु तथा विद्यार्थीको शैक्षिक आधार पनि बलियो हुनुपर्ने भएकाले धेरै विद्यार्थी विश्वविद्यालय शिक्षामा जान सक्दैनन्। डिप्लोमा अन्तर्गतको भोकेसनल ट्रेनिङ कोर्स गरेका विद्यार्थीले पर्मानेन्ट रेसिडेन्सीका

शालिकराम भण्डारी  
प्रबन्ध निर्देशक  
द नेस्कट एजुकेशन कन्सल्टन्सी

अस्ट्रेलिया जाने ट्रेन्ड घट्दै जानुको मुख्य कारण के होला ?  
पहिलो 'ए' ग्रेडका बैकहरूबाट बनाउन पाइने आर्थिक कारोबारको कागजात अहिले आएर नबिल र एसबीआई बैकमा मात्र सीमित हुनु। यी दुई बैकका शाखा धेरै नभएकाले विद्यार्थीहरूले कागजात तयार गर्न भन्फटिलो बन्नु, दोस्रो कारण अस्ट्रेलियन सरकारले नेपाली विद्यार्थी लिने नीतिमा अचानक परिवर्तन ल्याउनुले अस्ट्रेलिया जाने ट्रेन्ड घटेको हो तर अहिले पनि विद्यार्थी जाने क्रम भने रोकिएको छैन।

नेपालस्थित शैक्षिक परामर्शदाता संस्थाले गलत काम गरेकाले पनि अस्ट्रेलियन सरकारले अंकुश लगाएको होइन ?  
केही परामर्शदाता संस्थाले गलत ढंगले काम गरेका होलान्, तर त्यसको आवश्यक इन्वाइरी गरी जसको डकुमेन्टमा शंका छ, त्यस्तालाई रोक्नुपर्छ, तर केही व्यक्ति र संस्थाले गरेको गलतको कामको भागीदार राम्रा संस्थाले

पनि भोग्नुपरिरहेको छ। अहिले पनि यो क्षेत्रलाई धमिल्याउने त्यस्ता संस्था क्रियाशील छन्। अस्ट्रेलिया जाने ट्रेन्ड फेरि बढ्ने सम्भावना छ ?  
केही समयभित्रै अस्ट्रेलियन हाई कमिसनले अन्य नयाँ बैकलाई पनि आर्थिक कारोबारका निमित्त लाइसेन्स दिने कुरा मैले सुनेको छु। यो कुराले अस्ट्रेलिया जाने ट्रेन्ड फेरि पनि बढ्न सक्छ। प्रक्रिया भन्फटिलो भएकाले मात्र विद्यार्थीहरू प्रोसेसिङमा लाग्न अल्छी गरिरहेका छन्। मुख्य कुरा नेपाली विद्यार्थीका लागि अस्ट्रेलिया जतिको उपयुक्त गन्तव्य अर्को राष्ट्र हुन सक्दैन।

गलत प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गर्न कडा अनुगमन आवश्यक छ कि छैन ?  
अवश्य छ, नेपाल सरकारले शैक्षिक परामर्श व्यवसायी संस्थाहरूलाई नियन्त्रणमा राख्ने निर्देशिका जारी गर्न सकेको छैन। तुरुन्त निर्देशिका जारी गरी उच्चस्तरीय संयन्त्र बनाएर व्यवसायी संस्थाहरू अनुगमन गर्नुपर्छ। यसो नगरे भविष्यमा अन्य राष्ट्र जाने बाटो पनि बन्द हुनसक्छ।

## अब पढ्नलाई नै अस्ट्रेलिया



सन् २००७/२००८ को अवधीभर अस्ट्रेलिया जाने विद्यार्थीको संख्या धेरै थियो तर वर्ष २००९ को प्रारम्भमा अस्ट्रेलिया सरकारले गरेको कडाइका कारण अस्ट्रेलियालाई गन्तव्य बनाउने विद्यार्थीको संख्या स्वातन्त्र्य घटेको छ।

'अहिले 'जेन्युन स्टुडेन्ट' मात्र अस्ट्रेलियाको प्रोसेसिङमा भेटिन्छन्' क्याम्ब्रिज एजुकेशन कन्सल्टन्सीकी परामर्शदाता सरला कार्कीले भनिन्- 'पहिले जस्तो पैसा कमाउन जाने भन्ने ट्रेन्ड अहिले छैन।' अस्ट्रेलियामा अध्ययनका साथै पर्याप्त अवसर पनि थियो। त्यसैले वर्ष २००७ र २००८ मा दसौं हजार विद्यार्थी अस्ट्रेलिया पुगे। सर्ट टर्मका भोकेसनल कोर्स तथा उत्कृष्ट विषयमा शैक्षिक प्रमाणपत्र हासिल गर्ने इच्छा भएका धेरै विद्यार्थीको पहिलो रोजाइ अस्ट्रेलिया बनेको थियो।

'अहिले पनि अस्ट्रेलिया जाने विद्यार्थीको चाहना घटेको छैन' द नेस्कट एजुकेशन कन्सल्टन्सीका प्रबन्ध निर्देशक शालिकराम भण्डारी भन्छन्- 'तर जाने प्रक्रिया लामो तथा भन्फटिलो भएकाले उनीहरू

नेपाली विद्यार्थी लाने क्रममा कडाइ गर्न थालेको हो।' एक परामर्शदाताले नाम उल्लेख नगर्ने शर्तमा भने- 'अस्ट्रेलिया जानकै लागि भनेर नक्कली विवाह गर्ने, गलत बैकिङ कारोबार देखाउने खेल बढ्दै गएकोले पनि भिसा प्रकृया कडा गरिएको हो' तर अर्का परामर्शदाता भने यो कुरा मान्न तयार छैनन्, उनका अनुसार अस्ट्रेलिया सरकारले शैक्षिक क्षेत्रमा निर्धारित लक्ष्य अनुसार विद्यार्थीबाट शुल्क हासिल गरिसकेपछि नेपाली विद्यार्थी भित्र्याउने प्रक्रियालाई कडाइ गर्दै लगेको हो।

अस्ट्रेलिया जाने प्रक्रिया गाह्रो भए पनि असम्भव भने छैन, अहिले पनि औसतरूपमा मासिक ३ सयभन्दा बढी विद्यार्थी अस्ट्रेलिया गैरहेका पाइन्छन्। विद्यार्थीले शैक्षिक प्रमाणपत्र र बैकिङ कारोबार सही र स्पष्ट देखाएमा अस्ट्रेलिया जाने अवसर सजिलै पाउँछन्। अस्ट्रेलियाका कलेज तथा विश्वविद्यालयमा छात्रवृत्तिको व्यवस्था छैन, त्यसकारण विद्यार्थीले शैक्षिक संस्थाले निर्धारण गरेको शुल्कमै जानुपर्ने हुन्छ। राष्ट्रियस्तरको

अस्ट्रेलिया जाने विद्यार्थीहरू सीधै विश्वविद्यालयको स्नातक वा स्नातकोत्तर तहको अध्ययनमा जान सक्छन् तर उनीहरूको उत्कृष्ट शैक्षिक प्रमाणपत्र र आईईएलटीएसमा न्यूनतम ६ स्कोर हुनुपर्छ। अन्य भोकेसनल कोर्सका लागि भने ५ दशमलव ५ अंक स्कोर भए पुग्छ।

उच्च शिक्षा हासिल गर्न अस्ट्रेलिया जाने विद्यार्थी व्यवस्थापन संकाय अन्तर्गतको एमबिए, बिबिए, एसिसिएमा आकर्षित भएको पाइन्छ। नर्सिङ अस्ट्रेलियाको अर्को आकर्षक विषय हो। स्टाफ नर्स गरेकाहरूले त्यहाँ गएपछि सहजै राम्रो रोजगार पाउने भएकाले उनीहरूको त्यहाँको बसाइ पनि सहज हुन्छ। विज्ञान पढेका विद्यार्थीहरू भने आइटी एजुकेशन, इन्जिनियरिङ तथा एयरस्पेस (एरोनोटिकल इन्जिनियरिङ) पाठ्यक्रम अध्ययन गर्न अस्ट्रेलिया जान्छन्।

अस्ट्रेलिया जाने क्रममा आफ्नो शैक्षिक योग्यता अनुसार अध्ययन गर्न चाहेको पाठ्यक्रमका आधारमा कलेज तथा विश्वविद्यालय रोज्नुपर्छ। प्लस टु उत्तीर्ण गरेका

लागि ६० प्वाइन्ट पाउने भएकाले पनि गत वर्षहरूमा स्नातकोत्तर गरेकाहरू पनि यस्ता कोर्स गर्न अस्ट्रेलिया गएका थिए। परमानेन्ट रेसिडेन्सी पाउन १ सय २० अंक हासिल गर्नुपर्ने अस्ट्रेलियन नीति छ। परामर्शदाता सरला कार्कीका अनुसार परमानेन्ट रेसिडेन्सी लिडिङ कोर्समा जानु फाइदाजनक हुन्छ।

जाने प्रक्रिया  
विश्वविद्यालय तथा कलेज छनौट गरिसकेपछि अध्ययन गर्न चाहेको विषयसँग सम्बन्धित रहेर विद्यार्थीले सबै डकुमेन्ट तयारी गरी

**ENGLISH LANGUAGE TRAINING**

फिटो अनि राम्रोसँग American Method मा सिकाइने ? मात्र English, Japanese, Spanish, Chinese, German तथा French Language Training संचालन गरिँदछ।  
३ महिना भित्र राम्रोसँग बोल्न सक्ने बनाउने विश्वास दिलाउछौं।

**BUD LANGUAGE INSTITUTE**  
जमल रानी पोखरी, विश्वज्याति हलसंग  
Tel - 4249576

सम्बन्धित कलेज वा विश्वविद्यालयमा अफर लेटर माग गर्न सक्छन्। आईईएलटीएसको स्कोर र शैक्षिक प्रमाणपत्र हेरेर कलेज वा विश्वविद्यालयले विद्यार्थीलाई अफर लेटर पठाउँछ। डिप्लोमा र एडभान्स डिप्लोमामा अफर लेटर मगाउन सजिलो हुन्छ। अफरलेटर आइसकेपछि विद्यार्थीले आफ्नो फाइनान्सियल डकुमेन्ट (अभिभावकको आयस्रोत र शैक्षिक ऋण वा बैकिङ ब्यालेन्स), सुरक्षा

निकायबाट फौजदारी अभियोगमा संलग्न नभएको कागजात तयार गर्नुपर्छ। बैकिङ कागजात तयार गर्न अस्ट्रेलियन हाइकमिसनले स्वीकृत गरेको नबिल बैक र एसबीआई बैकमार्फत् आयस्रोत वा बैक ब्यालेन्स तयार गर्नुपर्छ। स्टान्डर्ड भिजन एन्ड रिसर्च सर्भिस सेन्टरका प्रबन्ध निर्देशक सञ्जीव खत्रीका अनुसार यसरी तयार गरिएका सम्पूर्ण विवरण पृष्ठ १० मा जारी

**१०० % रोजगारमुलक**  
दशै तिहारको विशेष अवसरमा  
●कूक - ४५,००/- ●वेटर - १५००/-  
●सेक्युरिटी गार्ड - १५,००/-  
●हाउसकिपिङ/रूम ब्याथ - २,०००/-

**होटल तालिम कामना**  
कोटेश्वर  
४६०१८७८, ४६००३३५

**केयर गिभर कूक र होटल तालिम**  
कूक केयर गिभर हिब्रू भाषा वेकरी  
वेटर रुममेड सेल्स वार्ड/गल्स  
अमेरिका, जापान, अस्ट्रेलिया जानेहरूको लागि विशेष तालिमका व्यवस्था  
५ तारे होटलमा ट्रेनिङको व्यवस्था

**SLC**  
दिएका विद्यार्थीहरूलाई विशेष छुट  
**KIHM**  
कम्पेण्डाल, धाराथली पलर्नाजक ललितपुर  
Tel: 5523648, 2111340, 2111404

**आवश्यकता**

**BEAUTY Parlor & Spa**  
को लागि अंग्रेजी भाषामा राम्रो दखल भएका व्यक्तिहरूले बायोडाटा सहित तु. सम्पर्क गर्नुहोला।

पद : Spa Manager तलब: Negotiable

पद : सिनियर व्युटीसियन - ३ तलब : रु. १५०००/- सम्म अनुभव: कम्तिमा ५ वर्ष

पद: Acupressure/Acupuncture Therapist (पुरुष/महिला) - ३ तलब : रु. १००००/- सम्म अनुभव: कम्तिमा २ वर्ष

पद: रिसेप्सनिष्ट (पुरुष/महिला) - ३ तलब : रु. ५०००/- सम्म

पद: मार्केटिङ (पुरुष/महिला) - २ तलब : रु. १००००/- सम्म अनुभव: ३ वर्ष

**HIMALAYA RETREAT SPA**  
GPO Box 12575, Tel: 4700992, 9803524221  
E-mail: info@agnepal.com

**उद्घोषण तालिम**

पूर्णरूपले practical र स्टुडियो केन्द्रित रेडियो, टेलिभिजन, प्राविधिक तथा पत्रकारीता तालिम  
रेडियो कर्मीद्वारा संचालित उद्घोषण तालिम केन्द्र

स्याती प्राप्त संचारकर्मी दिनेश डि.सी.का साथमा  
● लेश श्रेष्ठ ● मृदुला खनाल ● मुनाल शिशिर  
● राज श्रेष्ठ ● दिपक समिर ● सन्तोष खनाल  
● केशवजङ्ग पाण्डे ● नविन लुँडेल ● अमित अधिकारी

**BIKALPA THE OPTION** फोन: ०१-२२५०९६८  
बगबजार, काठमाडौं (श्रेष्ठ टेलरिङको दाहिनेपट्टि)  
विकल्प FM TIME मा कार्यक्रम चलाउने १००% ग्यारेण्टी

रु.१०००/- छुट सहित

**HURRY UP! HURRY UP!!**  
**WEB PAGE @ 4600/- ONLY**  
Free hosting  
Minimum Duration & with infinite pop accounts

**ENCORE TECHNOLOGIES NEPAL Pvt. Ltd.**  
3rd Floor Kagajkothi Building, Putalisadak, Kathmandu. Phone : 4421917  
URL : www.encorenepal.com  
E-mail : enquiry@encorenepal.com

# इन्डियन एजुकेशन फेयर

## शिव मुखिया

काठमाडौं- विराटनगरका आदित्य देवले यसै वर्ष निस्ट कलेजबाट प्लस टु सिध्याएका हुन्। मेडिकल साइन्समा रुचि राख्ने आदित्यले थप अध्ययनका लागि आफ्नो गन्तव्य ताकेका छन् भारत। 'मेडिकल साइन्स पढाइ हुने कलेज खोजिरहेको छु', राजधानीमा आयोजित बृहत् इन्डियन एजुकेशन फेयरमा विभिन्न स्टल चहारिरहेका आदित्यले भने- 'मेरो योजना आउँदो वर्षका लागि हो।' उनी आउँदो वर्ष मेडिकल साइन्स अध्ययनका लागि भारत जाने सोचमा छन्। यो विषय अध्ययनका लागि करिब ३२ लाख खर्च हुने उनले बताए। अध्ययनका लागि भारत जान चाहने विद्यार्थीलाई लक्षित गरिएको एजुकेशन फेयर नयाँ बानेश्वरस्थित एभरेस्ट होटलमा सञ्चालन भएको थियो। गत २३ र २४ गते सम्पन्न एजुकेशन फेयरमा भारतका विभिन्न विश्वविद्यालय, कलेज र इन्स्टिच्युटहरूले आ-आफ्नो शैक्षिक कार्यक्रमका सम्बन्धमा विद्यार्थीलाई परामर्श दिएका थिए।

एजुकेशन फेयरमै भेटिएका थिए स्याङ्जाका तीन तन्नेरी हीरा भट्टराई, प्रदीप भट्टराई र विनोद भट्टराई। छात्रवृत्तिमा भारतको दिल्ली पब्लिक स्कुल, रोहतकबाट प्लस टु सिध्याएर राजधानी आएका विनोद, एम्बिसन एकेडेमीबाट प्लस टु गरेका हीरा र युनिभर्सल कलेजबाट प्लस टु सिध्याएका प्रदीपले पनि थप अध्ययनका लागि भारत जाने सोच बनाएका रहेछन्। अध्ययनका लागि भारतलाई गन्तव्य बनाउनुको कारण नजिक हुनु नै भएको बताउँदै हिराले सुनाए- 'भाषा-संस्कृतिको समानताका कारण पनि हामीलाई भारत सजिलो लाग्छ।' हीराले भने जस्तै भाषा-संस्कृतिको समानता, नजिकको गन्तव्य र विभिन्न प्रक्रियाको क्रमेलामा फस्नु नपर्ने भएकाले पछिल्लो समय अब्रोड स्टडीको तयारी गरिरहेका विद्यार्थीका लागि भारत उपयुक्त गन्तव्य बन्दै गएको छ। त्यसो त कम खर्चमै गुणस्तरीय शिक्षा लिनेहरूको इच्छा पनि भारतका कलेज-विश्वविद्यालयहरूले पूरा गरिदिँदै आएका छन्। 'अमेरिकाका साथै युरोपियन देशहरूमा जस्तो खान-बस्न चर्को मूल्य चुकाउनुपर्दैन,' वीएमएलटी (ब्याचलर इन मेडिकल ल्याब टेक्नोलोजी) अध्ययनमा रुचि राख्ने प्रदीपले भने- 'तर पढाइ अरु देशमा



जस्तै गुणस्तरीय हुन्छ।' यता हवाईजहाज मर्मत अर्थात् एरोनोटिकल अध्ययनका लागि भारत जाने तयारीमा जुटेका पोखराका आशिष शर्मा श-शिव फुलाइड एकेडेमीको स्टल अघिल्लि भेटिए। 'यो विषय अध्ययन गर्ने मेरो पहिलेदेखिकै सोख हो,' उनले सुनाए- 'चारवर्षे यो कोर्स गर्न भारतमा ६ लाख रुपैयाँ खर्च लाग्छ।' आशिषजस्तै फरक विषयमा अध्ययन गर्ने थुप्रै विद्यार्थीले भारतलाई गन्तव्य बनाउँदै आएका छन्। खासगरी इन्जिनियरिङ अध्ययनका लागि भारत मुख्य गन्तव्य बन्दै गएको एजुकेशन फेयर अवलोकन गर्न आएका विद्यार्थीहरूको भनाइ थियो।

अध्ययनका लागि ट्युसन फी महँगो भए पनि खाने-बस्ने खर्च कम लाग्ने भएकाले समुन्द्रपार अध्ययन गर्न जाने विद्यार्थीहरूमध्ये धेरैले भारतलाई आफ्नो रोजाइमा पाउँदै आएका छन्। अध्ययनका लागि भारत जाने नेपाली विद्यार्थीको संख्या थपिँदै गएपछि भारतीय कलेज-विश्वविद्यालयहरूले थप आकर्षक कार्यक्रमसहित विद्यार्थीलाई आमन्त्रण गरिरहेका छन्। भारत जाने विद्यार्थीहरूको बढ्दो क्रमलाई ध्यानमा राखेर अफायर्सले आयोजना गरेको एजुकेशन फेयरमा भारतका विभिन्न ५० स्थानका कलेज तथा विश्वविद्यालयहरूको सहभागिता रह्यो। ५० भन्दा बढी कलेज-

विश्वविद्यालयले आ-आफ्नो शैक्षिक कार्यक्रमका सम्बन्धमा विद्यार्थीहरूलाई प्रत्यक्ष परामर्श दिएका थिए, साथै कतिपय कलेज-इन्स्टिच्युटले स्पट एडमिसनको अवसर, भर्नामा छुटको अफर पनि दिएका थिए। एजुकेशन फेयरमा भारतका विश्वविद्यालय तथा कलेजहरूमा पढाइ हुने सयभन्दा बढी आकर्षक विषय छनौट गर्ने अवसर थियो।

एजुकेशन फेयरमा बैंगलोर, दिल्ली, पुना, मुम्बई आदि स्थानका कलेज तथा विश्वविद्यालयहरूको सहभागिता थियो। ती कलेज-विश्वविद्यालयहरूले आइटी, इन्जिनियरिङ, बीबीए, एमबीए, मेडिसिन, नर्सिङ, कम्प्युटर एप्लिकेन्स, ल, पारामेडिकल, फिजियोथेरापी, माइक्रोबायोलोजी, बायोटेक्नोलोजी, फार्मेसी, एभिएसन, होटल एन्ड हस्पिटालिटी म्यानेजमेन्ट, जेनेटिक्स, डेन्टलजस्ता आकर्षक विषय देखाएर विद्यार्थीहरूलाई आमन्त्रण गरेका थिए।

## गन्तव्य छिमेकी मुलुक

'विद्या नपाए काशी जानु।' पढनका लागि विगतदेखि नै काशी (हालको वाराणसी) जाने चलन रहेकाले नेपाली समाजमा यस्तो उक्ति चलेको थियो। पछि हुने-खानेका मात्र होइन तत्कालीन शाही परिवारका सदस्यहरूसमेत पूर्वोत्तर भारतको दार्जीलिङ पढ्न जान्थे। अध्ययनको सिलसिलामा नेपाली विद्यार्थीहरू भारत जाने क्रम अझै घटेको छैन, बरु जाने स्थान फेरिएको छ। यतिबेला उच्च शिक्षाका लागि नेपाली विद्यार्थीहरू भारतको बैंगलोर, दिल्ली, पुना, मुम्बई, पञ्जाब आदि स्थानमा जाने गरेका छन्।

विकासको गतिमा अघि बढिरहेको भारतलाई नै शैक्षिक गन्तव्य बनाएर बसेंन नेपाली विद्यार्थीहरू त्यता जाने गरेका छन्। अब्रोड स्टडीका लागि भारतका विभिन्न कलेज तथा विश्वविद्यालय चहार्ने नेपाली विद्यार्थीको संख्या उल्लेख्य रूपले बढ्दै गएको छ। धेरै विषय छनौटको अवसर, गुणस्तरीय शिक्षा आदिका कारण नेपाली विद्यार्थीहरू अध्ययनका लागि भारत जाने गरेको पाइएको छ। त्यसो त छिमेकी मुलुक भारतसँगको भाषिक, सांस्कृतिक समानताका कारण पनि कतिपय विद्यार्थीले अब्रोड स्टडीका लागि भारतलाई आफ्नो गन्तव्य बनाउने गरेका हुन्।

'न भिसाको प्रक्रिया, न त टोफेल, आईईएलटीएस नै गर्नुपर्ने' भारतको डेली पब्लिक स्कुल रोहतकबाट प्लस टु सिध्याएर पुन भारत अध्ययनकै तयारीमा जुटेका स्याङ्जाका विनोद भट्टराई भन्छन्- 'विना भन्फट उक्तिकै गुणस्तरीय शिक्षा पाइन्छ भने किन समुन्द्रपार गैरहने?'

आउजाउमा सजिलो हुने तथा बसाइ खर्च कम लाग्ने भएकाले पनि धेरै विद्यार्थी गुणस्तरीय शिक्षा लिन भारत पस्ने गरेका छन्।

भारतमा ४ सय युनिभर्सिटी छन्। त्यस्तै १७ हजार कलेजले गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्दै आएका छन्। दिल्ली विश्वविद्यालय, कोलकाता विश्वविद्यालय, मुम्बई विश्वविद्यालयजस्ता थुप्रै विश्वविद्यालय छन्, जसको सम्बन्धन लिएर सञ्चालित कलेजहरू भारतमै उत्कृष्ट र प्रसिद्ध छ। कलेज तथा विश्वविद्यालयको संख्या जस्तै भारतमा थुप्रै विषय छनौटको अवसर पनि पाइन्छ। आईटी, इन्जिनियरिङ, बीबीए, एमबीए, मेडिसिन, नर्सिङ, कम्प्युटर एप्लिकेन्स, ल, पारामेडिकल, फिजियोथेरापी, माइक्रोबायोलोजी, बायोटेक्नोलोजी, फार्मेसी, एभिएसन, होटल एन्ड हस्पिटालिटी म्यानेजमेन्ट, जेनेटिक्स, डेन्टलगायतका आकर्षक विषयमा गुणस्तरीय शिक्षा पाइने भएकाले भारत नेपाली विद्यार्थीको रोजाइमा परेको हो।

भारत जाने प्रक्रिया सरल छ। खुला सीमा तथा छिमेकी मुलुक भएकाले भारत आउजाउ गर्न गाह्रो छैन। त्यसैले भारतको कुनै पनि विश्वविद्यालय एवं कलेजमा भर्ना पाउनका लागि कन्सल्टेन्सीहरूको सहारा लिइरहनु पर्दैन। यद्यपि त्यहाँको कलेज, कलेज रहेको स्थान, पढाइ हुने विषय, शैक्षिक गुणस्तर, पढाइ एवं बसाइ खर्च आदिका बारेमा भने विज्ञात परामर्श लिन सकिन्छ।

<b>होटल तालिम विशेष छुट्टमा</b> २००३ मा स्थापित <b>Worldwide valid Certificate</b>		नेपाल सरकारबाट स्वीकृत प्राप्त, पाँचतारेको प्रशिक्षक
<b>Japan, UK, Australia, Canada, European देशमा Working Visa, Student Visa मा जानेलाई</b>	<b>Part time &amp; Full time job को लागि SPECIAL CLASS</b>	<b>Student Visa मा जानेलाई Special Discount</b>
<b>COOK (1, 2, 3, 6 month), WAITER (1, 2, 3 month) Barman, Bakery, Tandoori, Salesman, Receptionist, House Keeping, Diploma in Hotel Mgmt., F &amp; B Mgmt., Coffee, Juice maker, Roomboy, Bellboy, House Wiring, Plumber etc.</b>	<b>3 महिने कुकमा FREE ENGLISH LANGUAGE</b>	<b>थप Industrial Training लाई Star Hotel मा पठाइने</b>
<b>रयाडीसन होटल ट्रेनिङ सेन्टर</b>	<b>साहारा होटल तालिम सेन्टर</b>	<b>रयाडीसन होटल तालिम सेन्टर</b>
बागबजार, फि.के.साम्बसर्षिको रोडको पार रातपाक भर्ष <b>4247165, 2200889, 9841-891131</b>	(Sahara School of Hospitality Management and Tourism Nepal) नयाँ बानेश्वर, सिविसन हल अगाडि, जेठरावट मार्ग <b>2040782, 016200757, 98510-93629</b>	नयाँ बानेश्वर, BICC पानी ट्याङ्कीको ठीक अगाडि <b>4464720, 9841-891131, 98510-93629</b>

## विदुर खतिवडा

केही समयअघिसम्म अस्ट्रेलिया जान लाने भीड अहिले बेलायततर्फ मोडिएको छ। यसो हुनुको मुख्य कारण बेलायत सरकारले अचानक ल्याएको सरल नीति हो। उत्कृष्ट शैक्षिक प्रमाणपत्रका आधारमा राम्रा विद्यार्थी मात्र लिने युकेले पछिल्लो अवधिमा इनकम सोर्स, छ महिनाको बैकिङ स्टेटमेन्ट, प्रोपर्टी भ्यालुएसन, प्यारेन्ट्स डकुमेन्टजस्ता कुरा आवश्यक नपर्ने नीति ल्याएपछि भीड युकेतर्फ भीड खिचिएको हो। अहिले कलेजले विद्यार्थीलाई स्पेन्सर गरेको अवस्थामा २८ दिनको बैकिङ कारोबारका आधारमा भिसा दिने नीति सार्वजनिक हुनुले बेलायत नेपाली विद्यार्थीलाई आकर्षित गर्न केन्द्रित भएको स्पष्ट हुन्छ।

‘अस्ट्रेलिया सरकारले भिसाका लागि कडाइ गर्नु र ठीक त्यही बेला बेलायत सरकारले भिसा सहज बनाउनुले विद्यार्थीहरू बेलायततर्फ आकर्षित भएका हुन्,’ क्याम्ब्रिज इन्स्टिच्युटका प्रमुख गोपाल भण्डारीले भने- ‘विद्यार्थीहरूको आकर्षणमा रहेको बेलायत जाने प्रक्रिया सजिलो भएपछि, यतिखेर परामर्शदाता संस्थाहरू विद्यार्थीलाई बेलायत जाने सल्लाह दिन थालेका छन्।’

शैक्षिक (एकेडेमिक) पाठ्यक्रममा अध्ययन गर्न बेलायत राम्रो गन्तव्य हो। छोटो समयका प्रोफेसनल कोर्स गर्न अस्ट्रेलिया सही छनौट भए पनि बेलायतमा प्रोफेसनल कोर्स हुँदैन। प्लस टु अध्ययन गरेका विद्यार्थी स्नातक अध्ययनका लागि र स्नातक गरेकाहरू स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्राजुएट) का लागि बेलायत जान्छन्। खासगरी वीवीए र एमबीएका लागि धेरै विद्यार्थीको आकर्षण बेलायत बनेको छ। एमबीए अध्ययनका लागि प्रायः कलेजले कामको अनुभव खोज्ने गरेका छन्। आईईएलटीएस गरेका विद्यार्थीको हकमा केही कलेजले कामको अनुभव पनि खोज्दैनन्।

बेलायत जान सबै कलेजले आईईएलटीएस (आयल्स) लाई अनिवार्य मानेका छैनन्। आयल्स नगरेको हकमा विद्यार्थीले अंग्रेजी माध्यममा पढेको हो भनेर विद्यार्थीले पढेको कलेजले सिफारिश गर्नुपर्छ। आयल्स नगरेका विद्यार्थीलाई सम्बन्धित कलेजले अंग्रेजीको विशेष कक्षा लिन्छ। यसका लागि १ हजारदेखि १ हजार ५ सय पाउण्ड अतिरिक्त खर्च लाग्छ। नेपालमा आयल्स गर्न १२ हजार रुपैयाँले पुग्ने भएकाले डेढ लाखभन्दा बढी तिरेर बेलायत पुगेर अंग्रेजीको विशेष कक्षा लिन मुख्तया भएको इक्यानका उपाध्यक्ष प्रेम पाण्डे बताउँछन्। डल्फिन एजुकेशन कन्सल्टेन्सीका प्रबन्ध निर्देशक पाण्डेका अनुसार परामर्शदाता संस्थाले यस विषयमा विद्यार्थीलाई सही जानकारी दिनु आवश्यक छ।

## सही कलेज छनौट

विद्यार्थीले युके जाने निर्णय गर्नुअघि त्यहाँका कलेजहरूका बारेमा यथार्थ विवरण बुझ्नु

आवश्यक छ। युकेमा विश्वविद्यालय तथा कलेज संख्या अत्यधिक भएकाले पनि त्यहाँका सबै कलेज उत्कृष्ट मानिँदैनन्। युकेमा अध्ययन गरेर फर्किएका विद्यार्थी समीर उपाध्यायका अनुसार त्यहाँ एउटा सानो फ्याटामा पनि कलेज सञ्चालन भएको पाइन्छ। कलेजका बारेमा सही जानकारी पाउन वेबसाइटमार्फत सर्च गर्न सकिन्छ। बेलायतमा रहेका कलेजहरूको अनुगमन गर्ने निकाय बोर्डर एजेन्सीले त्यहाँका कलेजलाई

ए र बी दुई गरी दुई श्रेणीमा विभाजित गरेको छ। त्यसैले विद्यार्थीले बोर्डर एजेन्सीबाट मान्यता पाएका कलेज मात्र रोज्नुपर्छ, नत्र फर्स्ने डर त्यसै हुन्छ। नेपालमा परामर्श उपलब्ध गराउने सबै शैक्षिक संस्था भरपर्दो नभएकाले विद्यार्थीले आफ्नै पहलमा कलेजको शैक्षिक स्तरको जानकारी लिनुपर्छ।

## शैक्षिक पाठ्यक्रम

उच्च शिक्षा हासिल गर्न बेलायत जाने अधिकांश विद्यार्थी व्यवस्थापन संकायअन्तर्गतको एमबीए, बीबीए, एसीसीए गर्न

# UK

## सबैको आकर्षणमा

### आवश्यक प्रक्रिया

विद्यार्थीले उच्च शिक्षामा अध्ययन गर्ने विषय छनौट गरेपछि त्यस आधारमा आफ्नो शैक्षिक प्रमाणपत्र र अन्य विवरणसहित सम्बन्धित कलेजमा आवेदन दिनुपर्छ। कलेजअनुसार विद्यार्थीले आवेदन शुल्क बुझाउनुपर्छ। प्रायः कलेजले आवेदन शुल्क लिन्छन्। विद्यार्थीले परामर्श उपलब्ध गराउने शैक्षिक संस्थाको सहयोगमा कलेज र विषय छनौट गर्न सक्छन्। त्यसपछि कलेजले विद्यार्थीको शैक्षिक प्रमाणपत्रलाई आधार मानेर ‘कन्डिसनल अफर लेटर’ पठाउँछ। अफर लेटर आउनेबित्तिकै विद्यार्थीले शिक्षा मन्त्रालयबाट ‘नो अब्जेक्सन लेटर’ बनाउनुपर्छ। नो अब्जेक्सन लेटर लिएपछि विद्यार्थीले कलेजको शैक्षिक कार्यक्रमलाई आधार बनाएर ट्युसन फि तिर्नुपर्छ।

यसमा ६ महिनादेखि १ वर्षसम्मको ट्युसन फी तिर्नुपर्ने हुन्छ। युकेका विश्वविद्यालय तथा कलेजहरूको शैक्षिक स्तरलाई रेटिङ गरेर बोर्डर एजेन्सीले मान्यता दिएका कलेज रोज्नुपर्छ। ट्युसन फी पाएपछि कलेजले विद्यार्थीको शैक्षिक प्रमाणपत्रलाई आधार मानेर भिसा लेटर पठाउँछ र विद्यार्थीले त्यसवापत स्वतः ३० प्वाइन्ट प्राप्त गर्छ। कलेजले आवेदन फर्म र अफर (भिसा) लेटरको हार्डकपी पठाएपछि विद्यार्थीले औपचारिक रूपमा भिसा प्रक्रिया सुरु गर्नुपर्छ। यो अनकन्डिसनल अफर हो। यसको पहिलो चरणस्वरूप विद्यार्थीले बेलायतमा एक वर्ष बस्दा लाग्ने खर्च बराबर २८ दिनको बैकिङ कारोबार भएको बैक ब्यालेन्स देखाउनुपर्छ। बैक ब्यालेन्स २० लाख रुपैयाँदेखि ३० लाख रुपैयाँसम्म देखाए पुग्छ। मेन्टेनेन्स शीर्षकअन्तर्गतको यो खर्च तिर्न सक्ने अवस्था देखाएपछि बोर्डर एजेन्सीले १० प्वाइन्ट दिन्छ।

यसरी कलेजबाट पाएको ३० प्वाइन्ट र बोर्डर एजेन्सीको १० प्वाइन्ट गरेर ४० प्वाइन्ट पुगेपछि त्यो विद्यार्थी युके जान वैध मानिन्छ। त्यसपछि विद्यार्थीले ओरिजिनल डकुमेन्ट (शैक्षिक प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, भिसा लेटर, पुलिस सर्टिफिकेट, अतिरिक्त क्रियाकलापसंग सम्बन्धित डकुमेन्ट) राखेर भीएफएसमार्फत दिल्लीस्थित बेलायत दूतावासमा आवेदन पठाउनुपर्छ। भीएफएसको नागपोखरीस्थित कार्यालयमा गएर विद्यार्थीले भिसा आवेदनका लागि १ सय ५० पाउन्ड तिर्नुपर्छ। विद्यार्थीको बायोमेट्रिक्स डाटा पनि यहीं लिइन्छ। बेलायतको सुरक्षा प्रणाली कडा भएकाले बायोमेट्रिक्स अनिवार्य मानिन्छ। यसरी भीएफएसमार्फत सबै डकुमेन्ट पठाएको २० दिनभित्रमा विद्यार्थीले टायर फोरअन्तर्गत बेलायत जाने भिसा प्राप्त गर्छन्।

## टायर फोर

टायर फोर बेलायत सरकारको एउटा नीति हो। बेलायत सरकारको नियमावलीलाई टायर भनिन्छ, जुन नियमावलीका विभिन्न दफाअन्तर्गत टायर फोर एक हो। युकेले गत अप्रिलदेखि टायर फोरको नयाँ नीति ल्याएको हो, जुन नयाँ स्कुलिङ सिस्टम हो। टायर फोरअन्तर्गत अल्पविकसित मुलुकका विद्यार्थीलाई बेलायत आएर उच्च शिक्षा हासिल गर्न पाउने सुविधा उल्लेख छ। टायर फोरअन्तर्गत विद्यार्थीले चाहेको विषय अध्ययन गर्न सम्बन्धित कलेजलाई स्पेन्सर राखेर त्यहाँ बस्दा लाग्ने खर्च बराबरको रकम सो (स्यारेन्टी) गर्दा भिसा उपलब्ध गराइने व्यवस्था छ। टायर वान र टायर टुमा आप्रवासी र कामदार भिसाका बारेमा उल्लेख छ। टायर फोरअन्तर्गत विद्यार्थीले अध्ययन पूरा गरिसकेपछि ‘पोस्ट स्टडी वर्क’ शीर्षकमा काम गर्न दुई वर्ष थप बस्ने सुविधा पाउँछन्। त्यसका लागि कलेजले भिसा एक्सटेन्ड गरिदिनुपर्छ।

जाने गरेका छन्। आयल्स गर्नेहरूले न्यूनतम ५ प्वाइन्ट ५ ल्याए बेलायतका कलेजमा अध्ययन गर्न पाउँछन्, तर नर्सिङको हकमा भने ६ प्वाइन्ट ५ न्यूनतम ल्याउनुपर्छ। होटल म्यानेजमेन्ट तथा ट्राभल एन्ड टुरिज्ममा जान सहज हुनुले यी विषय अध्ययन गर्न जानेहरूको संख्या पनि उल्लेख्य छ। होटल म्यानेजमेन्ट तथा ट्राभल एन्ड टुरिज्ममा पेड इन्टर्नसिप भएकाले दुई वर्षको कोर्समा पहिलो वर्ष ९ महिना कलेजले पाठ्यक्रम अध्ययन गराउने अवधिभरको तलब विद्यार्थीले पाउँछन्। त्यस्तै अर्को ९ महिना प्राक्टिकल गर्दा साताको २० घण्टा कानुनी रूपमा काम गर्न पाइन्छ भने ६ महिनाको विदा अवधिमा फूल टाइम काम गर्न पाइन्छ। मास कम्प्युनिकेसन एन्ड जर्नालिज्ममा पनि विद्यार्थीको आकर्षण छ। विज्ञान विषय लिएर पढेका विद्यार्थीहरू भने आईटी एजुकेशन, इन्जिनियरिङ तथा एयरस्पेस (एरोनोटिकल इन्जिनियरिङ) अध्ययन गर्न बेलायत जान्छन्।

## खर्च

विद्यार्थीले विषयअनुसार ट्युसन फी तिर्नुपर्ने हुन्छ। सामान्यतः विषय हेरी प्रतिवर्ष ५ लाखदेखि ९ लाखसम्म ट्युसन फी तिर्नुपर्छ। अध्ययन अवधिभर विद्यार्थीले साताको २० घण्टा काम गर्न पाउँछन् भने भ्याकेसनमा फुलटाइम गर्न पाइन्छ। त्यसैले पहिलो वर्षको शुल्क नेपालबाटै तिरेर पनि त्यसपछि विद्यार्थीले कमाएर ट्युसन फी तिर्न सक्छन्। यहाँबाट उड्ने बेलामा १ हजार पाउन्ड ट्राभल चेक बोक्नुपर्छ भने एयर टिकटका लागि १ लाख रुपैयाँ खर्च हुन्छ। लन्डनमा रहेका कलेजको हकमा शुल्क केही महँगो हुन्छ भने लन्डनवाहिरका कलेजमा कम शुल्क हुन्छ। लन्डनभित्रका

कलेजमा अध्ययन गर्न जाने विद्यार्थीले बढी रकम शो गर्नुपर्छ भने बाहिरका कलेजमा कम रकम शो गरे पुग्छ। लन्डन गएर बस्नुपर्दा लन्डनवाहिरभन्दा प्रतिमहिना २ सय पाउन्डभन्दा बढी रकम खर्च हुन्छ।

## डिपेन्डेन्ट भिसा

डिपेन्डेन्ट भिसा पति वा पत्नीले आफ्नो जीवनसाथी र बालबच्चाहरूलाई लान पाउने अवसर हो। डिपेन्डेन्टमा पति वा पत्नी एक जनाको शैक्षिक प्रमाणपत्रका आधारमा उसले आफ्नो परिवारका अन्य सदस्यलाई लान पाउने सुविधा हुन्छ। स्टुडेन्ट भिसामा जाने पति वा पत्नीले उसको साथीका रूपमा परिवारका अन्य सदस्यलाई डिपेन्डेन्ट देखाउन पाउँछन्। डिपेन्डेन्ट भिसामा जान चाहने व्यक्तिको शैक्षिक प्रमाणपत्र आवश्यक नभएकाले दोस्रो व्यक्तिले भिसा शुल्क र बैक स्टेटमेन्ट मात्र देखाए पुग्छ। डिपेन्डेन्ट भिसाका लागि आवेदन गर्ने व्यक्तिको बायोमेट्रिक्स डाटा मात्र लिइन्छ। डिपेन्डेन्ट भिसामा जान वैध वैवाहिक सम्बन्ध आवश्यक मानिन्छ।

## उरलागदो खेती

बेलायत जाने सरल नीतिको फाइदा यहाँका केही शैक्षिक परामर्श व्यवसायीहरूले लुटिरहेका छन् जसलाई पनि तिमी बेलायत जान सक्छौ भनेर १ हजार रुपैयाँको रजिस्ट्रेशन गराएर उनीहरूले लाखौं रुपैयाँ असुलिरहेका छन्। यसबाहेक पनि हजारौं खर्च गरेर भिसा नपाएकाहरूको रोदन पनि त्यत्तिकै बढ्दै गएको छ। अपेक्षा गरेजस्तो सजिलै भिसा नलाग्ने हुँदा धेरैको रकम अनाहकमा डुबे गरेको एक परामर्शदाताले बताए। उनका अनुसार परामर्श व्यवसायीहरू अहिले खाडी मुलुक जानुको सट्टा बेलायत गए हुन्छ भनेर सल्लाह दिन्छन्, यसकारण अध्ययनका लागि भन्दा पनि जसरी भए पनि

बेलायत छिरेर पैसा कमाउने अभिलाषाका साथ खर्च गर्नेहरू भिसा नपाएपछि रुनुको विकल्प हुँदैन।

राजधानीकै एक चत्तीको एजुकेशन कन्सल्टेन्सीमा दैनिक १ सय भिसा आवेदन अस्वीकृत भएर आउने गरेको छ। त्यही संस्थाले प्रारम्भमा दर्ता शुल्क भनेर १ हजार रुपैयाँ लिन्छ, यसबाहेक पनि अन्य शुल्क पनि लिइन्छ। अस्वीकृत हुने भिसा आवेदनलाई हेर्ने हो भने पनि यो संस्थाले दर्ता शुल्क भनेर नै दैनिक १ लाख असुल्ने गरेको देखिन्छ।

‘आईए वा प्लस टु उत्तीर्ण गरेर बेरोजगार बसेका भाइभान्जालाई मैले यतिखेर बेलायत जाने सल्लाह दिन थालेको छु,’ नाम उल्लेख नगर्ने सर्तमा एक व्यवसायीले भने- ‘यो मैले मात्र होइन, सबै गर्ने काम हो, अझ गाउँका सोभसाभालालाई बेलायत पुग्ने प्रलोभन देखाएर उनीहरूलाई भ्रममा पार्ने खेल बढ्दै गएको छ।’ कागजात पुगेका धेरैलाई भिसा दिए पनि बेलायतले अबको केही समयभित्रै नीति परिवर्तन गरेर कडाइ गर्ने संकेत दिइसकेको छ। आगामी सेप्टेम्बरको अन्त्यसम्ममा त्यो कडा नीति आइसक्ने एक विश्लेषक बताउँछन्। खासगरी आसन्न ओलम्पिकलाई लक्षित गरेर कामदार चाहिने भएकाले पनि नेपाललाई लक्षित राष्ट्र बनाइएको हो।

धेरै पैसा लाग्दैन, अंग्रेजी चाहिँदैन, टेस्ट प्रिपरेसन गर्नुपर्दैन तथा ल्यापटप र मोबाइल फ्रीजस्ता भ्रम सृजना गर्ने विज्ञापनको पछाडि नदीडिन सल्लाह दिनु आवश्यक भैसकेको इक्यानका उपाध्यक्ष पाण्डे बताउँछन्। पाण्डे भन्छन्- ‘शैक्षिक प्रमाणपत्र पनि हासिल गर्ने र केही पैसा कमाउने सोच भएकहरूका लागि बेलायत सही गन्तव्य भने हो।’





## विदुर खतिवडा

वातावरण विज्ञानमा स्नातक गर्ने उद्देश्य राखेर संयुक्त अधिराज्य अमेरिका जाने तयारी गरेका सुसन रेग्मीको पहिलो प्रयास असफलतामा परिणत भए पनि स्नातकोत्तर गर्न अमेरिका जाने उनको योजना अझै यथावत् छ। सम्पूर्ण शुल्क आफैँ बेहोर्ने सर्तमा अमेरिका छिर्न लागेका रेग्मीका लागि नेपालस्थित अमेरिकी नियोग तगारो बनेर तेर्सिदियो। नियोगले भनिदियो, अमेरिका गएर सम्पूर्ण शुल्क आफैँ खर्च गरेर अध्ययन गर्ने तिम्रो हैसियत छैन। त्यसो त उनले त्यहाँ बसुन्जेलको अवधि सम्म सबै शीर्षकमा लाने खर्च बराबरको रकमको तीन गुणा बढी अर्थात् ३० लाखभन्दा बढी आयस्रोत देखाएका थिए।

‘सबै कागजात तयार गरेर पनि अमेरिका जान सजिलो रहेनछ’ सुसनले आफ्नो अनुभव सुनाउँदै भने, ‘अन्तर्वार्तामा दूतावासका अधिकारीको चित्त बुझ्यो भने अमेरिका जान पाइन्छ नत्र मेरै जस्तो अवस्था हुन्छ।’

केही वर्ष अघिसम्म फुल पे (पूर्ण शुल्कीय) सिस्टमबाट अमेरिका जान चाहने विद्यार्थीको संख्या धेरै थियो तर फुल पे सिस्टममा जाँदा धेरै खर्च लाग्ने भएकाले नेपाली विद्यार्थीको हैसियत नपुग्ने भनेर अमेरिकी दूतावासले भिसा दिन छोडेपछि अमेरिका जाने योजना बनाएका धेरै विद्यार्थी यतिखेर छात्रवृत्तिको माध्यम अपनाउँछन्। सबै विद्यार्थीले फुल स्कोरसिप नपाए पनि पारसियल पाउने भएकाले उनीहरूको आर्थिक भार कम हुन्छ।

अमेरिका जाने इच्छा धेरैको भए पनि जान पाउने अवसर भने कमैले मात्र पाउँछन्, अर्थात् उत्कृष्ट शैक्षिक प्रमाणपत्र बोकेका विद्यार्थीले मात्र राम्रो छात्रवृत्ति पाउने भएकाले कमजोर विद्यार्थीले शैक्षिक अध्ययनका निम्ति अमेरिका जाने सपना नपाले पनि हुन्छ। न्यूनतम ६० प्रतिशत अंक हासिल गरेर विभिन्न तह उत्तीर्ण गरेका विद्यार्थीलाई अमेरिकास्थित कलेज तथा विश्वविद्यालयले छात्रवृत्ति उपलब्ध गराउँछन्। ‘मध्यम किसिमका विद्यार्थी पनि शैक्षिक अध्ययनका निम्ति अमेरिका जान सक्छन्,’ क्याम्ब्रिज एजुकेसन कन्सल्टेन्सीका प्रमुख कार्यकारी गोपाल भण्डारी भन्छन्- ‘तर उसको आर्थिक हैसियत एकदमै उच्च हुनुपर्छ।’

अमेरिका जान लालायित विद्यार्थीहरू प्लस टु उत्तीर्ण गरेलगत्तै आवश्यक प्रक्रियामा जुटिसकेका हुन्छन्। स्नातकोत्तर अध्ययनका निम्ति जान गाह्रो हुने भएकाले प्लस

# US

## जाने धोको

टु उत्तीर्ण गर्नेहरू अमेरिकाको प्रक्रियामा संलग्न हुने गरेका छन्, भण्डारी भन्छन्।

### आवश्यक प्रक्रिया

प्लस टु अध्ययन गरेकाहरू अन्डर ग्राजुएट सिस्टममा जान पाउँछन्, जसका लागि पहिलो चरणमा उनीहरूले टेस्ट प्रिपरेसन अन्तर्गत टोफेल वा आईईएलटीएस (आयल्स) गर्नुपर्छ। टोफेलमा असीभन्दा बढी र आयल्समा ६ दशमलव ५ भन्दा बढी अंक हासिल गर्नुपर्छ। अन्डरग्राजुएट अध्ययनका लागि स्याट वा एसीटी टेस्ट प्रिपरेसन गर्नुपर्छ। स्याटमा १ हजार २ सय अंकभन्दा बढी र एसीटीमा २४ भन्दा बढी स्कोर गर्ने विद्यार्थी छात्रवृत्तिको हकदार बन्न सक्छन्। यसरी टेस्ट परीक्षा दिइसकेपछि सबै डकुमेन्ट तयार गरेर सम्बन्धित विषयमा सम्बन्धित विश्वविद्यालय वा कलेजमा छात्रवृत्तिको लागि विद्यार्थीले आवेदन दिन्छन्, जसलाई आई ट्वेन्टी प्रोसेसिङ भनिन्छ। शैक्षिक प्रमाणपत्र, टेस्ट स्कोर र पासपोर्टका साथमा विद्यार्थीले सम्बन्धित कलेजमा आवेदन दिएपछि कलेजले १ महिनाभित्रमा अफर लेटर पठाउँछ, जसमा आवश्यकताअनुसार कलेजले कति छात्रवृत्ति दिएको हो खुलाइएको हुन्छ। पूर्ण वा आंशिकमध्ये एक छात्रवृत्ति प्रदान गरिएको हुन्छ।

विद्यार्थीले पनि कम्तिमा चार-पाँचवटा विश्वविद्यालयमा आवेदन दिने भएकाले जुन कलेज वा विश्वविद्यालयले बढी छात्रवृत्ति दिन्छ त्यही कलेजमा जाने प्रक्रिया मिलाउँछन्। विद्यार्थीले ३ देखि ५ वटासम्म कलेज वा विश्वविद्यालयबाट आईट्वेन्टी लेटर मगाउँछन्, क्याम्ब्रिजकी शैक्षिक परामर्शदाता सुसम कार्कीका अनुसार सम्बन्धित कलेजले हिलो गरे पनि अफर लेटर पठाउँछ। विद्यार्थी आफ्नो कलेजका निम्ति योग्य छैन भन्ने कुरा नेपालस्थित अमेरिकी नियोगले परीक्षण गर्ने भएकाले त्यहाँका कलेजले आवेदन दिएका विद्यार्थीलाई दिन सक्ने छात्रवृत्ति उल्लेख गरेर आईट्वेन्टी पठाउँछन्।

टेस्ट स्कोर र शैक्षिक प्रमाणपत्र बलियो छ भने विद्यार्थीले सहजै भिसा

पाउँछन्, परामर्शदाता कार्की भन्छन्- विद्यार्थीले अमेरिकन दूतावासले लिने अन्तर्वार्तामा बलियो आत्मविश्वासका साथ प्रस्तुत हुन सक्नुपर्छ।

अफर लेटर आइसकेपछि विद्यार्थीले नविल बैंकमा गएर सेभिज फि २ सय अमेरिकी डलर र अन्तर्वार्ता शुल्क १ सय ३१ डलर गरेर कुल ३ सय ३१ डलर जम्मा गर्नुपर्छ। भिसा नलागे पनि यो रकम फिर्ता हुँदैन। रकम जम्मा गरिसकेपछि नविलले अन्तर्वार्ताको डेट फिक्स गछ। अक्सर रकम जम्मा गरेको सात दिनभित्र अन्तर्वार्ता हुने गरेको छ। अन्तर्वार्तामा सामान्य प्रश्न नै गरिन्छ। ‘अधिकांशलाई पहिलो प्रश्न नै किन जान लागेको ? भनेर सोधिन्छ,’ परामर्शदाता कार्की भन्छन्- ‘यस्तै सामान्य प्रश्नवाटै विद्यार्थी जान योग्य छ-छैन उनीहरू सहजै निर्धारण गर्न सफल हुन्छन्।’

जनवरी र अगस्ट गरेर दुई सिजनमा विद्यार्थीले अमेरिकाका निम्ति प्रक्रिया प्रारम्भ गर्छन्, तर अधिकतम छात्रवृत्ति अगस्टमा उपलब्ध हुन्छ। अमेरिका जान अंग्रेजी भाषाको ज्ञान पनि महत्त्वपूर्ण हुने भएकाले धेरै विद्यार्थी काठमाडौं उपत्यकाका हुन्छन्।

### ग्राजुएट सिस्टम

स्नातकोत्तर तथा विद्यावारिधि गर्न अमेरिका जाने विद्यार्थीहरूको संख्या पनि उल्लेख्य छ। जाने प्रक्रिया अन्डर ग्राजुएटको जस्तै भए पनि स्नातकोत्तरमा जान चाहने विद्यार्थीले जीआरई र जीम्याट टेस्ट राम्रो नम्बरमा उत्तीर्ण गर्नुपर्छ। ग्राजुएट सिस्टममा जानेले स्याट वा



एसीटी गर्नु आवश्यक छैन। तीनवर्षे स्नातक तह अध्ययन गरेका विद्यार्थीले एक वा डेढ वर्षको स्पेसल कोर्स गर्नुपर्छ। यस्तै स्नातकोत्तर तथा विद्यावारिधि गर्न जाने विद्यार्थीहरू टिचिड एसिस्टेन्सिभ स्कोरसिपमा जान पाउने भएकाले उनीहरूसँग शिक्षण पेसासँग सम्बन्धित दुई-तीन वर्षको अनुभव अनिवार्य मानिन्छ। खासगरी विश्वविद्यालय अन्तर्गतका अन्डरग्राजुएट पाठ्यक्रममा शिक्षकको सहायक भएर काम गर्न सक्ने विद्यार्थी मात्र टिचिड एसिस्टेन्सिभ स्कोरसिपका लागि योग्य मानिन्छन्। टिचिड एसिस्टेन्सिभमा भिसा लाग्ने प्रबल सम्भावना हुन्छ, परामर्शदाता डिएन कँडेल भन्छन्- ‘युनिभर्सिटीलाई एसिस्ट गर्न सक्ने म्यानपावरको आवश्यकता हुने भएकाले विद्यार्थीलाई पूर्ण छात्रवृत्ति दिएर अध्ययन गर्ने वातावरण मिलाइएको हुन्छ।’

विजनेस स्कूल जाने विद्यार्थीहरूले जिम्याट गर्छन् भने विज्ञान वा प्राविधिक विषयमा अध्ययन गर्न जानेले जीआरई गर्छन्। जीआरईमा भर्बल र

क्वान्टिटेटिभ गरेर १ हजार ६ सय पूर्णाङ्कको परीक्षा लिइन्छ, जसमा विद्यार्थीले न्यूनतम १ हजार अंक कटाउनुपर्छ। क्वान्टिटेटिभमा गणितीय प्रश्न सोधिने भएकाले ८ सय पूर्णाङ्कमा ८ सय नै ल्याउने सम्भावना रहन्छ, तर भर्बलमा धेरैको थोरै नम्बर आउँछ। यस्तै जिम्याटमा ६ सय ५० भन्दा उच्च स्कोर गर्ने विद्यार्थीले स्कोरसिप पाउने तथा भिसा लाग्ने प्रबल सम्भावना हुन्छ।

### के पढ्ने ?

अमेरिका अध्ययनका लागि जान लागेका इलामका रवि निरौला बायोटेक्नोलोजीमा स्नातक गर्ने बताउँछन्। पछिल्ला वर्षहरूमा नयाँ विषयमा प्रशस्त छात्रवृत्ति पाइने भएकाले विद्यार्थीहरू त्यस्तै विषयको खोजीमा हुन्छन्। ग्राजुएट अन्तर्गत जाने विद्यार्थीहरू भने फिजिक्स, केमेस्ट्री, बायोलोजी, म्याथ, पब्लिक हेल्थ, विजनेस एडमिनेस्ट्रेसन, परामर्शदाता संस्थाले गर्छन्।

इन्जिनियरिङ विषयमा स्नातकोत्तर तथा विद्यावारिधि गर्ने योजनाका साथ आवेदन भरिरहेका हुन्छन्। परामर्शदाता कार्की भन्छन्- ‘अन्डर ग्राजुएटमा वीवीए, वीएसडब्लु वीए, एच एम, इनभाइरोमेन्टल साइन्स, बायोकेमेस्ट्री, जेनेटिक्स तथा केमिकल इन्जिनियरिङ, बायोमेडिकल विषयमा जान्छन्।’

### खर्च कति ?

अमेरिका जति भव्य छ, त्यतिभन्दा महँगो पनि छ। खासगरी अध्ययनका लागि त्यहाँ जाने तयारीमा जुटेका विद्यार्थीले आफ्नो गोजी पनि बलियो राख्नुपर्छ। जति महँगो भए पनि अमेरिकाप्रतिको मोह भने कम भएको छैन। परामर्शदाता डीएन कँडेलका अनुसार अन्य विकसित राष्ट्र जान चाहने विद्यार्थीको संख्या घटबढ भए पनि अमेरिका जाने गति भने यथावत् छ। अमेरिकाको अध्ययन शुल्क महँगो भएकैले त्यहाँका कलेज तथा विश्वविद्यालयले पूर्ण तथा आंशिक छात्रवृत्ति उपलब्ध नगराएको खण्डमा नेपाली विद्यार्थी त्यहाँ जान सक्ने हैसियतमा रहँदैनन्। अध्ययनका निम्ति छात्रवृत्ति नपाई जाने विद्यार्थीले न्यूनतम १० लाखदेखि ४० लाखसम्म खर्च बेहोर्नुपर्ने हुन्छ, तर छात्रवृत्तिमा जानेहरूले भने ३ लाखदेखि १५ लाखसम्म खर्च गर्न सक्दा अमेरिकी अध्ययन पूरा गर्न सक्छन्।

अमेरिकी सरकारले हालै सार्वजनिक गरेको एक विवरणअनुसार बेरोजगारीको समस्या ९ प्रतिशतमा घटेकाले रोजगारीका निम्ति अब अत्तालितपुर्ण वातावरण नहुने सम्भावना छ। छात्रवृत्ति प्रक्रियाका लागि भने विद्यार्थीले परामर्शदाता संस्थालाई २० हजारदेखि १ लाख ५० हजारसम्म खोजीमा हुन्छन्। ग्राजुएट अन्तर्गत जाने विद्यार्थीहरू भने फिजिक्स, केमेस्ट्री, बायोलोजी, म्याथ, पब्लिक हेल्थ, विजनेस एडमिनेस्ट्रेसन, परामर्शदाता संस्थाले गर्छन्।

**STUDY ABROAD**  
UK, USA, AUSTRALIA, CANADA, CYPRUS

**TOEFL IELTS**

Expert Teachers  
Rs. 3500 only  
6 Weeks Class  
Free Books, CDs & Library  
Free Internet & Email

Spoken English & Computer Classes

**Getway**  
Educational Consultancy (P) Ltd.  
Bazbazar, Kathmandu  
Ph: 4239715, 4241670

The pioneer Air Hostess Training Institute in Nepal

**Be an Air Hostess  
Be a Flight Steward**

My Dream  
My AHTI  
Thank You!

**FREE Facilities**

Swimming • Airport Familiarization  
Staircases • Uniform & Scarf

**Admission OPEN**

After successful training we provide Job Placement Assistance in Domestic & International Airlines

Highly experienced instructors  
Licence holder from CAAN

**Air Hostess Training Institute (P) Ltd.**  
NECD Complex (Opp. BICC, hall, Main Gate), New Baneshwor, KTM.  
Ph: 4783564, 2042030 E-mail: ahtiti@wifn.com.np

# डेसिगनेसन क्यानाडा



अध्ययनका लागि विदेशिने विद्यार्थीहरूको रोजाइमा पर्ने देश हो क्यानाडा। अध्ययनको सिलसिलामा थुप्रै नेपाली विद्यार्थी क्यानाडा पुगेका छन्। 'उच्च शैक्षिक क्षमता भएका विद्यार्थीहरूले अध्ययनका लागि क्यानाडा रोज्ने गरेका छन्,' परामर्शदाता मिथलेस भन्नुन्। इमिग्रेसन अर्थात् आप्रवासी भिसा नेपाली विद्यार्थी तान्ने अर्को कारण हो। तोकिएको मापदण्ड पूरा गर्नेले त्यही बस्ने अनुमति पाउने भएकाले अध्ययनका लागि नेपाली विद्यार्थीहरू क्यानाडा जाने सपना सोच्छन्।

अध्ययनका लागि क्यानाडा जानेले आफ्नो शैक्षिक योग्यताको प्रमाणपत्रसहित आईईएलटीएस गुणपत्र हुन्छ। आईईएलटीएसमा न्यूनतम ५ दशमलव ५ स्कोर हासिल गरेको, शैक्षिक योग्यताको प्रमाणपत्रलगायत अन्य आवश्यक कागजात आफू अध्ययन गर्न चाहेको कलेजमा पेस गर्नुपर्छ। कलेजले चाहेको कागजात प्राप्त गरेपछि आई टुवाइन्टी (अफर लेटर जस्तै) पठाउँछ। कलेजले माग्ने कागजात सम्पूर्ण प्रक्रिया पूरा गरेर

सकिन्छ। शैक्षिक योग्यताको प्रमाणपत्र, उमेर, काम गरेको अनुभव, भाषा, समायोजन क्षमताजस्ता कागजात पेस गरेर इमिग्रेसनका लागि अप्लाई गर्न सकिन्छ। यदि आफ्ना नातागोता पर्ने क्यानाडामै बसोबास गरिरहेका छन् भने यो प्रक्रिया अझ सहज बन्न सक्छ। त्यस्तै, आफूलाई कसैले सोही देशमा कामका लागि अफर गरेको भए इमिग्रेसन प्रक्रिया बढाउन निकै सजिलो हुन्छ। इमिग्रेसनका लागि विभिन्न मापदण्ड पूरा गर्नुपर्छ, जसलाई पूर्ण १०० अंक दिइएको हुन्छ। १०० अंकमध्ये ६७ भन्दा बढी अंक प्राप्त गरे भिसा पाइनेछ।

यो प्रक्रिया पूरा गरेपछि आवेदकले ५ सय ५० डलर, आवेदकसहित पति या पत्नीसमेत छ भने उनका लागि सोही बराबरको थप रकम र २२ वर्षभन्दा कम उमेरका छोराछोरी लाने भए प्रतिव्यक्ति १ सय ५० डलर तिर्नुपर्ने हुन्छ। यदि आफूसँगै आफ्ना २२ वर्षभन्दा बढी उमेरका छोराछोरी लानुपरे पुनः त्यही प्रक्रिया दोहोर्नुपर्ने हुन्छ।

प्रथम चरणको यो प्रक्रिया पूरा गरेपछि कन्फरमेसन अफ रिजिस्ट्रि पेपर आउँछ। त्यसपछि आवेदकले ४ सय ९० डलर बुझाउनुपर्छ, उनका साथमा पति या पत्नी भए सोही बराबरको थप रकम बुझाउनुपर्छ। २२ वर्षभन्दा कम उमेरका छोराछोरीका लागि भने कुनै रकम बुझाउनुपर्दैन। यो प्रक्रियाका लागि कम्तीमा एक वर्षदेखि डेढ वर्षसम्म लाग्न सक्छ। यदि इमिग्रेसनका लागि योग्य नभए आफूले बुझाएको रकम फिर्ता पाइनेछ। इमिग्रेसन अन्तर्गत आवेदकले लान चाहेको पति वा पत्नीले ब्याचलर गरेको भए प्रक्रिया अझ सहज हुन्छ।



# पढाइ न्युजिल्यान्डको

एगि कल्चर, एकाउन्टिङ, इन्फरमेसन टेक्नोलोजी, होटल म्यानेजमेन्टजस्ता आकर्षक विषय अध्ययन गर्न चाहने नेपाली विद्यार्थीका लागि अकर्षक गन्तव्य हो- न्युजिल्यान्ड। भिसा प्रक्रिया कडा भए पनि थुप्रै विद्यार्थी न्युजिल्यान्ड जान लालायित भएको परामर्शदाताहरू बताउँछन्। 'धेरै विद्यार्थीले अध्ययनका लागि न्युजिल्यान्डलाई रोज्ने गरेका छन्,' क्याम्ब्रिज इन्स्टिच्युट प्रा.लि.की सुसम कार्की भन्छिन्- 'तर प्रक्रिया कठिन भएकाले धेरै विद्यार्थीले मात्र त्यता जाने अवसर पाउँछन्।' त्यसो त आपराधिक क्रियाकलाप नहुने हुँदा सुरक्षाका दृष्टिले पनि धेरै विद्यार्थीले न्युजिल्यान्डलाई रोज्ने गरेको पाइन्छ। सुलभ ट्युसन फि, तुलनात्मक रूपमा सस्तो बसाइ खर्चजस्ता कारणले पनि न्युजिल्यान्ड विद्यार्थीहरूको रोजाइमा परेको हो।

भिसा प्रक्रिया अमेरिकासंग मिल्दो भए पनि भिसामा कडाइ गरिने हुँदा थोरैले मात्र न्युजिल्यान्ड जाने अवसर पाउँछन्। 'न्युजिल्यान्डले हतपत्त भिसा दिँदैन,' परामर्शदाता डी एन कूडेल भन्छन्- 'शैक्षिक क्षमता र आर्थिक दस्तावेज राम्रो भएका विद्यार्थीले मात्र भिसा पाउने सम्भावना हुन्छ।' शैक्षिक योग्यताको प्रमाणपत्र,

आईईएलटीएसमा न्यूनतम ६ स्कोर हासिल गरेको जस्ता आवश्यक कागजात पेस गरेर आफूले अध्ययन गर्न चाहेको कलेज एवं विश्वविद्यालयबाट अफर लेटर मगाउनुपर्छ। अफर लेटर आइसकेपछि पढ्न एवं बस्नका लागि आवश्यक रकम बराबरको बैंक ब्यालेन्स, आयस्रोत, सिए रिपोर्ट, प्रहरी रिपोर्ट पेस गरेर भिसाका लागि प्रक्रिया अगाडि बढाउन सकिन्छ। त्रुटिरहित एवं आवश्यक सम्पूर्ण कार्की भन्छिन्- 'तर प्रक्रिया कठिन भएकाले धेरै विद्यार्थीले मात्र त्यता जाने अवसर पाउँछन्।' त्यसो त आपराधिक क्रियाकलाप नहुने हुँदा सुरक्षाका दृष्टिले पनि धेरै विद्यार्थीले न्युजिल्यान्डलाई रोज्ने गरेको पाइन्छ। सुलभ ट्युसन फि, तुलनात्मक रूपमा सस्तो बसाइ खर्चजस्ता कारणले पनि न्युजिल्यान्ड विद्यार्थीहरूको रोजाइमा परेको हो।

भिसा प्रक्रिया अमेरिकासंग मिल्दो भए पनि भिसामा कडाइ गरिने हुँदा थोरैले मात्र न्युजिल्यान्ड जाने अवसर पाउँछन्। 'न्युजिल्यान्डले हतपत्त भिसा दिँदैन,' परामर्शदाता डी एन कूडेल भन्छन्- 'शैक्षिक क्षमता र आर्थिक दस्तावेज राम्रो भएका विद्यार्थीले मात्र भिसा पाउने सम्भावना हुन्छ।' शैक्षिक योग्यताको प्रमाणपत्र,

त्यस्तै, नर्सिङ अध्ययनका लागि जानेले न्यूनतम ७ स्कोर हासिल गर्नुपर्ने प्रावधान छ।

न्युजिल्यान्डमा अध्ययन गर्न जानका लागि सुरुको वर्ष सरदर ७ देखि ८ लाखसम्म रुपैयाँ ट्युसन फी मात्र खर्च हुन्छ। नेपाली विद्यार्थीहरू अध्ययनका लागि एनजेडएमए, एआइएस सेन्ट हेलेन्स, वाइरिकी इन्स्टिच्युट अफ टेक्नोलोजी आदिमा जाने गरेका छन्।

न्युजिल्यान्डमा डिपेन्डेन्ट भिसामा समेत आफ्ना पति वा पत्नीलाई साथै लान पाउने व्यवस्था छ। डिपेन्डेन्ट भिसामा जान पाउने भएकाले पनि थुप्रै विद्यार्थी 'स्टुडेन्ट भिसा' मार्फत न्युजिल्यान्ड जान चाहन्छन्। विवाह दर्ताको प्रमाण, प्रहरी रिपोर्टजस्ता कागजात पेस गरेर डिपेन्डेन्ट भिसामा जान चाहनेहरूले आवश्यक प्रक्रिया अगाडि बढाउन सक्छन्।

न्युजिल्यान्डमा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीले वैधानिक रूपमा साताको २० घण्टा काम गर्ने अवसर पाउँछन्। 'जनसंख्या कम भएकाले रोजगारीको अवसर पनि पाइने सम्भावना हुन्छ' डाइनामिक युनिभर्स एजुकेशन एन्ड इमिग्रेसन सर्भिसका राजकुमार बतौला भन्छन्- 'तर पढ्न जानेले सुरुमै काम गर्न मानसिकता बोक्नु राम्रो हुँदैन।' -शिव मुखिया

## पृष्ठ ६ बाट जारी

भिएफएस मार्फत अस्ट्रेलियन हाइकमिसन नयाँ दिल्लीको ठेगानामा पठाउनुपर्छ। भिएफएस गर्न २ हजार ७ सय ८४ रुपैयाँ तिर्नुपर्छ। यसका साथै नगद २० हजार ५ सय भारतीय रुपैयाँको बैंक ड्राफ्ट पनि आवश्यक हुन्छ। जून रकम भिसा नलागेको खण्डमा पनि फिर्ता हुँदैन।

विद्यार्थीले भिएफएस गरिसकेपछि ६० देखि ८० दिनसम्ममा भिसा स्वीकृत वा अस्वीकृत भएको खबर आउँछ। कहिलेकाहीं ८० दिनभन्दा बढी समय लाग्ने सम्भावना हुन्छ। कुनै डकुमेन्टमा चित्त नबुझे पूरा स्टडी गरेर पठाउन बढी समय लाग्ने गरेको एक परामर्शदाता बताउँछन्। भिएफएस गरेलगत्तै विद्यार्थीले प्रि-भिसा आउनु अगावै पनि सम्बन्धित कलेजमा पैसा र पासपोर्ट पठाउन सक्छन्। यसो गरेको खण्डमा सोभै भिसा आउन सक्छ।

**कलेज बन्द हुँदैछन्**  
केही समयअघि मेलबर्नमा अध्ययन गर्ने भारतीय विद्यार्थी र स्थानीय विद्यार्थी बीच भएको झडपका कारण मेलबर्नमा भारतीयहरूले सञ्चालन गरेका थुप्रै

# अब पढ्नलाई नै अस्ट्रेलिया

प्राइभेट कलेज बन्द भए। यो विवाद यति बढ्यो कि जसका कारण मेलबर्नका थुप्रै कलेजमा अध्ययनरत विद्यार्थीहरू हालसम्म विचल्लीमा छन्। मेलबर्न नेपाली विद्यार्थीहरूको पनि गन्तव्य थियो। अस्ट्रेलिया सरकारले डिप्लोमा लेभल अन्तर्गतका सर्ट टर्म भोकेसनल ट्रेनिङ कोर्स सञ्चालन अनुमतिमा पनि नियन्त्रण गर्दै जानुले यसप्रकारको शैक्षिक प्रणाली केही समयभित्रै बन्द हुने सम्भावना छ।

**गलत बाटो अख्तियार**  
अस्ट्रेलिया जाने बाटो असहज हुनुमा डिपेन्डेन्ट भिसा पनि मुख्य कारण बन्यो। कम अध्ययन गरेका बेरोजगार व्यक्तिलाई अस्ट्रेलिया जान चाहन्छस् भने पैसा निकाल भनेर स्टुडेन्ट भिसामा जान लागेका व्यक्तिको साथमा डिपेन्डेन्ट बनाएर पठाउने ट्रेन्ड मौलाउन थालेकाले अस्ट्रेलियाले भिसा प्रक्रियामा कडाइ गरेको एक

परामर्शदाता बताउँछन्। स्टुडेन्ट भिसामा जान चाहने विद्यार्थीको शुल्क पनि डिपेन्डेन्टमा जानेले तिरिदिने तथा परामर्शदाता संस्थाले पनि कुस्त कर्मिशन खान पाउने भएकाले डिपेन्डेन्टको खेती गाउँ-गाउँसम्म विस्तार भएको थियो। डिपेन्डेन्ट अन्तर्गत सहजै अस्ट्रेलिया जान पाइने भएकाले हाडनाताका दाजु-बहिनी समेत विवाह गरेर जाने क्रम पनि त्यत्तिकै थियो। 'मन्दिर गयो विवाह गरेको तस्विर खिच्यो र त्यसलाई प्रमाणका रूपमा पेस गर्नु' एक परामर्शदाता नाम उल्लेख नगर्ने शर्तमा भन्छन्- 'दूतावासले यो खेल थाहा पाइसकेको थियो, त्यसैले भिसा वितरणमा कडाइ गरियो।'

अस्ट्रेलिया जाने बाटो असहज हुनुको दोस्रो कारण प्रोपर्टी भ्यालुएसन बन्यो। 'गाउँघरका डाँडापाखा, खोला-बगर मात्र होइन, हुँदै नभएका प्रोपर्टी



भ्यालुएसन गरियो' ती परामर्शदाता भन्छन्- 'ताक परे अस्ट्रेलियन दूतावासकै भ्यालुएसन गर्न लागिस्केको अवस्थामा बैंकिङ कारोबारका लागि अन्य क श्रेणीका बैंकहरूलाई मान्यता नदिई नविल र एसबिआइलाई मात्र लिइयो। अहिले नविल र एसबिआइको बैंकिङ कारोबार मात्र अस्ट्रेलिया दूतावासले आधिकारिक मान्छ।' त्यस्तै अत्यन्तै तल्लो स्तरको विज्ञापन पनि कडाइ गर्नुपर्ने आधार बन्यो। विद्यार्थीलाई आकर्षित गर्ने नाममा

भ्रामक विज्ञापन गरिएको विषयमा दूतावास सचेत थियो। त्यसबाहेक अस्ट्रेलिया पुगेका विद्यार्थीहरूको टिठलाग्दो बसाइ र त्यहाँको न्यूनस्तरको प्रदर्शनले पनि नेपाली विद्यार्थीप्रति अस्ट्रेलियाले कम चासो दिएको मानिन्छ।

**डिपेन्डेन्ट भिसा**  
डिपेन्डेन्ट भिसा पति वा पत्नीले आफ्नो जीवनसाथी र बालबच्चा लान पाउने अवसर हो। डिपेन्डेन्टमा पति वा पत्नी एकजनाको

शैक्षिक प्रमाणपत्रको आधारमा उसले आफ्नो परिवारका अन्य सदस्यलाई लैजान पाउने सुविधा हुन्छ। स्टुडेन्ट भिसामा जाने पति वा पत्नीले उसको साथीको रूपमा परिवारका अन्यलाई डिपेन्डेन्ट देखाउन पाउँछन्। डिपेन्डेन्ट भिसामा जान चाहने व्यक्तिको शैक्षिक प्रमाणपत्र आवश्यक नभएकाले दोस्रो व्यक्तिले भिसा शुल्क र बैंकिङ स्टेटमेन्ट मात्र देखाए पुग्छ। डिपेन्डेन्ट भिसामा जान वैध वैवाहिक सम्बन्ध आवश्यक छ।



### ● लमगुरु ●

पाठकहरूको प्रेम जिज्ञासा एवं समस्या समाधान गर्ने उद्देश्यले हामीले यो स्तम्भ सुरु गरेका हौं। आफ्ना प्रेमसम्बन्धी विभिन्न समस्या हामीलाई लेखिपठाउनु होस्। ती समस्याको समाधान विभिन्न विशेषज्ञको राय-सल्लाहअनुस्य नाथिका रेखा थापाले खोज्ने प्रयास गर्नुहुनेछ। यो स्तम्भका लागि कुनै शुल्क लाग्नेछैन। आफ्नो समस्या साप्ताहिकको ठेगानामा पठाउनुहोला।

मेरो घर तनहुँमा पर्छ। म संगीतको विद्यार्थी पनि हुँ। उच्च शिक्षाका क्रममा राजधानीमा बसेको पाँच वर्ष भयो। यो अवधिमा मेरो एक युवतीसँग प्रेम बस्यो। म उनलाई अति माया गर्छु, त्यति आफूलाई पनि गर्दिनँ। म उनलाई जति माया गर्छु, उनी त्योभन्दा बेसी माया गर्थिन्। हाल आएर उनी मलाई साथ दिन नसक्ने कुरा गरेर मबाट टाढा हुने प्रयत्न गरिरहेकी छिन्। मैले किन भनेर प्रश्न गर्दा उनले धर्म, जात र संगीतलाई मुख्य तगारो बताइन्। उनी क्रिस्चियन हुन् भने म बुद्ध धर्म मान्छु। उनी लिम्बू हुन् र म मगर। संगीतमा लाग्ने मानिसको धेरै जनासँग सम्बन्ध हुन्छ र संगीतमा लाग्नेहरूले धेरै विवाह गर्छन् भन्ने कुरा पनि उनले गरिन्। मैले जति सम्झाउँदा पनि उनले मानिन्। के एक्काइसौं शताब्दीमा पनि यस्ता कुरा उठाएर साँचो प्रेमबाट पन्छिन्छ मिल्छ ?

-बी.

पटकै मिल्दैन। तपाईंले भनेजस्तो एक्काइसौं शताब्दी अर्थात् अहिलेको आधुनिक समाजमा यस्ता कुरामा परिवर्तन ल्याउनु आवश्यक छ। भनिन्छ, प्रेम अन्धो हुन्छ। प्रेम गर्नेहरूले जातपात, धन, पेसा केही हेर्दैनन्। उनीहरूबीच एउटै मुद्दा हुन्छ- प्रेम। तपाईंकी प्रेमिकाले प्रेम सुरु गर्दा यस्ता कुरामा किन ध्यान पुऱ्याइनु ? के यो जिज्ञासा तपाईंले उनका सामु राख्नुभयो ? प्रेममा अधि बढेपछि पछाडि सर्न मिल्दैन। प्रेम गर्नेले त्यस्तो गर्दैन पनि। मलाई त तपाईंको प्रेम-समस्या पढेपछि यस्तो लाग्यो कि उनी कसैको दबावमा परेर तपाईंबाट टाढिने प्रयत्न गर्दैछिन् र त्यो दबाव उनका आफन्त वा परिवारबाट पनि हुनसक्छ। पहिले यो कुरा पत्ता लगाउनुहोस् अनि अर्को कुरा संगीतमा लाग्नेहरूको चरित्रका बारेमा उनलाई त्यस्तो नचाहिने कुरा कसले सुनाएछ ? संगीतमा लाग्नेहरूमाथि यसरी आक्षेप लगाउनु उनको बेफकुफी हो। उनले यस्तो कुरा मनमा पालेर संगीत क्षेत्रको बदनाम गर्दैछिन्। स्वरसम्राट् स्व. नारायण गोपाल, शम्भुजित बाँसकोटा, उदितनारायण भ्नादेखि अहिलेका रामकृष्ण ढकाल, राजेशपायल, निमा रुम्बा इत्यादि नाम चलेका संगीतकर्मी छन्। के उनीहरू उनले भनेजस्ता छन् ? उनी कुनै नचाहिने बहाना गरेर तपाईंबाट टाढा हुने सोचमा छिन्। मैले बारम्बार उल्लेख गरेकी छु कि प्रेम जबरजस्ती हुँदैन। यदि उनी साँच्चै तपाईंबाट टाढा हुन खोजिरहेकी छिन् भने उनलाई जान दिनुहोस् र आफ्नो मनबाट उनका हरेक सम्झना जरासहित उखेलेर फ्याँक्नुहोस्।

### सफल भए श्रीकृष्ण

दुई वर्षदेखि हराएका नायक श्रीकृष्णको 'रिइन्ट्री' चलचित्र 'कहाँ भेटिएला'बाट भयो। गत दुई सातादेखि प्रदर्शनमा आएको उक्त चलचित्र व्यावसायिक रूपमा सफल चलचित्र मानिएको छ। श्रेष्ठले आफ्नै लगानीमा निर्माण गरेको उक्त चलचित्रबाट पदार्पण भएकी नायिका श्वेता खड्कासँग उनको जोडी सुहाएकाले चलचित्र सफल भएको मानिएको छ। शिव रेग्मीको निर्देशनमा चलचित्र 'कहाँ भेटिएला'मा विगतमा श्रेष्ठकी जोडीका रूपमा सुहाएकी नायिका निरुता सिंह पनि विशेष भूमिकामा

### ● फिल्मि खबर ●

छिन्। यो चलचित्र सफल भएपछि संगीतकार शम्भुजित बाँसकोटाको पनि 'रिइन्ट्री' भएको छ।

### दुई चलचित्रका वेबसाइट

प्रदर्शनोन्मुख दुई चलचित्र 'कुसुमे रुमाल' तथा 'मेरो एउटा साथी छ'का वेबसाइटमा भिजिटर बढेका छन्। दसैं वा तिहारका अवसरमा सार्वजनिक हुने तरखरमा रहेका यी दुवै चलचित्रका वेबसाइटलाई हालै नौलो रूपमा सिँगारिएको छ। संगीतप्रधान प्रेमकथामा आधारित यी

चलचित्रबीच प्रदर्शनीमा तीव्र प्रतिस्पर्धा हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ। चलचित्र कुसुमे रुमालको वेबसाइट [www.kusumerumal.com](http://www.kusumerumal.com) मा चलचित्रका विविध जानकारीका साथै तस्वीर, प्रोमो तथा गीत डाउनलोड गरी हेर्न तथा सुन्न पाइने व्यवस्था छ। त्यसैगरी चलचित्र 'मेरो एउटा साथी छ'को वेबसाइट [www.mescethefilm.com](http://www.mescethefilm.com) मा पनि तस्वीर, प्रोमो, गीत, ट्रेलर आदि डाउनलोड गरेर हेर्न वा सुन्न पाइन्छ। कलिउडमा अधिकांश चलचित्रले अफिसियल वेबसाइट बनाएको पाइँदैन। जबकि विदेशका प्रायः चलचित्रका अफिसियल वेबसाइट हुन्छन्।



## सम्बन्ध होस् त यस्तो



सुटिडमा अवरोध खडा भएको खबर सुनेकाहरूले सोचेका थिए— उनीहरू अहिले पनि बोल्दैनन्। तर काठमाडौंको विश्वज्योति हलप्राङ्गणमा खाँट्टी साथी बनेर उभिएका थिए सञ्जिता र रेजिना। यतिसम्म कि चलचित्र हेर्दासमेत सँगै बसे र चलचित्र हेरिसकेपछि विभिन्न टेलिभिजन च्यानलको सवाल-जवाफमा पनि एउटै पोजमा उभिएर कुरा गरे।

गुलाबी कलरको लड स्कर्टमा देखिएकी रेजिना र बैजनी रंगको लड स्कर्टमा देखिएकी सञ्जिता सँग सम्बन्धित भएकी थिए।

तपाईंहरूले त कपडा पनि एउटै डिजाइनको लगाउनुभएछ नि ? रेजिनाले जवाफ दिइन्— 'हामी त साथी-साथी हौं नि।' रेजिनाको प्रतिक्रिया सुनेपछि एक जना भन्दै थिए— 'चलचित्र हलमा हुँदा साथी भनेको त ठीकै छ तर अर्को चलचित्र सुटिड हुने बेलासम्ममा शत्रुता बढेको सुन्नु नपरोस्।' दर्शकको टिप्पणी हिरोइनद्वयले नसुने पनि उनीहरू एकैपटक हलबाट निस्किएको दृश्य भने रमाइलो थियो।

अभिनेत्रीद्वय रेजिना उप्रेती र सञ्जिता गुरुडबीच मनमुटाव बढेको खबर पुरानो भैसक्यो। यिनीहरूबीच मित्रताको साइनो गाँसिएको धेरैलाई थाहा छैन। चलचित्र 'धूम' हेर्ने क्रममा यी नायिका जसरी साथीका रूपमा प्रस्तुत भए, त्यसको दर्शकले समेत प्रशंसा गरे।

धूमकै सुटिडका क्रममा पानी बाराबारको स्थितिमा पुगेका थिए यी नायिका। निउँ पनि ठूलो थिएन। सञ्जिता आफूभन्दा अग्लो भएकीले रेजिना उप्रेतीले उनीसँग स्टेजमा नाचन आनाकानी गरेकी थिइन्। निर्देशकले



विराटनगर- चलचित्रमा अभिनय गर्ने रहर कसमा हुँदैन र ? हामीकहाँ लगानी नै गरेर भए पनि चलचित्रमा देखा पर्ने चलन छ। दामभन्दा पनि नामका लागि चलचित्र क्षेत्रमा प्रवेश गरेकाहरू थुप्रै छन्। यद्यपि चलचित्र क्षेत्रप्रतिको विश्वास बढिरहेका बेला विराटनगरमा निर्माण गर्न लागिएको चलचित्रका लागि भने कलाकारको अभाव भएको छ। निर्माण संस्थाले पटक-पटक सूचना निकाले पनि कलाकार नपाएपछि बाहिरबाट कलाकार ल्याउनुपर्ने अवस्था आएको छ।

हिन्दी चलचित्र 'लालमधेस' को निर्माण संस्था अमिना मुभिजले लगातार तीनवटा चलचित्र बनाउने भएको छ। त्यसका लागि कलाकार चाहियो भनेर स्थानीय पत्रपत्रिकामा सूचना निकाले पनि सम्पर्कमा कुनै कलाकार आएको छैन। यहाँसम्म कि कलाकारिता सिक्छु भन्ने पनि आएका छैनन्। अमिना मुभिजले हिन्दी चलचित्र 'मेहेर', 'कफर्यु द रिजन अफ लव' र 'लव इन मिथिला' बनाउने भएको छ। लालमधेसले सफलता पाएपछि हिन्दी चलचित्र बनाउन लागिएको निर्माता/निर्देशक सलिम अन्सारी बताउँछन्। जेष्ठको पहिलो सातादेखि सूचना निकालेको तर न्यून मात्रामा सम्पर्कमा आएका छन् अन्सारीले भने।

एउटा चलचित्रका लागि कम्तीमा ३५ जना कलाकार चाहिन्छ भन्ने अन्सारी राम्रो अभिनय गर्नेलाई अर्को चलचित्रमा पनि काम दिने कुरा बताउँछन्। विराटनगरमा कलाकार नभएकाले सिक्काउने व्यवस्था गरिए पनि इच्छुक व्यक्तिहरू नआएको उनले बताए। भारतीय सीमानजिकै भएको विराटनगरमा हिन्दीभाषीको संख्या बढी भएकाले हिन्दी चलचित्र नै बढी चल्ने गरेका छन्। नेपालमै हिन्दी चलचित्र बनाएर भारतमा पनि चलाउने लक्ष्यअनुरूप अमिना मुभिजले यी चलचित्र बनाउन लागेको हो।

चलचित्रमा अभिनय गर्न कलाकारहरू नआए पनि निर्माण प्रारम्भ गरिएको मेहेरमा अन्सारी स्वयं मुख्य भूमिकामा छन्। त्रिकोणात्मक चलचित्र भएकाले यो चलचित्रमा एक नायक र तीन नायिका मुख्य भूमिकामा छन्। दुई नायिका भने अनुबन्धित भैसकेका छन्। पोखराकी कृष्णा सुवेदी तथा विराटनगरकी अनुराधा केसीलाई मेहेरका लागि अनुबन्धित गरिएको भए पनि अन्य कलाकारको खोजी भै रहेको अन्सारी बताउँछन्। अभिनयको अनुभव नभएका कृष्णा र अनुराधा हाल कलाकारिताको प्रशिक्षण लिइरहेका छन्।



## अभिनय गर्न कलाकार आउन

कमल रिमाल

## उषालाई बालबालिकाको माया लाग्छ

एउटी मस्त तरुनीले मलाई बालबालिकाको साँच्चै माया लाग्छ भनिन् भने सुन्नेहरूले के सोच्दा होलान् ? स्वाभाविक रूपमा भन्नेछन्— यिनलाई पनि विहे गरेर आमा हुन मन लाग्छ, तर वास्तविकता त्यस्तो छैन। नायिका उषा पौडेललाई बालबालिकाको साँच्चै माया लाग्छ। उषा भन्छिन्— 'म जतिसुकै तनावमा भए पनि बालबालिकासँग खेल्न पाए भने फ्रेस महसुस गर्छु।'

सानैदेखि बालबालिकाको साँच्चै माया लाग्ने उषाले आफ्नै शिशुको विषयमा भने अझै नसोचेको बताइन्। 'विवाहका बारेमा त सोचेको छैन, शिशुका बारेमा कसरी सोच्ने ?' उनले भनिन्। तत्काल यो विषयमा सोच्ने योजना पनि छैन। उनलाई लाग्छ विवाह भन्ने कुरा देखेर हुँदैन, लेखेर मात्र हुन्छ। उनी जहाँ बस्छिन् उनका कोठा वरिपरि प्रशस्त बालबालिका छन् र उषा कोठामा आएको थाहा पाएपछि 'उषा दिदी' भन्दै घेर्न आइहाल्छन्। आफू बाहिर कतै गइन् भने फर्कदा बालबालिकाका लागि केही ल्याइदिने गरेकी छिन् उनले। उषा भन्छिन्— 'मैले दिएको चीजबाट उनीहरू यति खुसी हुन्छन् कि म त्यो देखेरै सन्तुष्ट हुन्छु।'



टेलिभिजनको पर्दामा छाउने एउटी युवती पूर्वी इलामको रमाइला डाँडाकाँडामा भेटिइन्। फिक्कलको एउटा सांस्कृतिक कार्यक्रममा नृत्य प्रस्तुत गरेर दर्शकको मन जित्नेमा पनि उनी थिइन्।

'रेलीखोला बगर, काफल पाक्यो लहर,' 'मेरो प्यारो माइतीघर' जस्ता गीतमा आकर्षक नृत्य प्रस्तुत गरेर उनले इलामे दर्शकलाई छाप छाडिन्। नेपाल प्रहरीकी जागिरे यी सुन्दरीको इलाम आउनुको उद्देश्य स्टेज कार्यक्रमबाहेक अरु पनि रहेछ। पछिल्लो समयमा म्युजिक भिडियोका लागि तानातानमा परेकी गीता राई रोज मोक्तान, सुसन सुब्बा र इन्द्र गुरुडका गीतको म्युजिक भिडियोको छायांकनका लागि पनि व्यस्त थिइन्। कन्यामको

हरियो चियाबारी, करफोकको सल्लाघारी र अन्य रमणीय दृश्यमा गीतको सुटिडबाट उनी आफैँ पनि लोभिएकी थिइन्। फिक्कलको बसाईमा उनलाई अर्को अफर पनि आयो— सत्यराज र स्वरूपराज आचार्यको गीतमा अभिनय गर्ने। फिक्कलमै भेटिएका आचार्य जोडीले उनलाई म्युजिक भिडियोमा अटाउन चाहेको कुरा सुनाए।

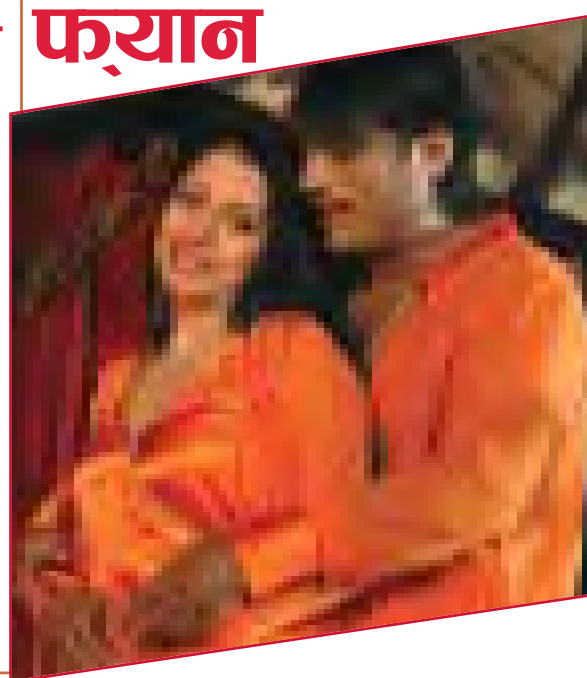
अहिले चर्चामा रहेको 'पछ्यौरी देऊ बैना' गीतको म्युजिक भिडियोमा उनको अभिनय छ। 'यो गीतको नृत्यले चर्चा पाएपछि अरूले पनि आग्रह गर्न थालेका छन्,' गीताले भनिन्— 'समय मिलाएर सबैमा काम गर्ने सोच बनाएकी छु।' गीता २०५५ सालमा देशव्यापी नृत्य प्रतियोगितामा प्रथम भएर नेपाल पुलिस क्लबमा प्रवेश गरेकी हुन्।

—विप्लव भट्टराई

## म्युजिक भिडियोमा त्यस्त गीता

## ट्रक ड्राइभर हेरेपछि फ्यान्

अभिनेता श्रीकृष्ण श्रेष्ठले निर्माण गरेको चलचित्र 'कहाँ भेटिएला'को चर्चा जति भएको छ, त्योभन्दा धेरै चर्चा पाएकी छिन् चलचित्रकी नायिका श्वेता खड्काले। दर्शकले उनको अभिनय र नृत्यको प्रशंसा गरे पनि नायक श्रीकृष्ण भने उनको निरन्तर नेपाली चलचित्र हेर्ने बानीको प्रशंसा गर्छन्। श्रीकृष्ण भन्छन्— 'उनलाई हिरोइन लिनको खास कारण हो, उनी नेपाली चलचित्र नियमित हेर्छिन्।' श्रीकृष्णकै छेउमै बसेकी श्वेताले पनि सहमति जनाइन्— 'हो, म नियमित नेपाली चलचित्र हेर्छु।' हिरो श्रीकृष्णलाई नै चिनेको चाहिँ कति भयो होला ? श्वेताले मुस्कुराउँदै भनिन्— 'बनेपाको मयूर हलमा ट्रक ड्राइभर हेरेपछि उहाँलाई चिने र उहाँको नृत्यबाट असाध्यै प्रभावित पनि भए।' सानै छँदा 'ट्रक ड्राइभर' हेरेकी श्वेता त्यति बेले श्रीकृष्णको फ्यान भएकी थिइन्। त्यसपछि पनि श्रीकृष्णले अभिनय गरेको धेरै चलचित्र हेरेको धारणा राख्ने श्वेताले चिनाजानी भने 'कहाँ भेटिएला' मा काम गरेपछि मात्र भएको बताइन्। आफूलाई मन परेको हिरोलाई त्यसअघि नै भेट्न मन लागेन त ? श्वेता फेरि मुस्कुराइन्। 'भेट्न त मन लाग्थ्यो तर समय मिलेको थिएन।' अब राम्रा ब्यानरका केही चलचित्रमा अभिनय गर्ने बताउँदै श्वेताले मौलिक विषयमा निर्माण हुने चलचित्रमा मात्र काम गर्ने सोच बनाएकी छिन्।





## मेरो अनुभव

### चुम्बन बेबी थापा (मोडल)

माया अभिव्यक्त गर्ने एउटा क्रियाकलाप हो- चुम्बन । कसैको धेरै माया लागेपछि त्यसलाई प्रकट गर्न चुम्बन गरिन्छ । बाबु-आमाले छोरा-छोरीलाई, साथीले साथीलाई, बालबालिकालाई, लोग्ने-स्वास्तीबीच, प्रेमी-प्रेमिकाबीच चुम्बन गरिनु सामान्य हो । अंग्रेजीमा 'किस' भनिने चुम्बन सबैले गरेका हुन्छन् तर चुम्बन वा किसभन्दा सबैको आँखा ठूलो हुने गरेको पाएकी छु । जबकि बालबालिकालाई आफ्नो गाला तेस्र्याएर 'नानी माया गर' सबैले भनेका होलान् । सानोमा परिचित आफन्तसँग माया साटेर सिकिएको चुम्बनको अर्को स्वरूप छ- 'टुङ्किस' । नेपालीमा यसलाई के भन्छन् थाहा भएन, तर मैले पनि त्यसको अनुभव लिएकी छु । मेरो 'विन्द्यास' स्वभावले गर्दा मानिसहरूले नपत्याउन सक्छन्- मैले पहिलो 'टुङ्किस' को अनुभव एक वर्षजति अघि मात्र लिएकी हुँ । मेरो प्रेमीसँग एकान्तमा बात मारेर बस्दा अनयासै उसको नजिक पुगियो । बिस्तारै हात समातेर उसले मलाई आफूतर्फ तान्यो र ओठमा ओठ जोडेर 'टुङ्किस' गर्‍यो । प्रायः हलुडका चलचित्रमा देखिने किसिमको त्यस्तो चुम्बनको अनुभव पहिलो पटक गर्न पाउँदा मलाई पनि मज्जा आयो । त्यसपछि ऊसँग एकान्तमा भेट्दा हामी त्यसैगरी माया साटासाट गर्थौं । मलाई उसको तल्लो ओठ आफ्नो ओठले खेलाउन मज्जा लाग्छ र उसले पनि त्यसैगरी चुम्बन गरेको मलाई मनपर्छ । आफूले चाहेको व्यक्तिसँग अँगालोमा बाँधिएर चुम्बन गर्दा आफैलाई बिर्सिभै हुन्छ । चुम्बनलाई यौनको पहिलो खुड्किलो भनिए पनि यो माया दर्साउने सजिलो उपाय हो ।



काठमाडौंका स्थायी बासिन्दा रवि डंगोल पछिल्लो समयमा 'बेइमान' उपनामका कारण चर्चित छन् । २०४८ सालमै 'सहर यात्रा' शीर्षकको टेलिश्रृंखलामा अभिनय गर्दै कलाकारिता क्षेत्रमा प्रवेश गरेका डंगोलले त्यसपछि 'भोक र भिताहरू', 'बेमतलब', 'नयाँ बिहानी', 'थोरै भए पुगिसरी' लगायत दुई दर्जनभन्दा बढी टेलिश्रृंखलामा हास्य भूमिका निर्वाह गरे । उनले केही ठूलो पर्दाका चलचित्रमा पनि अभिनय गरिसकेका छन् । दीपकराज णारीको 'तीतो सत्य' मा अभिनय गर्नुअघि दर्शकमाझ खासै नचिनिएका डंगोल उक्त श्रृंखलामा 'का बेइमान' थोगो बोलेर लोकप्रिय भए । अभिनयकर्मको दुई दशक लामो यात्रामा 'तीतो-सत्य' को भूमिकागतिको लोकप्रियता हासिल गर्न नसकेका डंगोल पछिल्ला केही महिनायता यही श्रृंखलामा समेत देखिएका छैनन् । गाईजात्रे हास्यव्यंग्य महोत्सवमा व्यस्त डंगोलसँग साप्ताहिकले तीन प्रश्न सोधेको थियो :

**तपाईंलाई लोकप्रिय बनाउने तीतो सत्यमा अचेल देखिनुहुन्न नि ?**  
धेरै दर्शकले यही प्रश्न सोध्नुहुन्छ । तीतो सत्यको कथाले मलाई नमाणोकाले दर्शकले देख्न नपाउनुभएको हो । कथाकारले मेरो आवश्यकता महसुस गर्नासाथ म पुनः 'बेइमान' भन्दै देखिनेछु ।  
**त्यसो भए दर्शकले तपाईंको प्रतिक्षा गरे भयो ?**  
तीतो सत्यमार्फत नै आउँछु भन्ने कुराको ग्यारेन्टी छैन । किनभने म सानो कलाकार मात्र

हुँ । निर्देशकले चाहनुभयो भने आउन पनि सक्छु अन्यथा अरु कुनै श्रृंखलामार्फत दर्शकसामु आउनेछु ।  
**आफैले नयाँ श्रृंखला निश्चान गर्नुभएको चर्चा छ नि ?**  
म र सुब्बा दाजु अर्थात् पूर्ण थापाले मिलेर 'भुइँचालो' शीर्षकको नयाँ हास्यश्रृंखला निर्माण गरेका छौं । गाईजात्रे कार्यक्रमलगत्तै यो श्रृंखला कान्तिपुर टेलिभिजनमा प्रसारण हुँदैछ । दर्शकहरूलाई हाँसका लागि तयार भएर बस्न अनुरोध गर्दछु ।

## • चलचित्र •



## अहङ्कार

समाजमा घट्टे विविध पक्ष समेटिएको चलचित्र निर्माण हुने क्रममा तत्कालीन तराई-पहाडीबीचको अन्तर्द्वन्द्व समेटिएको चलचित्र अहङ्कार उपत्यकामा प्रदर्शन हुने भएको छ। 'मधेसी, पहाडी, हिमाली हामी सबै नेपाली' मूल नारा बोकेको चलचित्र अहङ्कारले पहाड, मधेस, हिमाल जहाँका भए पनि नेपाली-नेपाली एक हुन् र आपसी विभेदले कुनै पनि पक्षलाई फाइदा पुग्दैन, एक-आपसमा भ्रातृत्वको सम्बन्ध रहेसम्म वैरीपक्षको पराजित निश्चित छ, भन्ने सन्देश दिन खोजेको छ।

ड्रिम मचैन्ट इन्टरटेनमेन्ट प्रा.लि.का लागि सञ्जीव प्रधान निर्माता रहेको अहङ्कारमा सुशील क्षेत्री, ध्रुव कोइराला, ऋचा घिमिरे, प्रेरणा शर्मा आदिको अभिनय छ भने राजेन्द्र खड्गीको द्वन्द्व, दिनेश अधिकारीको नृत्य, दिनेश कार्कीको निर्देशन छ। अहङ्कार हाल उपत्यकामा प्रदर्शित चलचित्र 'कहाँ भेटिएला' पश्चात् प्रदर्शन हुने बताइन्छ।

## लाइफ पार्टनर

बलिउडमा एकपछि अर्को हास्य चलचित्र प्रदर्शन हुने क्रम जारी छ। आज शुक्रबार सार्वजनिक हुने चलचित्र 'लाइफ पार्टनर' को विषय पनि हास्यप्रधान छ। बर्मावाला ब्रदर्स तथा स्टुडियो-१८ ले संयुक्त रूपमा निर्माण गरेको यो चलचित्रको निर्देशन रुमी जाफरीले गरेका हुन्। चलचित्रमा फरदिन खान, जेनेलिया डिसुजा, तुषार कपूर, प्राची देसाई, गोविन्दा, अनुपम खेर आदि कलाकारले मुख्य भूमिका निर्वाह गरेका छन्। प्रितमद्वारा संगीतबद्ध यो चलचित्रका लागि शान, अन्तर मित्रा, श्रेया घोषाल, मिका सिंह, सुनिधि चौहान, कुनाल गाँजावाला आदि गायक-गायिकाले स्वर प्रदान गरेका छन्। चलचित्रको कथा जीवन-साथीका बारेमा केन्द्रित छ। विवाहका बारेमा हरेक व्यक्तिको आ-आफ्नै धारणा हुन्छ। भनिन्छ, विवाह एउटा त्यस्तो लड्डु हो जुन खाए पनि पछुटाइन्छ, नखाए पनि पछुटाइन्छ। कोही परम्परागत मागीविवाहमा विश्वास गर्छन् भने कोही प्रेम विवाहमा। समाजमा केही त्यस्ता व्यक्ति पनि भेटिन्छन् जसलाई विवाहप्रति पटकै विश्वास छैन। चलचित्र 'लाइफ पार्टनर' को कथा पनि केही यस्तै व्यक्तिको वरिपरि घुमेको छ।

करण (फरदिन खान) तथा सञ्जना (जेनेलिया)

एक-अर्कालाई मन पराउँछन्। आफ्नो सम्बन्ध विस्तार गर्न उनीहरूसँग रहेको एक मात्र विकल्प विवाह हो। के प्रेमविवाह गरेर सही जीवनसाथी छनोट गर्न सकिन्छ? उनीहरू यस विषयमा पनि सचेत छन्। भावेश (तुषार कपुर) को जीवनसाथीका रूपमा उनका परिवारले प्राची (प्राची देसाई) लाई छनोट गर्छन्। के प्राची बृहारीको भूमिका सही ढंगले निर्वाह गर्न योग्य छिन्? के परम्परागत विवाह गरेर राम्रो जीवन साथी पाउन सकिन्छ? तुषारको मनमा यही कुरा घुमिरहन्छ। जीत (गोविन्दा) त्यस्ता वकिल हुन् जो प्रायः पारपाचुकेका मुद्दामा वकालत गर्छन्। उनलाई विवाहप्रति पटकै विश्वास छैन। के उनको 'विवाह गर्नु हुँदैन' भन्ने नीति उचित छ? के जितले पनि कुनै जीवन साथी फेला पाउँछन् अथवा उनले जीवनमा विवाह गर्लान् कि नगर्लान्?

यी तीनै जना साथीको विवाहप्रति अलग-अलग धारणा छ। आफ्नो धारणाप्रति को सही तथा को गलत, त्यसको छिनोफानो गर्न चलचित्र 'लाइफ पार्टनर' नै हेर्नु राम्रो हुन्छ।



## ब्यान्डस्लाम

हलिउडमा आज शुक्रबारदेखि प्रदर्शन हुने चलचित्र 'ब्यान्डस्लाम' लाई कमेडी चलचित्रको श्रेणीमा राखिएको छ, तर यो संगीतमय चलचित्र हो। टोड ग्राफद्वारा निर्देशित साढे दुई घन्टा लामो यो चलचित्रमा टिनएजर युवा-युवती तथा संगीतवीचको सम्बन्धलाई चित्रण गरिएको छ। रोम स्कोमिड, मरिसा एस तथा एलाइन गोल्डले निर्माण गरेको यो चलचित्रमा एलिसन मिसेल्ला, गेलन कनल, लिसा कुड्ड, स्कर्ट पोर्टर, लिम एडकिन आदि कलाकारले मुख्य भूमिका निर्वाह गरेका छन्। समिट इन्टरटेन्मेन्टले विश्वव्यापी रूपमा वितरण गर्न लागेको यो चलचित्रमा एक जना गायक तथा गीतकारको जीवन चित्रण गरिएको छ। चार्लोट ब्याङ्क्स प्रसिद्ध गायिका तथा गीतकार हुन्।

उनको जीवनको एक मात्र उद्देश्य आफूलाई धोका दिने प्रेमीलाई पश्चात्ताप गराउनु हो। आफ्नो उद्देश्य पूरा गर्न ब्याङ्क्सले एउटा सांगीतिक समूह तयार पारेर विभिन्न प्रतियोगितामा भाग लिन थालिन्छन्। एउटा सांगीतिक प्रतियोगितामा ब्याङ्क्सको भेट उनका पूर्वप्रेमीसँग हुन्छ। उक्त भेटपछि दुवैको विग्रिएको सम्बन्धमा सुधार आउन थाल्छ। सम्बन्ध सुधार्न दुवैले एउटा गोप्य सम्झौता गरेका हुन्छन्। उक्त सम्झौताका बारेमा थाहा पाउन चलचित्रको क्लाइमेक्स नै कर्नुपर्नेछ। टेक्सासमा छायांकन गरिएको यो चलचित्रमा युवतीहरू पनि कसरी सांगीतिक समूहका रूपमा अगाडि आइरहेका छन् भन्ने विषयलाई पनि समेटिएको छ।

## • साजो पर्दा •

## साजो पर्दामा आफन्त

युवा निर्देशक ऋषिराज आचार्यले नेपाल टेलिभिजनका लागि टेलिश्रृंखला 'आफन्त' निर्देशन गर्ने भएका छन्। 'हास्य श्रृंखलाले लोकप्रियता हासिल गरिरहेको अवस्थामा पारिवारिक कथा समेटिएको श्रृंखला निर्माण गर्नु ठूलो चुनौती हो, निर्देशक आचार्य भन्छन्- 'तर विषय तथा प्रस्तुतीकरण स्तरीय भयो भने पारिवारिक श्रृंखलाले पनि राम्रो सहभागिता पाउने कुरामा दुक्क छु।' 'आफन्त' मा आचार्यले निर्देशनका अतिरिक्त कथा, पटकथा तथा संवाद पनि आफैले तयार पारेका छन्। भदौको अन्तिम सातातिर छायांकन प्रारम्भ हुने यो श्रृंखलामा नायिका गरिमा पन्त तथा नायक शीतल केसीले मुख्य भूमिका निर्वाह गर्नेछन्।

## जेठान दाइको लोकप्रियता

नेपाल टेलिभिजनबाट प्रसारण भैरहेको हास्य श्रृंखला 'तीतो-सत्य' मा अहिले दौरा, सुरुवाल र ढाकाटोपी लगाउने एउटा पात्र लोकप्रिय भएका छन्। ओठमाथि थोरै जुँगा पाल्ने ती पात्रले श्रृंखलामा जेठान दाइको भूमिका निर्वाह गरेका छन्। उनी श्रृंखलाका नायक दीपकराज गिरीका जेठानका रूपमा प्रस्तुत भएका छन्। गाउँले व्यक्तिको भूमिकामा प्रस्तुत भएका उनी हुन् हास्य कलाकार कमल गाउँले। भन्डै एक सयवटा म्युजिक भिडियोमा जेठान दाइकै गेटअपमा प्रस्तुत भैसकेका गाउँले स्टेजका हास्य व्यंग्य कार्यक्रममा पनि सहभागी भैरहन्छन्। दाइका स्थायी वासिन्दा गाउँले अभिनय क्षेत्रमा प्रवेश गर्नुअघि कुशल मादल वादकका रूपमा चिनिन्थे। टेलिश्रृंखलाहरूमा अभिनय गर्नुअघि उनले रेडियो नेपालले आयोजना गरेको मादल वादन प्रतियोगितामा प्रथम स्थान समेत हासिल गरेका थिए।

## सिर्जना सँगालो

नेपाल टेलिभिजनबाट भदौको पहिलो सातातिर एउटा नयाँ सांगीतिक कार्यक्रम प्रसारण हुने भएको छ। उक्त कार्यक्रमको शीर्षक 'सिर्जना सँगालो' राखिएको



छ। प्रत्येक मंगलबार साँझ ७:३० बजे प्रसारण हुने यो कार्यक्रममा सांगीतिक गतिविधि, अन्तवार्ता तथा म्युजिक भिडियोहरू प्रसारण गरिने कार्यक्रमका निर्माता निमल भट्टराईले बताएका छन्।

## जिग्गीहजुरका कुरा

नेपाल टेलिभिजनबाट शनिबार राति प्रसारण हुने हास्य श्रृंखला 'मेरी-बास्सै' हेर्ने दर्शकका लागि जिग्गी हजुर परिचित अनुहार हुन्। श्रृंखलामा उनी मुख्य पात्र धुमुस तथा सुन्तलीको सहयोगीका रूपमा प्रस्तुत भएका छन्। जिग्गी हजुरको भूमिकाले कम समयमै लोकप्रियता पाएकोमा उनी दंग त छन् नै साथै चिन्तित पनि छन्। 'दर्शकले धेरै माया दिनुभयो, उनी भन्छन्- अब त्यसलाई निरन्तरता दिनु मेरा लागि चुनौती भएको छ। श्रृंखलामा उनी धनी बुबाका विगिएका टिनएजर छोराको भूमिकामा छन्। उनको गेटअपका कारण टिनएजर दर्शकले पनि मेरी-बास्सै नियमित हेर्न थालेका छन्। कतिपय दर्शकलाई उनी धुमुस अर्थात् सीताराम कट्टेलका सहोदर भाइ हुन् भन्ने कुरा पनि थाहा छैन। 'मेरी-बास्सै' मा अभिनय गर्नुअघि उनी सीताराम तथा केदारलाई श्रृंखलाको पटकथा लेखनमा सहयोग गर्दै आएका थिए।

कान्तिपुर  
पब्लिकेसनको  
एउटा उत्कृष्ट  
प्रकाशन

## नेपाली नारीको अभिन्न संजी

प्रत्येक महिना हरेक घरमा



**अहिले केमा व्यस्त हुनुहुन्छ ?**

दलन सकियो। आईएफएकै कामतिर लागेको छु। अहिले आईएफएले पाँचै चलचित्रकर्मी संघ गुरुङ, मगर, तामाङ, याक्युङ र थारूसँग सहकार्य गरेर आदिवासी चलचित्रको ग्रामीण बजार विस्तार गर्ने काम गरिरहेको छ।

**ग्रामीण बजार विस्तार कसरी गर्ने ?**

ती जातजातिको बसोबास क्षेत्र जसलाई हामी फोकल प्वाइन्ट भन्छौं, त्यहाँ मासिक रूपमा चलचित्र प्रदर्शन गरिन्छ। सधैं सम्बन्धित जातिको बाहुल्यता रहेको २४ ठाउँमा बजारको सम्भावना पहिल्याउनेछौं। उनीहरूको भावना र चाहनाअनुरूपको चलचित्र प्रदर्शन गर्ने प्रयास गर्नेछौं।

**के यसबाट आदिवासी चलचित्रको बजार फराकिलो बनाउन मद्दत मिल्ला ?**

अवश्य मिल्छ, त्यति मात्र होइन सम्बन्धित

क्षेत्रमा बसोबास गर्ने जातिको सांस्कृतिक पक्ष उजागर गर्न पनि सहयोग मिल्छ। किनभने हामीले बजार मात्र खोजेका होइनौं, उनीहरूको कला, संस्कृति, परापूर्वकालदेखि जर्गना गर्दै आएको जडिबुटी र त्यससँग सम्बन्धित ज्ञानलाई समेत खोज्ने प्रयास गर्दैछौं र अगामी चलचित्रमा यिनै विषयवस्तु उठान गरिनेछ।

**आईएफएको अरू योजना के छ ?**

हामी निकट भविष्यमा स्क्रिप्ट राइटिङ कार्यशाला गर्दैछौं। यो डेढ महिने कार्यशाला हुनेछ। त्यस्तै ग्रासरूट फिल्म मेकिङ ट्रेनिङ पनि गर्दैछौं।

**ग्रासरूट फिल्म मेकिङ के हो ?**

आफ्ना जातीय संस्कार, संस्कृतिका बारेमा गाउँका व्यक्तिहरूलाई लिएर दिइने प्रशिक्षण हो। समुदाय विशेषबाट हामी त्यस्ता व्यक्ति छनौट गर्छौं।

यतिबेला उस्तो धोपडीमा छैनन् नवीन सुब्बा। सुटिङ वा कुनै महोत्सवको हतारोले छोएको छैन उनलाई। त्यसैले होला, अनामनगरस्थित आफ्नै कार्यकक्षमा जाफ्जाफमा व्यस्त थिए उनी। 'नुमाफुङ' जस्तो फरक स्वादको चलचित्र निर्देशन गर्ने नवीनको पछिल्लो टेलिश्रृंखला 'दलन' पनि लोकप्रिय भयो। कथित दलितमाथि बनेको दलनले दर्शकहरूलाई यति प्रभावित बनायो कि उनीहरूले यसै श्रृंखलाका लागि स्वतस्फूर्त रूपमा 'दर्शक क्लब' गठन गरे। '४ सय क्लब गठन भएछन्,' इन्डिजिनियस फिल्म अर्काइभ (आईएफए) का अध्यक्ष सुब्बाले भने- श्रृंखलाबाट प्रभावित भएर उनीहरू छुवाछूत र जातीय विभेद अन्त्यका लागि संगठित भएका छन्। टेलिश्रृंखलाबाट प्रभावित भएर दर्शक क्लब गठन गरिएको सभभवतः यो पहिलो घटना हो।

जम्का भेट

**केवल एक प्रश्न**

**तपाईं कसम खानुहुन्छ कि हुन्न, खाँदा कुन शब्द प्रयोग गर्नु हुन्छ ?**

प्रायः जिस्कँदा-जिस्कँदै खाइरहेकी हुन्छु तर ज्यादै गम्भीर भएर चाहिँ अहिलेसम्म खाएकी छैन। अँ...कसम खाँदा प्रायः सबैले भन्ने जस्तो म पनि 'भगवान कसम' भन्छु।

**भरना थापा (नायिका)**

ओहो, कस्तो गजबको प्रश्न सोध्नुभयो। म प्रायः कसम खाइरहन्छु। कसम खाँदा प्रायः जसको अगाडि छु उसैलाई 'तिम्रो

कसम' भन्छु। मैले खाएका कसममध्ये ८० प्रतिशतचाहिँ म निर्वाह गर्छु नै, बाँकी २० प्रतिशतचाहिँ राम्रो कामका लागि भूटो कसम पनि खाने गरेको छु।

**धीरज राई (गायक)**

कसम...? अँ...खान्छु, खान्छु। प्रायः मलाई कुनै आपत् पत्न्यो भने, आफूलाई निर्दोष सावित गर्नुपर्ने अवस्था सिर्जना भयो भने कसम खान्छु। कसम खाँदा म आफ्नो घाँटी छोएर 'आम्मा कसम' भन्छु।

**- रेश्मा सुनुवार (गायिका)**

कसम त प्रायः खाइरहेकै हुन्छु। कसम नखाँदा कुनै पनि कुरा प्रमाणित गर्न गाह्रो पर्दो रहेछ। सामान्यतः म दुई प्रकारले कसम खान्छु। एउटा, 'मरी जाऊँ तिम्रो कसम' भन्छु अनि जति नै कसम खाए पनि कसैले विश्वासै गरेन भने 'सत्य धरोधर्म' भन्दै कसम खाइदिन्छु।

**- जितु नेपाल (हास्यकलाकार)**

ओहो, तपाईंको कसम मैले यस्तो प्रश्न अहिलेसम्म सुनेको थिइनँ। म प्रायः कसम खान्छु। तर कहिलेकाहीँ अति नै आवश्यक कुराका लागि कसम खानेपर्ने हुन्छ। कसम खाँदा प्रायः म 'भगवान् कसम' भन्छु।

**- विजय लामा (गायक)**

साताको स्वर



सुरज सिंह

**साईली पोडल गड... गीत कसरी लोकप्रिय भयो ?**  
गीतमा प्रयोग गरिएको शब्दका कारण स्रोतले मन पराएकाले कम समयमै लोकप्रिय भयो ।  
**साईलीहरूले आपत्ति जनाएनन् ?**  
जनजब्रोमा भुण्डिएको ठेट नेपाली थैगोलाई गीतमा समावेश गरेकाले आपत्ति जनाउनु पर्छ जस्तो लाग्दैन ।  
**कुन शैलीको गीत हो ?**  
रिमिक्स गीतको ट्रेण्ड चलिरहेको बेलामा रिमिक्स नगरी त्यस्तै स्वाद प्रदान गर्ने शैलीको गीत हो ।  
**कुन उमेरका स्रोतले बढी रुचाएका छन् ?**  
फास्ट बिक्रीका गीत मन पराउने युवाहरूले नै बढि मनपराएका छन् तर यो सबै वर्गका लागि तयार पारिएको गीत हो ।  
**म्युजिक भिडियो कस्तो छ ?**  
प्रणव जोशीले गीत जस्तै नृत्यपरक भिडियो बनाइदिनु भएको छ । भिडियो प्रसारण भएपछि गीतको लोकप्रियता बढेको छ ।

पप गीतबाट चलचित्रमा

**विजय** शिवाकोटी पप तथा आधुनिक गीतका स्थापित गीतकार हुन् । शिवाकोटीले नवीन के भट्टराईदेखि दीप श्रेष्ठसम्मका एक दर्जनभन्दा बढी गायक-गायिकाका लागि गीत लेखिसकेका छन् । यसपटक भने उनका शब्दहरू चलचित्रमा सुन्न पाइने भएको छ । नवीन के भट्टराईद्वारा संगीतबद्ध पहिलो चलचित्र 'च्यालेन्ज' का सबै गीत शिवाकोटीले नै रचना गरेका हुन् ।

मेमोरी कार्डको विमोचन

**पप** गायक प्रमोद निर्माणले नौ वर्षअघि स्थापना गरेको संगीत प्रशिक्षण केन्द्र भिजुअल एन्ड म्युजिक लिंकले १३ जना नयाँ गायकले गाएका पपगीतहरूको संग्रह 'मेमोरी कार्ड' तयार पारेको छ । यो संग्रहको गत शुक्रबार राजधानीमा आयोजित एक अनौपचारिक समारोहमा तेह्रै जना गायकले विमोचन गरे । संगीत प्रशिक्षण केन्द्रमा प्रशिक्षण लिइरहेका उत्कृष्ट विद्यार्थीलाई समावेश गरेर उक्त गीतसंग्रह तयार पारिएको गायक निर्माणले बताएका छन् । सान्ताना रेकर्ड्सले बजार व्यवस्थापन गरेको यो संग्रहमा प्रमोद निर्माणका अतिरिक्त फिरोज सिंह, राज छतिइगल, प्रशान्त श्रेष्ठ, प्रीतम निर्वाण, सन्ती सुनाम, राजेश राई, एडी शेर्पा, राजेश राई, श्री थापा, श्रेष्ठ राम, मोहन लोहला, श्रीहरि दुलाल तथा जितेन्द्र महर्जनले स्वर दिएका छन् ।

सुरसुधा फर्कियो

**सांगीतिक** समूह सुरसुधा फ्रान्स तथा बेल्जियममा सांगीतिक कार्यक्रम प्रस्तुत गरेर यसै साता स्वदेश फर्किएको छ । शास्त्रीय संगीतमा लोकधुन मिश्रित गरेर चर्चामा आएको यो समूहले समुदाय तथा संस्कृति प्रवर्द्धन संघको सहयोगार्थ विदेशमा सांगीतिक कार्यक्रम प्रस्तुत गरेको हो । सांगीतिक कार्यक्रममा सुरसुधाका तबलावादक सुरेन्द्र श्रेष्ठ,

बाँसुरीवादक प्रेम राना औतारी तथा सितारवादक सतेन्द्र वीर सिंह तुलाधार सहभागी थिए ।

जोपाल योञ्जनको सम्झना

**संगीत**-साधक तथा गायक स्व. गोपाल योञ्जनको जन्मजयन्ती अघिल्लो बुधबार मनाइयो । सांस्कृतिक संस्थान तथा मधुरिमा कला नेपालद्वारा संयुक्त रूपमा राजधानीमा आयोजित कार्यक्रममा योञ्जनपुत्र निर्वाण योञ्जनका साथमा नयाँ तथा पुराना कलाकारले स्व. योञ्जनलाई गीत, संगीत तथा शब्दमार्फत स्मरण गरे । गायक, संगीतकार तथा सांस्कृतिक संस्थानका

संग्रहको 'खोलाको त्यो सडलो पानी' को म्युजिक भिडियो कान्तिपुर टेलिभिजनको 'कल कान्तिपुर' कार्यक्रमबाट प्रिमियर गरेका छन् । यसबीच उनीहरूले एसएनयू प्रोडक्स हाउस पनि स्थापना गरेका छन् । यो कम्पनीले 'रिचार्ज' लगायत अन्य गीतसंग्रहको बजार व्यवस्थापन, सांगीतिक कार्यक्रम तथा इभेन्ट म्यानेजमेन्ट गर्नेछ ।

हृदयाञ्जली साँभ

**बौद्धगुरु** श्रीधर राणा रिम्पोछेको गुफावासको १४ वर्ष तथा ६१ औं वर्षगाँठका अवसरमा राजधानीमा आयोजित सांगीतिक

म्युजिक अपडेट

अध्यक्ष प्रदीप वमजनद्वारा स्व. योञ्जनकै गीत गाएर प्रारम्भ गरिएको कार्यक्रममा निर्वाण योञ्जनले 'यो मेरो टोपी' तथा 'कहाँ पच्यो पूर्व...' गरी दुई गीत गाएर आफ्ना पिताको स्मरण गरे । कार्यक्रममा गायिका कुन्ती मोक्तान, विमला राई, लोचन भट्टराई, तारा थापा, गायक स्वयम्भूर शाक्यका साथै मधुरिमा कला नेपालका प्रशिक्षार्थीहरूले सामूहिक गायन प्रस्तुत गरेका थिए ।

विवेक-मोहितको जोडी

**गायक** विवेक पोखरेल तथा संगीतकार मोहित मुनाल सांगीतिक जोडीका रूपमा श्रोतामाभ आउदैछन् । उनीहरूद्वारा स्वरबद्ध गीतसंग्रह 'रिचार्ज' चाँडै श्रोतामाभ आउदैछ । यसै साता उनीहरूले

कार्यक्रम हृदयाञ्जली साँभमा गायिका अनुपमा दाहालले एकल गायन प्रस्तुत गरिन् । कार्यक्रममा अनुपमाले बुद्धवचनलाई संगीतमा ढालेर गीत प्रस्तुत गरेकी थिइन् । नेपालीलगायत संस्कृत, नेवार, पञ्जाबी, राजस्थानी, भोजपुरी, मारवाडी, अंग्रेजी आदि भाषाकी ज्ञाता गायिका अनुपमालाई सांगीतिक कार्यक्रमका क्रममा शिव मुखिया, राजेन्द्र कर्ण, विष्णु घतानी आदि संगीतकर्मीले साथ दिएका थिए ।

अस्ट्रेलियामा रिमा र खेमराज

**गायक** खेमराज गुरुङ तथा गायिका रिमा गुरुङ होडा सांगीतिक कार्यक्रमका क्रममा अस्ट्रेलिया पुगेका छन् । अस्ट्रेलियाका विभिन्न सहरमा आयोजना भैरहेको सांगीतिक

साप्ताहिक लाइभ

तीजमा सांगीतिक कार्यक्रम

महिलाहरूको चाड तीजको अवसर पारेर भोलि शनिबार राजधानीमा तीज महोत्सवको आयोजना हुँदैछ । 'च्याडिको नारी विशेष कार्यक्रम' शीर्षकको यो कार्यक्रम कालीमाटि पार्टी प्यालेसमा हुँदैछ । कार्यक्रममा पप गायिका प्राशना शाक्यसहित चर्चित लोक-गायिकाहरूको सांगीतिक कार्यक्रम, नाचगान, मेहन्दी लगाउने कार्यक्रमका साथै डिजे सुरको डिजेइडमा 'तीज विशेष डान्स पार्टी' पनि गरिने नेपालज फेसन होमले जनाएको छ ।



गायकको बीचमा मोडल : गायकद्वय विवेक पोखरेल तथा मोहित मुनाल आफैले गाएको 'खोलाको सडलो पानी' गीतको म्युजिक भिडियोमा मोडल एलिजा गिरीसँग अभिनय गर्दै ।

कार्यक्रम 'लाइभ कन्सर्ट इन अस्ट्रेलियामा' गुरुङद्वयले गीत-संगीत प्रस्तुत गरिरहेका छन् । गत आइतबार प्रारम्भ भएको सांगीतिक कार्यक्रम आगामी एक महिनासम्म विभिन्न सहरमा प्रस्तुत गरिने आयोजक नेपाली आदिवासी राष्ट्रिय संगठन अस्ट्रेलियाले जनाएको छ ।

इशान अमिनको लोकार्पण

**डा. इशान** गौतम तथा अमिन पाण्डेय गायकका रूपमा श्रोतामाभ आएका छन् । उनीहरूद्वारा स्वरबद्ध आधुनिक गीतसंग्रह 'इशान अमिन' को गत शनिबार राजधानीमा आयोजित एक समारोहमा लोकार्पण गरिएको छ । सामुदायिक सेवा वचत तथा ऋण सहकारी संस्थाले आयोजना गरेको कार्यक्रममा विमोचित संग्रहका गीतहरूको समीक्षा गरिएको थियो ।

रोशाको पज विमोचित

**हडकडमा** हुने सांगीतिक कार्यक्रममा आफ्नो प्रतिभा देखाउँदै आएका गायिका रोशा लिम्बूले वरिष्ठ गायक दीप श्रेष्ठको हातबाट आफ्नो पहिलो गीत संग्रह विमोचन गराउने थोको पूरा गरेकी छिन् । भ्रमणका क्रममा हडकडमा रहेका गायक श्रेष्ठले गत शनिबार साँभ जोर्डनस्थित एक रेष्टुरामा रोशाको

गीत संग्रह 'पन' को विमोचन गरे । नौवटा गीत समाविष्ट उक्त संग्रहमा शिलाबहादुर मोक्तान, सुरेश कुमार, शान्तिराम राई, दिनेश सुब्बा, अशोक राई, पारस मुकारुड आदिका संगीत सुन्न सकिन्छ ।

राजेशपायलको नयाँ संग्रह

गायक राजेशपायल राईको नयाँ गीत संग्रह 'दर्शन नमस्ते' आगामी भदौ ५ गते शुक्रबार साँभ राजधानीमा हुने एक भव्य सांगीतिक कार्यक्रममार्फत् विमोचन गरिने भएको छ । उनको यो संग्रहलाई साप्ताहिकले प्रस्तुत गर्न लागेको हो । संग्रहमा आधुनिक शैलीका गीतहरू समावेश गरिएको गायक राईले बताएका छन् । गीत संग्रहलाई म्युजिक नेपालले बजारमा ल्याउन लागेको हो ।

सुसनको सीमान्त विमोचित

गायिका सुसन मास्केका आधुनिक गीतहरूको पहिलो संग्रह 'सीमान्त' को गत मंगलबार साहित्यकार तथा संगीतकार भीम विरागले विमोचन गरे । विमोचित संग्रहका सबै गीतमा वरिष्ठ संगीतकार अम्बर गुरुङको शब्द तथा संगीत छ । विमोचन समारोहमा विभिन्न स्रष्टाले संग्रहका गीतको समीक्षा गरेका थिए भने संग्रहका केही गीतका म्युजिक भिडियोको प्रथम प्रदर्शनसमेत गरिएको थियो ।

नजिकबाट

कविराज निरौला



जन्ममिति	:	असोज ४ गते
शिक्षा	:	एमबीएस अध्ययनरत
घरमा बोलाउने नाम	:	कवि
परिचय	:	गायक
जन्मस्थान	:	सोलुखुम्बु, क्युरेनी
रुचि	:	गायन, यात्रा
प्रकाशित एल्बम	:	लहर
सांगीतिक गुरु	:	प्रकाश गुरुङ, विनय वर्मा
नजिकका साथी	:	धेरै छन्
मनपर्ने परिकार	:	मःम, चाउमिन, पिज्जा
मनपर्ने रंग	:	कालो, सेतो र रातो
मनपर्ने पहिरन	:	क्याजुअल
मनपर्ने मौसम	:	शरद ऋतु
मनपर्ने खेल	:	फुटबल र टेनिस
फुर्सदमा	:	गीत लेख्छु, संगीत तयार पार्छु
मनपर्ने गीत	:	तिमी आउने बाटोमा
रिस उठेको बेला	:	मौन हुन्छु र एकान्त खोज्छु
मनपर्ने आफ्नै बानी	:	मिलनसार छु
पहिलो चर्चित गीत	:	कसरी म जिउँ
सबैभन्दा बढी माया	:	आमा-बुबालाई
पहिलो बाजा	:	हार्मोनियम
नराम्रो बानी	:	चाँडै अरूलाई विश्वास गर्छु
गोप्य कुरा	:	म कवि पनि हुँ
अन्य प्रतिभा	:	फुटबल र टेनिस खेलाडी हुँ

ब्यान्ड



धुम मच्चाउने क्रिएटिभ्स

दुई वर्षअघि धनकुटाका सञ्जु, प्रमेश, धनपाल, भुवन तथा अभिषेकले स्थापना गरेको क्रिएटिभ्सले थुप्रै संगीतपारखीलाई नचाइसकेको छ । समूहको भोकलिस्ट अभिषेक, बेसमा प्रमेश, लिड र रिदममा सञ्जु तथा किबोर्डमा भुवन छन् भने धनपाल ड्रम ठोक पोख्छन् । २० देखि ३० वर्ष उमेर समूहका युवाहरू मिलेर स्थापना गरेको यो ब्यान्ड गठन हुनुअघि सबै आ-आफ्नै सूरमा थिए । ब्यान्डका संयोजक तथा किबोर्डवादक भुवन भन्छन्- 'धनकुटाको सांगीतिक क्षेत्रमा केही गर्न आवश्यक देखेर हामीले यो ब्यान्ड स्थापना गरेका हौं ।'  
अब क्रिएटिभ्सकै तर्फबाट नयाँ एल्बम निकाल्ने तयारी भैरहेको भुवनले बताए । ब्यान्डका सदस्यहरूले एक वर्षपहिले धनकुटामा आफ्नै रेकर्डिङ स्टुडियो पनि खोलेका छन् । यसका साथै उनीहरू संगीत सिक्नेहरूलाई गीतार पनि सिकाइरहेका छन् ।



# भाषास्तर एवं बौद्धिक परीक्षण

ज्यामिति एवं तथ्यांक विश्लेषणका सामान्य धारणाहरूका बारेमा जानकारी, परिणामात्मक आधारमा तर्क गर्न सक्ने, परिणामात्मक अवस्थामा समस्या समाधान गर्न सक्ने क्षमता जाँच गरिन्छ। साथै विश्लेषणात्मक लेखाइअन्तर्गत जटिल विचारलाई स्पष्ट र प्रभावकारी ढंगमा राख्न

सक्ने, दावीलाई परीक्षण र प्राप्त तथ्यलाई प्रस्तुत गर्न सक्ने, आवश्यक तर्क र उदाहरणले विचारलाई समर्थन गर्न सक्ने क्षमता जाँचिन्छ। स्नातकमा भर्ना हुन चाहने विद्यार्थीले जिआरइको परीक्षण गराउँछन्। विद्यार्थीलाई स्नातकमा भर्ना लिन उनीहरूको अन्डर ग्राजुएटमा प्राप्त अंक र जीआरइको स्कोर हेरिन्छ।

## जिम्याट

ग्रेजुएट म्यानेजमेन्ट एडमिसन टेस्ट अर्थात् जीम्याट एमबीए वा व्यवस्थापन र विजनेसमा स्नातक गर्न चाहने विद्यार्थीले दिनुपर्छ। जीम्याटले विद्यार्थीको सामान्य शाब्दिक, गणितीय एवं विश्लेषणात्मक लेखाइको परीक्षण गर्छ। जिम्याट टेस्टमा तीन भाग

हुन्छ। विश्लेषणात्मक लेखाइ, परिणामात्मक सेक्सन र शाब्दिक सेक्सन। जिम्याट टेस्ट विश्लेषणात्मक लेखाइबाट सुरु हुन्छ। यसमा दुईवटा भिन्दा भिन्दै लेख्ने काम दिइएको हुन्छ। एउटा कुनै विषयको विश्लेषण गर्नुपर्छ भने अर्को तर्कको विश्लेषण।

## स्टेटमेन्ट अफ प्रपोज (एसओपी)

कुनै पनि कलेजमा एप्लाइ गर्दा उक्त कलेज आफूले किन रोजेको भन्ने कुराका साथै आफ्नो व्यक्तिगत विवरण खुलाउनुपर्छ अर्थात् उक्त कलेजमा पढ्नुको उद्देश्य, जीवनमा हासिल गरेका शैक्षिक उपलब्धि आदि उल्लेख गर्नुपर्छ।

—शिव मुखिया

गैर-अंग्रेजीभाषीका लागि विदेशका कलेज, युनिभर्सिटीमा भर्ना प्रक्रिया एवं छात्रवृत्तिको प्रयोजनले भाषास्तर एवं बौद्धिक परीक्षण हुन्छ। भाषास्तर एवं बौद्धिक परीक्षणमा प्राप्त हुने स्कोरका आधारमा भर्ना एवं छात्रवृत्ति पाउने-नपाउने टुंगो लाग्छ। आईईएलटिएस, टोफेल, जिम्याट, जीआरइजस्ता परीक्षाबाट तोकिएको स्कोर हासिल गरेपछि मात्र भर्ना वा छात्रवृत्तिका लागि आवेदन दिन सकिन्छ।

## जीपीए

जीपीए अर्थात् ग्रेड प्वाइन्ट एभरेजले शैक्षिक योग्यताको मापन निर्धारण गर्छ। यसको कुल स्कोर ४ हुन्छ। जीपीए स्कोर कुनै पनि कलेज/युनिभर्सिटीको अन्तर्राष्ट्रिय पर्फमेन्समा निर्भर रहन्छ। राम्रो कलेज र युनिभर्सिटीको आधारभूत स्कोर २ दशमलव ५ हुन्छ तर नेपाली विश्वविद्यालयको आधारभूत स्कोर २ भन्दा कम छ। जीपीए स्कोर विद्यार्थीको समग्र शैक्षिक योग्यतामा निर्भर रहन्छ। सबै तहमा विशिष्ट श्रेणी हासिल गर्ने विद्यार्थीको जीपीए स्कोर धेरै हुन्छ र उसले विदेशका विश्वविद्यालयमा छात्रवृत्ति पाउने सम्भावना बढी हुन्छ।

## आईईएलटीएस

इन्टरनेसनल इङ्लिस ल्याङ्वेज टेस्टिङ सिस्टमको छोटो रूप हो आईईएलटिएस। यो क्याम्ब्रिज विश्वविद्यालयले विकास गरेको अंग्रेजी परीक्षण प्रक्रिया हो। नेपाली विद्यार्थीले विदेशका धेरैजसो कलेज एवं युनिभर्सिटीमा अध्ययन गर्न आईईएलटिएस परीक्षामा तोकिएको स्कोर हासिल गर्न सक्नुपर्छ। अंग्रेजी भाषा बोलिने देशका विश्वविद्यालयले विद्यार्थीलाई भर्ना लिन अंग्रेजीमा कतिको दखल छ भनेर जाँचन यो परीक्षा लिन गरेको हो। यसर्थ आईईएलटिएस विद्यार्थीको अंग्रेजी क्षमताको पहिचान गर्न लिइने परीक्षा हो। अंग्रेजी बोलचालीको भाषा भएको देशमा विद्यार्थीहरूले अंग्रेजीमा पढ्नु तथा कुराकानी गर्नुपर्ने हुँदा यो विद्यार्थीको अंग्रेजी भाषा क्षमताको पहिचान गर्न लिइन्छ। आईईएलटिएसले अंग्रेजी भाषाका चारै क्षमता बोलाइ, सुनाइ, पढाइ र लेखाइको मापन गर्छ।

अस्ट्रेलिया, क्यानाडा, न्युजिल्यान्ड, बेलायत तथा संयुक्त राज्य अमेरिकाका विश्वविद्यालयले आईईएलटिएसलाई मान्यता दिएका छन्। यसले परीक्षार्थीको क्षमता एकदेखि नौसम्म मापन हुन्छ। अस्ट्रेलियाली विश्वविद्यालयले ६ देखि ७ को हाराहारीमा आईईएलटिएसको स्कोर खोज्छन्।

आईईएलटिएसमा परीक्षार्थीको सुनाइ, पढाइ, बोलाइ र लेखाइ मापन गरिन्छ। सबै परीक्षार्थीले एउटै मोडलमा परीक्षा दिनुपर्छ।

## टोफेल

टोफेलको पूरा रूप टेस्ट अफ इङ्लिस एज फरेन ल्याङ्वेज हो। यो परीक्षा अंग्रेजी मातृभाषा नभएका मुलुकका विद्यार्थीका लागि लिइन्छ। अमेरिकी विश्वविद्यालय वा कलेजले अंग्रेजी मातृभाषा नभएका विद्यार्थीलाई भर्ना लिन अघि टोफेलको स्कोर माग्छन्। कलेज स्तरमा अंग्रेजी बोल्ने, बुझ्ने विद्यार्थीको क्षमता टोफेलले मापन गर्छ। टोफेल परीक्षा विशेषतः कम्प्युटरमा लिइन्छ। कम्प्युटरमा लिन नसकिने स्थानमा हातैले कपीमा

लेखेर पनि यो परीक्षा लिइन्छ। कम्प्युटरमा आधारित टोफेल टेस्टलाई सिबिटी भनिन्छ।

## स्याट

अमेरिकाका विश्वविद्यालयमा भर्ना पाउन लिइने शाब्दिक एवं गुणात्मक तार्किकताको सामान्य परीक्षणलाई स्याट अर्थात् स्कोलास्टिक एटिच्युट टेस्ट भनिन्छ। यो अमेरिकी विश्वविद्यालयमा अन्डर ग्रेजुएट शैक्षिक कार्यक्रममा भर्ना लिनका लागि आवश्यक हुन्छ। यो परीक्षामा प्रश्नसँग छनौट गर्न सकिने कैयौं उत्तर दिइएको हुन्छ। यसले बोलाई तथा गणितीय तार्किक क्षमताको मापन गर्छ। प्रायः कलेजले भर्नाका लागि स्याट-१ खोज्छन्। त्यस्तै स्याट-२ मा विषयगत ज्ञान र उक्त ज्ञानलाई प्रयोग गर्ने क्षमताको मापन गरिन्छ। कैयौं विश्वविद्यालयले स्याट-१ सहित स्याट-२ पनि माग्छन्।

स्याट परीक्षा अमेरिकास्थित कलेज इन्ट्रान्स एक्जामिनेसन बोर्डले लिन्छन्। बोर्डले नै प्रश्नपत्र तयार गर्ने, परीक्षा लिन र उत्तरपत्र जाँच गर्ने काम गर्छ। बोर्डले स्याट अंकलाई चारवटा कलेज वा विश्वविद्यालयमा पठाउने व्यवस्था गरिएको हुन्छ। परीक्षार्थीले कुन विश्वविद्यालयमा स्याटको अंक पठाउन चाहेको हो भन्ने कुरा स्याटको आवेदन फारममै उल्लेख गर्नुपर्छ। त्यसैले स्याट परीक्षामा सामेल हुनभन्दा अघि नै कुन विश्वविद्यालयमा पढ्न चाहेको भन्ने कुरा तय गरिसक्नुपर्छ।

## स्याट-२

स्याट-२ ले विद्यार्थीको विषयगत ज्ञानको परीक्षण गर्छ। जस्तै-प्लस टुमा विज्ञान विषय पढेका विद्यार्थीले विज्ञानसम्बन्धी आफ्नो ज्ञानको परीक्षण स्याट-२ अन्तर्गतको विज्ञान टेस्टमार्फत् गराउन सक्छन्। स्याट-२ मा राम्रो स्कोर गरेका विद्यार्थीले सम्बन्धित विषयमा विदेशी विश्वविद्यालयमा छात्रवृत्ति पाउने सम्भावना धेरै हुन्छ।

## जीआरई

जीआरई ग्राजुएट रेकर्ड एक्जामिनेसनको छोटो रूप हो। यो परीक्षाले मौखिक, तार्किकता, गुणत्मक तार्किकता, आलोचनात्मक विश्लेषण तथा विश्लेषणात्मक लेखाइको परीक्षण गर्छन्। यो कुनै विशेष अध्ययनसँग सम्बन्धित छैन।

जीआरइले अन्डर ग्रेजुएटको आठ विशेष क्षेत्रको ज्ञान मापन गर्छ। यो मापनबाट सम्बन्धित विद्यार्थीले स्नातक तहमा कस्तो प्रस्तुति गर्छ भनेर अनुमान लगाउन सकिन्छ। विद्यार्थीले मुख्य विषय लिएर पढेका विषय वा विशेष दखल भएका विषयमा जीआरईको प्रत्येक विषयको टेस्ट लक्षित गरिएको हुन्छ। लेखिएको वस्तुलाई विश्लेषण एवं मापन गर्न सक्ने र यसका जानकारीलाई संश्लेषण गर्न सक्ने, वाक्यमा भएका शब्दहरूको सम्बन्ध विश्लेषण गर्ने, शब्द र अवधारणाबीचको सम्बन्ध बुझ्ने जस्ता कुरा मौखिक तार्किकताअन्तर्गत विद्यार्थीको क्षमता जाँचिन्छ। यसै गरी गुणात्मक तार्किकताअन्तर्गत विद्यार्थीका अंकगणित, बीजगणित,

## विदुर खतिवडा/शिव मुखिया

महाराजगन्जस्थित अमेरिकन दूतावास परिसरमा मध्याह्नको चर्को घाम छल्दै लामो पंक्तिमा उभिइरहेका थिए सुदीप घिमिरे। चर्को घाम र लामो पंक्तिमा उभिँदा पनि उनको मुहारमा कुनै नैराश्रयता देखिँदैनथ्यो। 'भिसाका लागि पैसा बुझाउन आएको,' अमेरिकास्थित एक कलेजमा अध्ययनका लागि अन्तिम तयारीमा जुटेका सुदीपले उत्साहित भावमा सुनाए- 'चाँडै युएस जाँदैछु।' बृहानीलकण्ठका विद्यार्थी सुदीप अमेरिकाको न्युजर्सीस्थित क्याडवेल कलेजमा वीवीए चारवर्षे कोर्सका लागि नेपाल छाड्ने मनस्थितिमा पुगेका हुन्। उनीसँगै पंक्तिमा उभिएका राजु ढुंगाना पनि कम उत्साहित थिएनन्। 'वायोलेजीमा वीएस्सी गर्न अमेरिका जाने' साउथअर्न अर्केन्ससस्थित क्यारिभन कलेजमा जान लागेका राजुले भने।

उच्च शिक्षाका लागि अमेरिकालाई गन्तव्य बनाउने राजु र सुदीप स्वदेश छाड्ने हतारोमा छन्। विदेश नै किन? दुवैको जवाफ एउटै थियो- 'गुणस्तरीय शिक्षा र सोचे अनुरूपको लाइफस्टाइल।' विदेशको शैक्षिक प्रणालीप्रति लोभिएका हजारौं युवा यतिखेर एब्रोडको माला जप थालेका छन्। अन्तर्राष्ट्रिय विश्वविद्यालयको शैक्षिक प्रमाणपत्र उनीहरूको एक मात्र निसाना बनेको छ। अध्ययनपछि नेपाल नै फर्किए पनि साधमा अन्तर्राष्ट्रिय कलेज वा विश्वविद्यालयको प्रमाणपत्र हातमा हुने भएकाले उनीहरू विदेशलाई लक्ष्य बनाउँछन्। नेपाली शिक्षा अन्वयौलग्रस्त अवस्थामा रहेको हुँदा गुणस्तरीय शिक्षा लिने सोचले स्वदेश छाड्ने युवाहरूको लर्कोमा प्लस टु गरेका देखि सनातकोत्तरसम्मका विद्यार्थी छन्।

उच्च शिक्षाका लागि नेपालमै सातवटा विश्वविद्यालय भए पनि एब्रोड स्टीका लागि बर्सेन २० हजारभन्दा बढी नेपाली विद्यार्थीले समुन्द्रपारका मुलुकलाई आफ्नो शैक्षिक गन्तव्य बनाउने गरेका छन्। शैक्षिक पृष्ठभूमि राम्रो भएका विद्यार्थीहरू एब्रोड स्टीका लागि विदेशिने हुन्। त्यसो त युवा उमेरको रंगीन सपना साकार गर्ने सोचले पनि कतिपय युवा एब्रोड स्टीको बहानामा विदेशिएका छन्। यसै गरी विदेशको उच्चस्तरीय जीवनशैली र सम्पन्नतासँग साक्षात्कार गर्ने मोहले पनि धेरै नेपाली युवायुवतीको ध्यान वैदेशिक शिक्षातर्फ तानिएको छ। समयक्रमसँगै आधुनिक जीवनशैली रुचाउने कतिपय नेपाली युवा नेपालमा त्यसअनुरूपको जीवन बाँच्न नपाइने भएकाले स्टुडेन्ट भिसाको प्रयोगमा विदेशिने जानकारहरू बताउँछन्। खासगरी नेपालको परम्परागत शिक्षाप्रणाली, राजनैतिक अस्थिरता एवं बेरोजगारीका कारण विदेशिनु परेको अधिकांश विद्यार्थीको भनाइ छ।

'यहाँ बसेर भविष्य सुरक्षित गर्न सकिँदैन,' अध्ययनका लागि बेलायत जाने तयारीमा जुटेका पोखराका सुधीर प्रधान भन्छन्- 'न यहाँको शिक्षापद्धति राम्रो छ, न त

अवसरहरू नै छन्।' हस्पिटालिटी म्यानेजमेन्ट अध्ययनका लागि लन्डन जान लागेका प्रधानलाई नेपालको राजनैतिक अवस्थाले पनि वितृष्णा जगाएको छ। 'जुनसुकै क्षेत्र अन्वयौलग्रस्त छ,' गीत-संगीतमा रुचि राख्ने सुधीर भन्छन्- 'चित्त बुझाउने ठाउँ कतै छैन।' एपेक्स कलेजबाट कम्प्युटर इन्जिनियरिङमा व्याचलर गरेका अनुप मुखिया विकास र प्रविधिको क्षेत्रमा विश्वलाई नै अगुवाइ गरिरहेको मुलुकमा गएर पढ्नुलाई आफ्नो सौभाग्य मान्छन्। त्यसैले त उनले अध्ययनको बहानामा समुन्द्रपारका मुलुक पुगे चाहना राखेका छन्। 'एमवीए इन मार्केटिङ कोर्स गर्न विदेश जाने सोचमा छु,'

कोर्सका लागि अस्ट्रेलिया जाने तयारीमा रहेकी पार्वतीले भनिन्। डिपेन्डेन्ट भिसामा आफ्ना श्रीमानसहित जान लागेकी पार्वती परिस्थिती मिल्दै गए विदेशमै बस्ने सोचाइमा छिन्। 'हेर्दै जाऊँ, अवस्था राम्रो भए विदेशै बस्नुपर्ला,' पार्वती भन्छिन्। उच्च शिक्षाका लागि विदेशिने विद्यार्थीहरूले खासगरी अमेरिका, बेलायत, अस्ट्रेलियाजस्ता मुलु रोज्ने गरेका छन्। 'आधुनिक विज्ञानमा विश्वलाई नै अगुवाइ गरिरहेका यी मुलुकमा बसेर अध्ययन गर्ने अवसरलाई हतपत्त उम्काउन चाहँदैनन् उनीहरू।' टेफ आयल्स सेन्टर नयाँ बानेश्वरकी निर्देशक नीलम जंगम भन्छिन्- 'त्यसैले त लाखौं खर्च गरेर वा जस्तोसुकै भन्कट लिएर जानु राम्रो हो' प्रबन्ध निर्देशक खत्री भन्छन्- 'पार्ट टाइम जबका रूपमा आफूले हासिल गरेको सीप प्रयोग गर्न सकिन्छ।' हुनेखानेका मात्र होइन सामान्य परिवारका छोराछोरीहरूसमेत स्टुडेन्ट भिसामार्फत समुन्द्रपारका मुलुकहरूमा जाने क्रम बढ्दो छ। प्लस टु वा डिप्लोमा तह उत्तीर्ण विद्यार्थीहरू अध्ययनका लागि २ देखि ४ वर्षसम्म विदेशमै विताउने तयारीका साथ जान्छन्। उनीहरू आफू पढ्ने क्याम्पस वा विश्वविद्यालयका लागि लाग्ने पहिलो वर्षको खर्च जुटाएर विदेश पुग्छन्। अधिकांश विद्यार्थीले पहिलो वर्षपछि लाग्ने सम्पूर्ण खर्च उतै कमाएर तिर्ने मनस्थिति बनाएको पाइन्छ तर आवश्यक सीप एवं कामको दक्षता नहुँदा उनीहरू समस्यामा परेका थुप्रै उदाहरण भेटिन्छन्।

अध्ययनका लागि बेलायत जाने तयारीमा रहेका प्रकाश अधिकारी यतिबेला होटल म्यानेजमेन्ट तालिम लिइरहेका छन्। उनी फुर्सदको समयमा आवश्यक खर्च जुटाउन आफूले कुकसम्बन्धी सीप हासिल गरिरहेको बताउँछन्। 'सीप सिकेर जाँदा खेर जाँदैन' उनी भन्छन्। हाल विदेश जाने बढ्दो लहरलाई लक्षित गरेर विभिन्न तालिम सञ्चालनमा छन्। रोजगारीका लागि विदेशिन चाहनेहरूले आवश्यक तालिम लिएको अवस्थामा छनौटमा पर्ने वा तथा आवेदन दिँदा सीप भएको पुष्टि गर्ने बलियो आधार बन्छ। त्यसो त मुलुकभित्रै

मूलतः तीन कारणले नेपाली युवायुवतीहरू अध्ययनका लागि विदेशिने बताउँछन्। 'नेपालको शिक्षा स्तरीय नमान्ने र पर्याप्त पैसा भएका परिवारका सदस्यहरू अध्ययनका लागि विदेश जान्छन्,' राई भन्छन्- 'कतिपय अध्ययनका लागि भनेर काम गर्न जान्छन्।' यसैगरी आफ्नो परिवार विदेशमै भएकाहरू पनि स्टुडेन्ट भिसामा विदेश छिर्ने गरेको उनले बताए। आर्थिक रूपले सम्पन्न परिवारका सदस्यले मात्र विदेशमा अध्ययन गर्न पाउँछन् भन्ने मान्यता गलत भएको उनको धारणा छ। विदेशमा अध्ययन गर्नका लागि आर्थिकभन्दा पनि प्रमुख कुरा विद्यार्थीको शैक्षिक दक्षता नै हो।

विद्यार्थीको शैक्षिक क्षमतालाई बढी प्राथमिकता दिने गरेका छन्। 'अध्ययनका लागि मूलतः अस्ट्रेलिया, अमेरिका, क्यानाडा, साइप्रस, युके आदि मुलुक नेपाली विद्यार्थीका लागि गन्तव्य बन्दै आएका छन्। विभिन्न मुलुकमा भिन्न-भिन्न विषयमा दक्षता हासिल गर्न विद्यार्थीहरू जाने गरेका छन्। विशेष गरी प्रमाणपत्र तह एवं सो सरहका प्लस टु, ए लेभल, ओ लेभल अध्ययन पूरा गरिसकेपछि बाँकी अध्ययनका लागि विदेशका कलेज एवं युनिभर्सिटीहरूमा नेपाली विद्यार्थीहरूले आवेदन दिन्छन्। 'अध्ययनका लागि आफ्नो विषयगत रुचि, क्षमता र लक्ष्यलाई प्रमुख आधार बनाएर आवेदन दिनुपर्छ,'

## रोजगारीका लागि सीप

### साप्ताहिक समाचार

'सीप भएका व्यक्तिले कहीं पनि बेरोजगार बस्नुपर्दैन,' स्ट्यान्डर्ड टुरिज्म एन्ड होटल ट्रेनिङ सेन्टरका प्रबन्ध निर्देशक सञ्जीव खत्री भन्छन्- 'उनीहरूलाई सधैं अवसरले परिहरिएको हुन्छ।' उनको भनाइ शिक्षा एवं रोजगारीको खोजीमा विदेशिनेहरूप्रति लक्षित थियो। खत्री भन्छन्- 'हातमा सीप भएका व्यक्ति जुनसुकै क्षेत्रमा पनि सफल हुन सक्छन्।' रोजगारीको खोजीमा विदेश भासिने हुन् वा अध्ययनको सिलसिलामा स्वदेश छाड्नेहरू नै किन नहुन्, हातमा सीप लिएर गए कसैले पनि भोको बस्नु पर्दैन। विभिन्न व्यावसायिक सीप हासिल गरेर विदेशिनेहरूले राम्रै अवसर पाउने जानकारहरू बताउँछन्। अध्ययनका क्रममा अनि रोजगारीका लागि थुप्रै नेपाली विदेशिने गरेका छन्। यसरी विदेशिनेहरूले व्यावसायिक सीप हासिल गरेका छन् भने तत्काल काम पाउन सक्ने सम्भावना रहेको खत्री बताउँछन्।

रोजगारीका लागि विदेशिनेहरूले त सम्बन्धित काममा दक्षता हासिल गरेकै हुनुपर्छ। आफूमा भएको सीपका आधारमा रोजगारी पाइने एवं कमाइ हुने हुँदा सीप लिएर मात्र विदेशिनु राम्रो हुन्छ। त्यसो त अध्ययनको सिलसिलामा विदेशिनेहरूले पनि कुनै न कुनै किसिमको सीप लिएर जाँदा फुर्सदिलो समयमा बेरोजगार बस्नुपर्ने अवस्था आउँदैन। 'विदेशमा अध्ययन गर्न जानेले कुनै न कुनै सीप पनि साथैमा

अनुपले हौसिदै सुनाए।

मुलुकको अस्थिर राजनीतिका कारण आफ्नो भविष्य असुरक्षित देखेर विदेश जाने सोच बनाएका थुप्रै युवायुवतीमध्येकै एक हुन् निर्मला केसी। थापाथलीस्थित नर्भिक इन्टरनेसनल हस्पिटलकी स्टाफ नर्स निर्मला भन्छिन्- 'यहाँ पोलिटिकल पोल्यासन छ।' नर्सिङ अध्ययनका लागि नर्वे जाने तयारीमा रहेकी केसी त्यहाँबाट थप प्राविधिक ज्ञान हासिल गरेर फर्कने सोचमा छिन्। काठमाडौंकै एक हस्पिटलकी स्टाफ नर्स हुन् पार्वती खड्का। यहाँ पनि उनी बेरोजगार छैनन्, तर यतिले मात्र उनको चित्त बुझ्ने 'अध्ययनका लागि अस्ट्रेलिया जाने सोचमा छु,' नर्सिङसम्बन्धी तीनवर्षे

बेहोरेर भए पनि 'स्टुडेन्ट भिसा' मार्फत उनीहरू विदेशिने चक्करमा हुन्छन्।' विभिन्न विकसित मुलुकमा अध्ययन गर्न जानेहरू त्यहाँको उत्कृष्ट जीवनस्तरबाट बढी प्रभावित भएको द नेस्कट एजुकेशन कन्सल्टेन्सीका प्रबन्ध निर्देशक शालिकराम भण्डारी बताउँछन्। 'पर्याप्त सुख-सुविधा भएको ठाउँमा जाने रहर सबैलाई हुन्छ,' क्याम्ब्रिज इन्स्टिच्युटका प्रमुख गोपाल भण्डारी भन्छन्- 'विदेशमा शिक्षा हासिल गर्न पाउने अवसरलाई पनि धेरै विद्यार्थीले त्यहाँको सम्पन्नतासँग गाँसेर हेरेका छन्।' वैदेशिक शिक्षाका लागि परामर्श दिँदै आएका ब्रिटेन इन्टरनेसनल एकेडेमी, पुतलीसडकका नीरज राई

शैक्षिक पृष्ठभूमि राम्रो बनाएका विद्यार्थीहरू, जो पढाइमा अब्बल छन् उनीहरूले शत-प्रतिशत छात्रवृत्तिसमेत पाउने गरेका छन्। यसरी छात्रवृत्तिमा जाने विद्यार्थीहरूलाई कतिपय कलेज-युनिभर्सिटीले खाने-बस्ने व्यवस्था गरेको क्याम्ब्रिजका भण्डारीले बताए। फिनल्यान्ड, डेनमार्क, नर्वेजस्ता मुलुकका कलेज तथा युनिभर्सिटीहरूमा शत-प्रतिशतसम्म छात्रवृत्तिको व्यवस्था छ।

'आर्थिक रूपले सम्पन्न घरका छोराछोरी विदेश अध्ययनका लागि प्रयास गरिरहेका हुन्छन्,' सुप्रिम एजुकेशन सेन्टर प्रा.लि., लगेनखेलका कृष्णहरि के.सी. भन्छन्- 'विदेशका कलेज एवं युनिभर्सिटीहरूले भने

स्वरोजगारी सृजना गर्न पनि सीपमूलक तालिम लिनु निकै उपयोगी हुन्छ। प्लस टु वा व्याचलर सकेकाहरूले अध्ययनका लागि विदेश जानुअघि कुनै न कुनै किसिमको व्यावसायिक सीप हासिल गर्ने गरेको प्यासिफिक होटल ट्रेनिङ सेन्टरका प्रमुख प्रमोद उपाध्यायले बताए।

व्यावसायिक सीप प्रदान गर्नेहरूलाई लक्षित गरेर राजधानीमा एक दर्जनभन्दा बढी तालिम केन्द्र सञ्चालित छन् तर गुणस्तरीय तालिम दिने तालिम केन्द्रको संख्या अझै कम छ। यी तालिम केन्द्रहरूबाट होटल म्यानेजमेन्ट, बेकरी, टुर एन्ड ट्राभल टुरिज्मजस्ता विषयमा विभिन्न तालिम सञ्चालन गरिन्छ। एउटा विषयमा तालिम हासिल गर्न ३ हजार देखि २२ हजार रुपैयाँसम्म लाग्ने तालिम सञ्चालकहरू बताउँछन्। होटल म्यानेजमेन्टअन्तर्गत फुड एन्ड बेभरेज म्यानेजमेन्ट, कुक (कन्टिनेन्टल, चाइनिज, इन्डियन, इटालियन, मेक्सिकन) वेटर/वेट्रेस, फ्रन्ट अफिस, वारटेन्डर, हाउसकिपिङ (बेड मिलाउने, रुम व्यवस्थापन गर्ने) तालिम दिइन्छ। बेकरी (बेकरी आइडम बनाउने) अन्तर्गत कफी तथा आइसक्रिम मेकिङ तालिम दिइन्छ। टुर एन्ड ट्राभल म्यानेजमेन्टअन्तर्गत टुर अपरेसन म्यानेजमेन्ट, टुरिस्ट लिएर विभिन्न स्थानको जानकारी दिने, ट्राभल्सअन्तर्गत विभिन्न एयरलाइन्सको टिकेटिङजस्ता तालिम दिइन्छ।

सुप्रिम एजुकेशनका के.सी. भन्छन्। के.सी. का अनुसार अध्ययन गर्न चाहने विद्यार्थीले विदेशका कलेज एवं युनिभर्सिटीहरूको मापदण्डअनुसार भाषास्तर अध्ययन गर्नुपर्छ। भर्नाका लागि आवेदन दिइसकेपछि, सम्बन्धित विद्यालयले पढ्न योग्य ठहर्‍याए अफर लेटर पठाउँछ। आवश्यक सम्पूर्ण प्रक्रिया पूरा गरिसकेपछि, प्रवेशाज्ञा लिएर विदेश जान सकिन्छ।

विदेशमा उच्चस्तरको शिक्षा हासिल गरिसकेका विद्यार्थीका लागि जुनसुकै मुलुकमा पनि रोजगारीको ढोका खुला हुने प्राइम एजुकेशन इन्फर्मेसन सेन्टर प्रा.लि., कमलादीका दीपक गुरुङ बताउँछन्। विदेशमा अध्ययनका लागि न्यूनतम

८ लाख रुपैयाँ लाग्छ। शैक्षिक कार्यक्रमअनुसार सोभन्दा बढी रकम खर्च हुन्छ। यसरी विदेश अध्ययन गर्न जाने विद्यार्थीका लागि विभिन्न बैंकबाट 'एजुकेशन लोन' समेत प्राप्त हुँदै आएको छ। एजुकेशन लोन प्राप्त गर्न विद्यार्थीले आफ्नो सम्पत्तिको विवरण बैंकलाई देखाउनुपर्ने हुन्छ। सोही आधारमा बैंकले आर्थिक दस्तावेज तयार गर्छ।

सर्वाधिक संख्यामा नेपाली विद्यार्थी जाने अस्ट्रेलियाका लागि भने अब दुई बैंकले मात्र यस्ता आर्थिक दस्तावेज बनाउने आधिकारिकता पाएका छन्। यसबाट अस्ट्रेलिया जाने विद्यार्थीको संख्या घट्दै गएको पाइन्छ। अध्ययनका लागि भनेर धेरै विद्यार्थी विदेशी मुलुक गए पनि उनीहरू त्यहाँ आयआर्जनको बाटोतिर लाग्ने गरेका छन्।

### नो अब्जेक्सन लेटर

शिक्षा मन्त्रालय छात्रवृत्ति शाखाका अनुसार विदेश अध्ययनका निमित्त नो अब्जेक्सन लेटर लिने विद्यार्थीहरूको संख्या बर्सेन उल्लेख्य रूपमा बढिरहेको छ। गत २०६५/०६६ मा अध्ययनका निमित्त विदेश जान २४ हजार ८ सय २४ जनाले नो अब्जेक्सन लेटर लिए। यो गत असारसम्मको तथ्यांक हो। गएको २०६४/०६५ मा सोही अवधिमा १७ हजार विद्यार्थीले नो अब्जेक्सन लेटर लिएका थिए। तथ्यांकलाई आधार मान्दा वैदेशिक अध्ययनका लागि नो अब्जेक्सन लेटर लिने विद्यार्थीको संख्या बर्सेन वृद्धि हुँदै गएको देखिन्छ। शाखाका महासचिव भोजराज काफ्लेले दिएको जानकारीअनुसार ०६६ असार अन्तिमसम्म अस्ट्रेलियाका लागि १० हजार १ सय २१ जनाले नो अब्जेक्सन लेटर लिएका छन्। यसैगरी बेलायतका लागि ६ हजार ६ सय २७ जनाले र अमेरिकाका लागि २ हजार ९ सय ३४ जनाले नो अब्जेक्सन लिएका छन्।

साइप्रस जान १ हजार १ सय ६२ जना विद्यार्थीले नो अब्जेक्सन लेटर लिएका छन्। साइप्रसपछि जापानका लागि ८ सय ५ जना, बंगलादेशका लागि ३ सय ७ जना, चीनका लागि २ सय ६२ जना, फिनल्यान्डका लागि २ सय १३ जना, क्यानाडाका लागि २ सय ८ जना र डेनमार्कका लागि १ सय ७२ जनाले नो अब्जेक्सन लेटर लिएका छन्। मन्त्रालयका अनुसार सबैभन्दा धेरै विद्यार्थीले असारमा नो अब्जेक्सन लेटर लिएका थिए। नो अब्जेक्सन लेटर लिनेमा महिला ३२ प्रतिशत छन् भने बाँकी पुरुष छन्। वैदेशिक अध्ययनमा जाने विद्यार्थीहरूमध्ये हस्पिटालिटी म्यानेजमेन्ट अध्ययन गर्न ३ हजार, बिजनेस म्यानेजमेन्टमा १ हजार ८ सय ६ तथा एकाउन्टिङमा १ हजार ३ सय ८० विद्यार्थी थिए। छात्रवृत्ति शाखाका सहसचिव काफ्लेका अनुसार यसरी वैदेशिक अध्ययनका लागि नो अब्जेक्सन लेटर लिनेमा काठमाडौंबाट ५ हजार ४ सय ३३, चितवनबाट २ हजार १ सय ५५, ललितपुरबाट १ हजार ७ सय १४, कास्कीबाट १ हजार ४ सय २७, रूपन्देहीबाट १ हजार १, भन्नापाबाट ९ सय २३ तथा भक्तपुरबाट ८ सय ८६ जना छन्।

## ज्ञान, विचार र सभ्यताका लागि

## वैदेशिक अध्ययन

अमेरिका गएर बायोटेक्नोलोजी पढने लक्ष्य लिएका नेपालियन कुमार दास अहिले स्याट र टोफलको तयारीमा छन्। उनका साथमा सन्दीप श्रेष्ठ पनि छन्। लिटिल एञ्जेल्सबाट एसएलसी र जेभियर इन्टरनेसनल कलेजबाट ए लेभल गर्दासम्म साथै रहेको यो जोडी अमेरिकामा अध्ययन गर्दा पनि साथै रहन चाहन्छ। त्यसैले उनीहरूको वर्तमान एउटै छ, भविष्यको सोचाइ एउटै छ, र विचार पनि एउटै छ। टिनएजर्सहरूमा विषय र भविष्य छनौटमा साथीभाइले पनि महत्त्वपूर्ण भूमिका खेल्छ भन्ने कुराको यो एउटा गतिलो प्रमाण हो।

यही प्रमाणलाई बल पुऱ्याउने अरू तीन जना पनि छन्। पूर्वको इटहरीमा हुँदा साथै रहेका यी जोडी वैदेशिक अध्ययनको सपनाका साथ केही महिनाअघि मात्र राजधानी छिरेको हो। विक्रम बस्नेत, विजय गिरी र शिशिर चापागाईंको समूह अध्ययनका लागि बेलायत जान चाहन्छ। उनीहरू अहिले क्याम्ब्रिज इन्स्टिच्युटमा आईईएलटीएसको तयारीमा जुटेका छन्। अहिलेको नयाँ प्रावधानअनुसार बेलायत जान आईएलटीएस नगरे पनि हुन्छ, तर यो कोर्स नगरेकाले फेरि त्यहाँ पुगेर गर्नुपर्छ र पछि परिन्छ भन्ने कुरा उनीहरूलाई थाहा छ। फेरि यो कोर्स गरेकाले भिसा पाउन पनि सहज हुन्छ। त्यसैले उनीहरू यो उद्देश्य पूरा गर्न लागिपरेका छन्। उनीहरू सबै म्यानेजमेन्ट कोर्स गर्न चाहन्छन्।

रिया सुवेदीले राजधानीकै एस कलेज अफ म्यानेजमेन्ट र प्रीति लामाले हिमालयन ह्वाइट हाउसमा अध्ययन गरेकी हुन्। दुवैले स्याटको तयारी गरिरहेका छन् तर स्याटको तयारी सकिएपछि रिया आईएलटिएस र प्रीति टोफल गर्न चाहन्छिन्। रिया रिजल्ट राम्रो आए अमेरिका नत्र युके जान चाहन्छिन्। उनी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट कोर्स गर्न चाहन्छिन्।

अध्ययनका लागि विदेश जान चाहनेहरूको संख्या बर्सेनि बढिरहेको छ। यसका लागि विभिन्न कोर्सको तयारी गर्नुपर्छ। नेपालियन, सन्दिप, विक्रम, विजय, शिशिर, रिया र प्रीति यसरी विदेशमा अध्ययनका लागि जान चाहनेमध्येका केही प्रतिनिधि पात्र हुन्।

नेपालमा बन्द, हडतालगायतका राजनैतिक अन्यायताका कारण शैक्षिक गतिविधि निर्वाध रूपमा सञ्चालन हुन सक्दैनन्। युवाहरू वैदेशिक शिक्षातर्फ आकर्षित हुनुको मूल कारण यही नै हो भन्ने उनीहरूको निष्कर्ष रह्यो। विक्रम भन्छन्— नेपालको शैक्षिक प्रणाली देखेर दिक्क लाग्छ। स्नातकोत्तर तहका लागि प्रक्रिया सुरु भएको १९ महिनापछि परीक्षा हुन लाग्दा पनि फेरि अन्याय थपिएको छ। प्रश्नपत्र बाहिरिएको आरोप र विद्यार्थीहरूको विरोधका बीच के हुने हो भन्ने कुरामा अन्याय नै छ। यो

अवस्थामा विद्यार्थीलाई पढ्न पनि जाँगर चल्दैन। फेरि आफ्नो शैक्षिक गुणस्तरअनुसार जागिर पाइने कुरामा पनि निश्चितता छैन। विजयका अनुसार विभिन्न कारणले गर्दा यहाँ पढ्न पाइँदैन। फेरि जागिर पाउन विभिन्न प्रकारका सोसंफोर्सको आवश्यकता पर्छ। विदेशमा गएर पढेपछि उतै जागिर पाउन सजिलो हुन्छ अनि नेपालमा पनि विदेशमा पढेकाहरूलाई केही प्राथमिकता पनि हुन्छ। त्यसबाहेक दक्षता भए अध्ययनपश्चात् नेपालमा आएर आफैँ कुनै नयाँ सम्भावनाको खोजी गर्न सकिने कुरामा पनि उनीहरू विश्वस्त छन्। त्यसैले जतिसुकै खर्च गरेर भए पनि अध्ययनका लागि विदेश जानुको विकल्प नरहेको उनीहरूको मान्यता छ।

शिक्षा फर्स्ट क्वालिटीको हुनुपर्छ भन्ने शिशिरको मान्यता छ। यही फर्स्ट क्वालिटीको शिक्षा पाउन नै विदेश हान्निनुपर्छ। विश्वका सबै कुनामा पाइने शिक्षामध्ये उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त गर्नु देशका लागि पनि फाइदाजनक हुन्छ। विदेशमा पढ्न निश्चित समयका लागि भिसा प्रदान गरिएको हुन्छ। त्यसपछि त्यहाँ प्राप्त गरेको उत्कृष्ट शिक्षालाई नेपालमा सद्पयोग गर्न सकिन्छ। शिशिर भन्छन्— हामीले निजी स्तरबाट गरिएको खर्चले पनि राष्ट्रलाई योगदान गरिरहेका हुन्छौं। हाम्रो देशमा प्राप्त गरेको शिक्षाले उनीहरूलाई केही फाइदा गर्दैन, तर उता प्राप्त गरेको शिक्षाले हाम्रो देशलाई फाइदा दिन्छ। यसबाहेक विभिन्न ज्ञान, विचार र सभ्यताका कुरा पनि सिक्नसक्ने हुन्छौं। यी सबै कारणले वैदेशिक शिक्षा हाम्रा लागि रहर मात्र नभै एक प्रकारको बाध्यता पनि हो।

शिक्षा प्राप्तिका लागि जानुभन्दा अघि यी विद्यार्थीहरू राजधानीका विभिन्न शैक्षिक परामर्श केन्द्र धाइरहेका हुन्छन्, तर उनीहरू पूर्ण रूपमा परामर्श केन्द्रमा मात्र भर पर्दैनन्। उनीहरू आफ्नै तरिकाले पनि अपडेट भैरहेका हुन्छन्। खासगरी आफूले पढ्न जान चाहने कलेज र विषयका बारेमा जान्न विभिन्न स्रोतको प्रयोग गर्छन्। रियाका अनुसार मुख्य स्रोत भनेको कलेजका वेबसाइट र विभिन्न इन्टरनेट सर्च नै हुन्। कतिपय कलेजका वेबसाइट पनि गलत हुन्छन् भन्ने कुरामा आफू सचेत हुनुपर्ने उनको मान्यता छ। कतिपय कलेज र युनिभर्सिटीहरूले विद्यार्थीले जान्न चाहेका प्रश्नको जवाफ केही दिनभित्रै लेखेर पठाइदिन्छन्। यसका लागि गुगलमा विभिन्न वेबसाइटको खोजी पनि गरिन्छ, तर पनि उनीहरूका बीच कलेजबोर्ड डटकम, युकेभीए डटकम, पिटर्सन्स डटकम आदि वेबसाइट चर्चित छन्। यी साइटबाट त्यहाँको शिक्षा प्रणाली र अध्ययनका लागि आवश्यक प्रक्रिया

आदिका बारेमा धेरै कुरा थाहा पाउन सकिन्छ। नेपालियनका अनुसार नेपालमा युसेफ गुप भन्ने समूह पनि छ। यो समूहमा अमेरिकी शिक्षा प्रणालीका सम्बन्धमा गएर धेरै कुरा थाहा पाउन सकिन्छ।

विदेशको शिक्षा र सही कलेज छनौटपूर्व विद्यार्थीहरू विभिन्न सेमिनारमा पनि सहभागी हुन्छन्। बर्सेनि फ्री सेमिनारका लागि विभिन्न कलेजका प्रतिनिधिहरू नेपाल आउने क्रम बढिरहेको छ। उनीहरूले उक्त देशको शिक्षाप्रणाली र विशेष गरी आफ्नो कलेज वा युनिभर्सिटीको विशेषताबारेमा धेरै कुरा बताउँछन्, तर पनि यतिकैमा विश्वस्त भने भैहाल्नु हुँदैन। प्रीतिका अनुसार विदेशमा रहेका आफन्त र साथीभाइले पनि यो कुरामा निकै सहयोग पुऱ्याउन सक्छन्। विक्रमका अनुसार कुन युनिभर्सिटी आफ्ना

लागि अफोर्टेबल छ र यो कुन श्रेणीको हो भन्ने कुरामा बढी सचेत हुनुपर्छ। ज्यादै सस्तो युनिभर्सिटीमा पनि दुतावासले भिसा दिँदैन। महँगो भयो भने पैसा तिन सकिँदैन। त्यसैले आफ्ना लागि अनुकूल मध्यम खाले युनिभर्सिटी खोज्नु उपयुक्त हुने विक्रम बताउँछन्।

विदेशमा अध्ययन गर्न जाँदा सबै पैसा यहीबाट पठाएर पनि सकिँदैन। धेरै अभिभावकले आफ्ना छोराछोरीले केही कमाउनु पनि भन्ने चाहेका हुन्छन्। त्यसैले यो कुरामा पनि ध्यान दिनुपर्छ। सन्दीपले भने— पहिलो वर्ष यताबाट पैसा मागे पनि

पछिल्ला वर्षहरूमा यताबाट पैसा पठाउनुपर्ने अवस्था नआओस्। बरु त्यसपछि उताबाट पठाउनुपर्ने अवस्था आए अभिभावक खुसी हुन्छन्।

अहिले राजधानी मात्र नभएर मोफसलका सहरमा समेत शैक्षिक परामर्श केन्द्र खुल्ने क्रम बढेको छ। च्याउसरि उम्रिएका यस्ता परामर्श केन्द्रमध्ये पनि सही परामर्श केन्द्र छनौट गर्नुपर्ने आवश्यकता छ। अध्ययनका लागि विदेश जानुअघि सर्वप्रथम यसलाई प्राथमिकतामा राख्नु नै सबैभन्दा महत्त्वपूर्ण कार्य भएको कुरामा सबैको सहमति रह्यो।

प्रस्तुति : एकराज सुवेदी



डिजाइनरतर्फ कूर्ती वा कुर्ताका लागि स्लिभलेस वा क्वाटर स्लिभशैली, डिप नेकलाइन, वाइड भी वा ब्याक ओपनका साथै स्ट्रिप प्रयोग गरी एक्स्ट्रा लुक पाउन सकिन्छ।

**तरुणिका महतो**  
**तरुणिकाज क्रिएसन**  
**विवाहितका लागि :**

आजभोलि विवाहित महिलाहरूमा पनि लेहेंगाको प्रचलन रहेकाले तीजमा लेहेंगा वा फिगर अनुसार लड स्कर्ट ट्राइ गर्न सकिन्छ। यद्यपि विवाहितहरूका लागि साडी

चोली एरियामा ब्रोकेड र फ्लेयर मन पराउनेहरूले कुर्ताको तल्लो भागमा जर्जेट वा सिफन प्रयोग गर्नु ठीक हुन्छ। स्लिभ लुकका लागि बास्स कट प्रयोग गर्न सकिन्छ। वर्कहरूमा विडस, सिक्वेन्स, फ्लावर वर्कलाई प्राथमिकता दिनु राम्रो हुन्छ। कुर्ताको नेकलाइनमा स्विट हार्ट, स्क्वाएर, वाइड भी वा राउन्ड भी हुनसक्छ। सलवार भने क्रेपको हुनु राम्रो हुन्छ।

**अविवाहितका लागि :** रेड र ग्रीन कम्बिनेसनमा फ्रन्ट सिलट कुर्ता र चुडीदार सलवारको कम्बिनेसन

## तीजको शैली आयो बरिलै

सदावहार पहिरन हो। रातो रंगको जर्जेट साडी वा प्लेन सिफन साडी पनि उपयुक्त हुन्छ। थ्रेड वर्क र सिक्वेन्स वर्क प्रयोग गरी साडीलाई हाइलाइट गर्न सकिन्छ। साडीसित मेलखाने टपका लागि हल्टर वा कोसेट आकर्षक हुन्छ।

**अविवाहितका लागि :** क्वाटर प्यान्टसित सर्ट लेन्थ कूर्ती उपयुक्त हुन्छ। रंग रातो। कूर्तीको नेकलाइन भने वेस्टर्न, हल्टर वा स्ट्रिड सहित बढी आकर्षक हुन्छ। उल्लेखित नेकलाइन सहित चुडीदारको जोडा पनि राम्रो हुन्छ। कूर्ती, कुर्ताको बस्ट लाइन भने हाइलाइट गर्नु राम्रो हुन्छ। चुडीदार सलवारसित कुर्ताको जोडामा नेटको वर्क गरिएको दुपट्टाले थप आकर्षक लुक प्रदान गर्छ।

**विष्णु गौतम**  
**इम्याजिन बुटिक**  
**विवाहितका लागि :**

महिलाहरूले साडीलाई प्राथमिकता दिए पनि फिगर र उचाइ अनुसार अम्ब्रेला कुर्ता र चुडीदार सलवारको कम्बिनेसन पनि उपयुक्त हुन्छ। धुँडाभन्दा थोरै मुनितिरको लम्बाइमा अम्ब्रेला शैलीको कुर्ता उपयुक्त हुन्छ।

उपयुक्त हुन्छ। ब्रोकेडको टप वा सिक्वेन्सको आउट लाइन र प्याचवर्क सहितको कुर्ता प्रयोग गर्न सकिन्छ। सलवार भने क्रेपको उचित हुन्छ। कुर्ताको नेकलाइन भी-सेप उपयुक्त हुन्छ। टपलाई चौवन्दी चोली शैलीमा विड र सिक्वेन्सको आउट लाइन दिएर थप आकर्षक लुक प्राप्त गर्न सकिन्छ।

-रोजिन शाक्य



डटकम तस्वीर : गणेश बडका/सञ्चारकर्मी

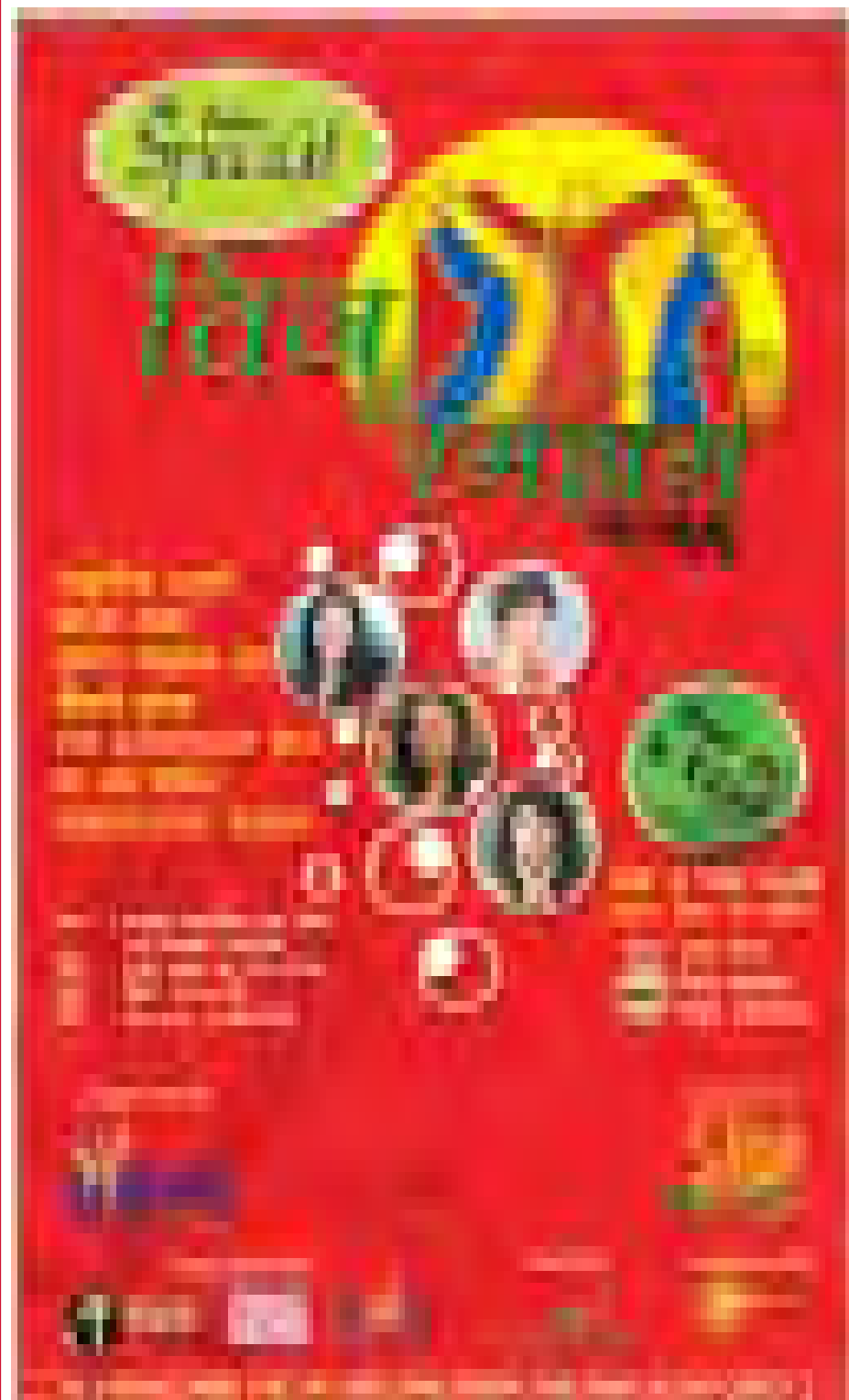
हिन्दू महिलाहरूको चाड तीज विवाहित तथा अविवाहित दुवैले हर्षोल्लासका साथ मनाउँछन्। यो पर्वमा सौभाग्यसूचक रातो रंगको विशेष महत्त्व हुन्छ। तीज पर्वमा खासगरी रातो रंगको साडी, ब्लाउज, चुरा, पोते, छडके तिलहरी र गरगहनामा सजिएका व्यक्तित्व अगाडि आउँछन्। तीजको फेसनलाई प्रस्तुत गर्ने क्रममा फेसन डिजाइनरहरू योगेन्द्रमेहर बज्राचार्य, तरुणिका महतो तथा विष्णु गौतमको स्टाइल स्टेटमेन्ट :

**योगेन्द्रमेहर बज्राचार्य**  
**मेहर कलेक्सन**

**विवाहितका लागि :** हेभी इम्ब्रोइडरी, ग्रीन सितारा र जरीयुक्त जर्जेट वा सिफनको रातो साडी। साडीको आँचल र बोर्डर दुवैमा हेभी इम्ब्रोइडरी। साडीसित सुहाउँदो रातो रंगको ब्लाउज। भी वा ई नेक लाइनमा ब्याक टाइ-अप शैलीमा स्लिभलेस स्टाइलको ब्लाउज।

**अविवाहितका लागि :** सिंगल स्लिट भएको थाई लेन्थको रातो सर्ट वा कूर्ती अथवा अम्ब्रेला कुर्ताका साथमा चुडीदार सलवार। कुर्ता वा कूर्ती सिफन, जर्जेट जस्ता फ्याब्रिक। सलवारका लागि भने बटर क्रेप र कटन। टपमा रातोसँग हरियो रंगलाई पनि प्राथमिकता दिन सकिन्छ।

## नारीको अदौ अंक



• तालुमा आलु •



प्रकाश ओझा

एउटा युवक चितुवाको सिकार गर्न चाहन्थ्यो । यस विषयमा उसले पुरानो सिकारीसँग सल्लाह लियो । 'चितुवाको सिकार सधैं राति गर्नुपर्छ' अनुभवी सिकारीले भन्थे 'राति-राति चितुवाको आँखा बल्छ, राति बलेको दुई आँखाको बीचमा निसाना लगायो भने चितुवा मान्न सक्छे ।' युवकले आइडिया लियो र एक हप्तापछि निराश भएर फर्क्यो । पुरानो सिकारीले सोध्यो 'के भो कुनै चितुवा माच्यो ?'

'मारिनँ ।'

'किन ? तिमी चितुवाको सिकार गर्न राति गएनौ ? राति चितुवाको आँखा चम्किएन ?'

'चम्किएन त चम्कियो नि दाइ, तर हिँजो आजका चितुवा बाठा भैसकेछन्, अब त चितुवा जंगलमा हिँड्दा जोडीजोडी भएर हिँड्छन्, एउटाले देब्रे आँखा चिम्लिन्छ अर्कोले दाहिने आँखा चिम्लिन्छ अनि गोली बीचमा जान्छ ।'

०००

धेरै भीड भएको बसमा एउटा वृद्ध व्यक्तिले उठेर एउटी युवतीलाई सिट दिने प्रयास गरे तर युवती मानिनन् । फेरि वृद्धले भनेपछि युवती वृद्धको काखमा बसिन् ।

०००

एक नेता भाषण गर्न एक दिन अघि माइकमा रिहर्सल गर्दै थिए । 'दाजुभाइ तथा दिदीबहिनीहरू !' ऊ भाषण गर्न थाल्यो- 'यदि मैले चुनाव जितें भने सबैलाई रोजगारीको व्यवस्था गर्छु...', गधा... गाउँभरि विजुली पुऱ्याउँछु, उल्लु... गाउँमा कलेज खोल्छु, थुक्क कुकुर... सबैतिर टेलिफोन पुऱ्याउँछु ठाग मोरा... बस भाडा फ्रि गर्दिन्छु, भाते... गोर्...।

जब रिहर्सल सकियो तब माइकवालाले उनलाई सोध्यो- 'हजुर तपाईंको भाषण र प्रतिज्ञा त मैले बुझें तर बीच-बीचमा कसलाई गाली गर्दै हुनुहुन्थ्यो ?' 'आफैलाई', 'आफैलाई किन ?' 'भाइ ! जसले भूठो बोल्छ उसले गाली त खाइहाल्छ नि ।'

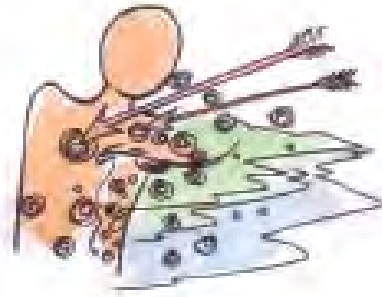
०००

मेरो कुरो

जुन-जुन महानुभावलाई केश फर्ने रोग लागेको छ उहाँहरूका लागि एउटा नयाँ क्रिमको आविष्कार भएको छ । त्यो क्रिम लगाउनुपर्छ एक साता । एक सातापछि तपाईंको केश त उम्रदैन तर खोपडी चाउरिन थाल्छ अनि तपाईंको जित केश छ त्यति नै घना देखिन थाल्छ ।

• कविता •

परेलीको तीरमा



आँसु बनी भरिदियो परेलीको तीरमा चोटभित्रै दुःखेकैछु कति बाँचूँ पीरमा भ्रमसरी जीवनका रहर सारा जलियाए घाममा नि हिडनै पच्यो शीतल मेरो ढलियाए न त फरूँ कि त मरूँ भन्दिनँ भनेर मलाई ढाँटी डाँडै काटी अतीतलाई भुल्छौ पतझड बनाई मेरो मन अन्तैतिर फुल्यौ माछा सरी वेदनाको अल्भिरहेँ भीरमा म लडेंछु किनारमा तिमी सागर भेटनु प्यासी छनू ती फाँट तिमी प्यास मेटनु हिँडदा सधैं ठेस पर्छ छैन भाग्य शिरमा चोटभित्र दुःखेको छु कति बाँचूँ सारमा ।

-नवराज सारथी

खुसी छाउला भन्दाभन्दै

मिर्मिरका अनगिन्ती ताराहरू गन्दागन्दै जिन्दगी यो विल लायो खुसी छाउला भन्दाभन्दै तिम्रा पाइला उन्नतिको शिखरतिर बढ्दैछन् रे मेरा भने दिन विच्छन्न तिम्रै नाम जप्दाजप्टै देउरालीका चौतारी नि सुनसान भैसके रात सिङ्गो रोई बस्छु सुनौलो घाम आउला भन्दै गाउँघर मसान भयो युवा जित मुगलान पसे बस्छु मचाहिँ बाटो हेरी आउने दिन गन्दै लेकवेंसी गोठालोमा, मनभरि डडेलो छ पखिँछु एक दिन त सुखद विहान आउँछ भन्दै ।

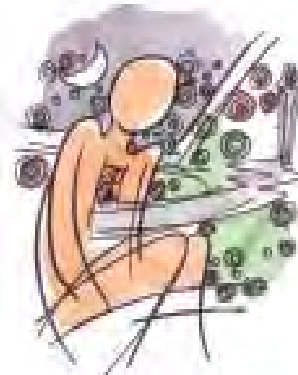
-जयप्रकाश

गाँउ सहर डुल्नुपर्छ

घर माथिको वन भरि, लालीगुराँस फुल्नुपर्छ हाम्रो मीठो मिलनले, दुःख-पीडा भुल्नुपर्छ भेलौला नि दुःख बरु, साथ मलाई देऊ तिमी दुवै मिली हाम्रो घरमा सुख-शान्ति हल्नुपर्छ परेलीमा तिम्रो मेरो माया खेल्छ थरी-थरी त्यो मुटु र यो मुटु एक-आपसमा खुल्नुपर्छ तिम्रो घरमा हात माग्न आउँदै छु म पनि रमाई रमाई हात समाई गाँउ-सहर डुल्नुपर्छ ।

-ब्री शिवाकोटी

तिम्रो वियोगपछि



चुपचाप छन् रातहरू, चुपचाप प्रहर मेरा तिमी गएदेखि रसिएको रसियै नजर मेरा वसन्त आउँछ फूल फुल्दैन एक थुँगो अँध्यारो नै अँध्यारो छ हररात शरद मेरा रतिभर छैन चैन मलाई जे गर्दा पनि फूलसँग खेल्दा पनि खेल मात्र फगत मेरा पानसै जगाएर बसेँ, रातभर नगिच आफैँको दूरी धमिलो हुने अँध्यारोमा घर मेरा नचिन्नेहरू बोल्दैनन्, चिन्नेहरू पनि बोल्दैनन् आफ्नै आभासको हलमा रमाएका सहर मेरा ।

-प्रेमकृष्ण श्रेष्ठ

• लघुकथा •



आस्थाको रूप

मन्दिर-पीठको दर्शन-प्रदक्षिणामा अधि-पछि कहीं कतै नपुग्ने उहाँ त्यो दिन लाखवती बाल्ने पूजामा अतिथि भएर पुग्नुभएको थियो । धर्मलाई शोषणको माध्यम भनी कडा आलोचना गर्ने उहाँलाई चिनेजानेका सबै कट्टर नास्तिकका रूपमा लिन्थे । उहाँको उपस्थितिले सबै चकित हुने नै भए ।

लाखवतीको आयोजन बृहत् र भव्य थियो । भजन-कीर्तनको टोलीसहित उपस्थिति पनि बाक्लै थियो । सहभागीहरू थपिँदै थिए । सबै आ-आफ्ना उपक्रममा व्यस्त थिए । उहाँ पनि पाहुनाहरूलाई बसाउन ओछ्याइएको दरिमा अलि पर छेउ लादै एउटी नवयौवनानसितको वार्तालापमा व्यस्त हुनुहुन्थ्यो । उहाँ कट्टर नास्तिक हुनुहुन्थ्यो । देवताप्रति रती विश्वास गर्नुहुन्नथ्यो । आजचाहिँ कसरी पाल्नुभयो । धेरैको खुल्दुलीलाई एक जनाले वाणी दिए । देवतामा उहाँको विश्वास नभए पनि देवीमा त अनास्था छैन होला नि ! सके उहाँको उपस्थिति देवीकै कारणले भएको होस् !

- रत्न कोज

विभिन्न जातिको परम्परागत पेसा प्रदर्शनी



कमल रिमाल

विराटनगर- मोरङ लेटाड-८ की गाजलमणी राई जंगलबाट अल्लो (एक प्रकारको सिस्नु) खोजेर त्यसबाट विभिन्न पहिरन बनाउँछिन् र महँगो मूल्यमा बेच्छिन् । अल्लोका कपडा ७ सयदेखि २ हजार ५ सयसम्ममा बिक्री हुन्छन् । त्यसको मूल्यभन्दा

पनि मेहनत बढी छ । राई परम्परागत पेसा भएकाले अल्लोबाट विभिन्न पहिरन बनाउँछिन् । उनकै जस्तो विभिन्न जातिका परम्परागत पेसा भएकाहरूलाई भेला गराएर गत साता विराटनगरमा लोपोन्मुख पेसाको दुईदिने प्रदर्शनी सम्पन्न भएको छ ।

भी पुचको सहयोग एवं रिडेफ नेपालको आयोजनामा जातीय संस्कृति भल्कने विभिन्न प्रकारका परम्परागत पेसा व्यवसायको उक्त प्रदर्शनी सम्पन्न भएको हो । बाँसका उत्पादन, अल्लोबाट बुनिएका कपडा, जुटका घरेलु उत्पादन, विश्वकर्माको सुनको र फलामका काम, थारूहरूले घरका भित्तामा बनाउने बुझासम्बन्धी कला प्रदर्शनीमा राखिएका थिए । परम्परागत तथा लोपोन्मुख पेसालाई मर्यादित र सम्मानित बनाएर पछिल्लो पुस्ताले समेत त्यो पेसा अँगाल्न सक्ने वातावरण बनाउन यो प्रदर्शनीको आयोजना गरिएको हो ।

सनपाटबाट भल्ला, विछ्यौना आदि बुन्ने कामलाई जातीय पेसा मान्ने राजवंशी जातिका महिलाहरू ४ सयदेखि २ हजार ५ सय रुपैयाँसम्मका घरेलु सामग्री बनाउँछन् तर उनीहरूको श्रम र सीप हेर्ने हो भने लगानीभन्दा कम कमाइ देखिन्छ । जुटका घरेलु सामग्री बनाउनुलाई पुख्र्यौली पेसा मान्ने मोरङ दर्वशा-१ की सदिला राजवंशीका अनुसार एउटा भालन १ हजार ५ सय रुपैयाँसम्ममा बिक्री हुन्छ । आफ्नो खर्च १ हजार जति हुन्छ र एउटा भालन बनाउन कम्तीमा पाँच दिन लाग्छ ।

प्रदर्शनीमा आएका बाँसका ढाकी, पंखा, कुनिया आदि बनाउने डोम जातिका मोरङ छेदी मल्लिक दिनभर बाँसका सामग्री बनाउँदा पनि मुस्किलले १ सय २५ रुपैयाँ

कमाउँछन् । आफ्नो पुस्तौनी पेसा भएकाले आम्दानी कम भए पनि यसलाई निरन्तरता दिइएको उनले बताए । थारु जातिको घरका भित्तामा माटोबाट बनेका विभिन्न कलाकृतिलाई यो जातिको पहिचान र प्राचीन कला मानिन्छ । पुरुषले घर बनाए पनि सिंगाने काम गर्ने महिलाहरू प्रदर्शनीमा आएर आफ्ना कला प्रस्तुत गरेका थिए । महिलाहरूले घर सिंगाने कामलाई पेसाका रूपमा पनि प्रयोग गर्दै आएका छन् । मोरङ कटहरी-३ की खुंखादेवी चौधरीले घर सिंगाने काम गरेबापत दिनको २ सय रुपैयाँ लिने गरेको बताइन् ।

नेपालमा विभिन्न जातिले आ-आफ्नो परम्परागत पेसाका रूपमा गर्दै आएका यस्ता काम पछिल्लो समयमा विस्थापित हुँदैछन् भने केही लोप हुँदैछन् । बाँसको सामग्री बनाएर जीविका चलाउने डोम जातिको पेसालाई प्लास्टिकका उत्पादनको प्रयोगले विस्थापित गर्दै लागेको छ ।

कतिपय जातिका परम्परागत पेसा धर्म-संस्कृतिसँग पनि जोडिएका छन् । आफ्नो जातिमा आमाले बनाएको अल्लोको कपडा र बाबुले बनाएको बाँसको कोक्रो भएन भने नवजात शिशुको न्वारन नहुने विराटनगरका रेडियोकर्मि भक्त राई बताउँछन् । धर्म-संस्कृतिसँगै जोडिएका यस्ता पेसालाई निरन्तरता दिन भने नसकिएको उनको भनाइ छ । यस्ता उत्पादनहरूको गुणस्तर, बजार तथा लगानीको सुनिश्चित हुन सकेको छैन । परम्परागत पेसा गरिरहेकाहरूले आफ्नो पेसालाई निरन्तरता दिने स्थिति कमजोर हुँदै

गएको छ । धेरै श्रम गरेर थोरै आम्दानी हुने भएकाले परम्परागत पेसा गर्नेहरू अर्को पेसातर्फ लाग्दै गएका छन् ।

सरकारले पेसाको संरक्षण गर्न सहूलियत र लगानीको व्यवस्था गर्नुपर्ने उनीहरूको माग छ । परम्परागत रूपमा उत्पादन गरिने वस्तुहरूलाई आधुनिकीकरण गर्दै पुख्र्यौली पेसामै उनीहरूलाई दिगो बनाउनुपर्ने आवश्यकता छ । विश्वकर्माको कामबाट राम्रै आम्दानी हुन्छ तर उनीहरूले अपहेलित हुनुपर्ने भएकाले यो काम छाड्दै गएका छन् । प्रदर्शनी आयोजक रिडेफ नेपालका अध्यक्ष उमेश विश्वकर्मा यस्तै कारणले आफूले परम्परागत पेसालाई निरन्तरता दिन नसकेको बताउँछन् । परम्परागत उत्पादनले उचित मूल्य पाउन छाडेपछि पेसाकर्मीहरू वैकल्पिक पेसातर्फ लाग्ने गरेका छन्, जसले गरिवी र बेरोजगारी अझ बढाएको उनको धारणा छ ।

गुरुडहरूले रन्काए टहोटे

पोखरा- भ्याडू-भ्याडू र ड्याडू-ड्याडूले बजार रन्कियो । न्यालीको लस्करले सडक जाम भयो । त्यो हँलमा थिए गुन्यू-चोली, पटुकी तथा चुरापोतेले चिटिक्क परेर सजिएका गुरुडसेनी । उनीहरूकै साथमा थिए- भोटो, कछाड पहिरिएर बाजा बजाउँदै हिँडेका गुरुडहरू । स-साना बाबु-नानीहरू पनि जातीय पहिरनमा चिचिच्याँट्टु देखिन्थे । अनुहारभरि रंग पोतेर, फारपात सिउरेर, खुकुरी र तरवार नचाउँदै

हिँडेको यस्तो समूह देखेर रमितेहरू हेरेका हेचै भए । यो अनौठो नृत्य र बाजागाजाले विदेशीहरूको पनि ध्यान खिच्यो । उनीहरू आफ्नो क्यामेरा सोभ्याउँदै ती दृश्य कैद गर्न तूछाडमछाड गर्दै थिए ।

यो सांस्कृतिक भाँकीसहितको चहलपहल गुरुड समुदायले मनाउँदै आएको टहोटे पर्वको थियो । विराटचोकवाट सुरु भएको बाजागाजासहितको भाँकी राष्ट्रवैक चोक, सुजना चोक, नयाँबजार हुँदै तमुधिसा पुगेर टुगिएको थियो ।

हरेक वर्ष साउन र चैत महिनाको अन्तिम मंगलबार यहाँका गुरुडहरूले सडकमा उत्रिएर बाजागाजासहित टहोटे पर्व मनाउँछन् । गुरुडहरूको भाषामा टहो भनेको राज्य र टे भन्नाले धपाउने भन्ने बुझिन्छ, अर्थात् राज्यबाट शत्रुलाई भगाउनु नै टहोटे हो । गामीण भेगमा शत्रु र भूतप्रेत धपाउने पर्वका रूपमा मनाइँदै आएको यो पर्व आजभोलि सहरमा गुरुडहरूले विकृति, विसंगति र भ्रष्टाचारविरुद्धको पर्वका रूपमा मनाउन थालेका छन् ।

टहोटेमा गुरुडका सबै समाज अनिवार्य रूपमा सहभागी हुनुपर्ने नियम छ । सहभागी नहुनेलाई जरिवाना गर्ने चलन तमुहरूको साभ्ना संस्था तमु धिले बसालेको छ । टहोटेमा सहभागी भएर वे शभूषा, बाजागाजा, सहभागितालगायतका विविध विधामा उत्कृष्ट हुनेलाई प्रोत्साहन गर्दै पुरस्कृत गरिँदै आएको छ ।

-शिव शर्मा



नेपालीहरूको महान् पर्व बडादसैका अवसरमा आफ्ना इष्टमित्र तथा आफन्तहरूलाई शुभकामना सन्देश पठाउन चाहने पाठकहरूले आफ्नो सन्देश साप्ताहिकको कार्यालयमा भदौ २५ गतेसम्म आइपुग्ने गरी पठाउन हुन अनुरोध गरिन्छ ।

-सम्पादक

● सन्देश ●

मैले ताराजीलाई नराम्रो लाग्ने कुनै काम गरिनँ जस्तो लाग्छ । यदि त्यस्तो नराम्रो लाग्ने कुनै व्यवहार गरेको भए दस औला जोडी माफी माग्छु । साथै पत्रमित्र आप्सराजिले पत्र नपठाउनुभएको धेरै समय भयो । मेरो पत्र नपाएर हो वा मसँग रिसाएर हो एक पटक पुरानो नम्बरमा कल गर्न अनुरोध छ ।

कृष्णप्रसाद  
परीक्षाको तयारीमा जुटेका

सम्पूर्ण साथीहरू, विशेषतः कृष्ण, दाजुहरू राम, शैलेश तथा सुरेन्द्रलाई सफलताको कामना ।

अमिता

हिंसा रहित वातावरणमा बाँच्न पाउनु कटुन्जे-९ ओखलढुंगाका वासिन्दाहरू । सबैको सुस्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखी जीवनको कामना गर्दै हार्दिक शुभकामना ।

सुवित्रादेवी युवा क्लब  
अञ्जु, मबाट तिमीलाई ठूलो

धोका भयो, सरी अब चाँडै भेट्नेछु र हाम्रो टुटेको माया फेरि गास्नेछु ।

सन्तोष

म पलपल तड्पिएर, छट्पटिएर बाँचेकी छु, हजुर आउने आशामा वर्षौ बित्न लागिसक्यो । म धेरै कुनै सक्दिनँ, प्लिज छिट्टै आउनु । म हजुर आउने बाटोभरि आँखा ओच्छ्याइरहेकी छु । हजुरको बाध्यता, विवशता बुझेर पनि अबुझ भएकी छु ।

पारू

लक्ष्मी, तिमी स्वार्थी रहेछौ, अरूको जीवनसँग खेलवाड गर्न तिमीलाई आनन्द लाग्दो रहेछ । तिमी आफूले प्रेम प्रस्ताव राखेकी थियौ र मैले त्यसलाई स्वीकार गरेँ । प्लिज फोन वा पत्रमार्फत कुरा गर ।

राजेन्द्र

ज्योत्सना, भूकूटी मण्डपको त्यो रमाइलो मेलामा हामी दुई एककासि परिचित बनी सिमसिम पानीमा छाटा ओढी परपुगेर बस्यौं । सयमको अभावले गर्दा भोलि भेट्ने बाचाका साथ त्यहाँबाट छुट्यौं । म तिमीलाई भेट्ने आशै आशमा भोलिपल्ट कुरी बसें, न त तिमी नै आयौ न त फोन गर्नु । तिमीले लेखिदिएको इमेल आइडी पनि पानीले मेटिन पुगेछ । चाँडै सम्पर्कमा आऊ, म तिम्रो प्रतीक्षामा छु ।

निगम

साथीहरू रितेश, श्रीनिवास, अमर, दीपक, लक्ष्मण, निरज, सचिन, किशोर, इमरान, गोपी, इफान, सन्ध्या, मुना, ममता, अनुशा, रोमा, रुविना, सर्मिला, वसन्त, सागर आदिमा मीठो सम्झना तथा शैक्षिक सफलताको शुभकामना ।

विनोद खतिवडा

● साथी ●



भीमसेन आचार्य २५ वर्षका भए । वीएडसम्मको अध्ययन पूरा गरेका भीमसेन ६ फिट १ इन्च अग्ला छन् । नोकरी गरिरहेका भीमसेन विवाहित हुन् । नम्र तथा मिलनसार स्वभावका भीमसेन पत्रमित्रता गर्ने अभिरुचि राख्छन् । गहुँगोरो वर्णका भीमसेन नम्र, मिलनसार, सुख-दुःखमा साथ दिने तथा गणतन्त्रवादी साथीको खोजीमा छन् । भीमसेनलाई साथी बनाउन चाहनेहरूले नाइलेभारे-१, काठमाडौँमा पत्राचार गर्न सक्नुहुन्छ ।

जीवन खाती 'राज' २० वर्षको भए । कुक पेसामा कार्यरत जीवनले साधारण शिक्षा हासिल गरेका छन् । अविवाहित जीवनको उचाइ ५ फिट ४ इन्च छ । गीत-संगीतमा अभिरुचि राख्ने जीवनको स्वभाव हँसलो छ । सुखमा नमात्तिने तथा दुःखमा नआत्तिने, सुखदुःखमा साथ दिने साथीको खोजीमा रहेका जीवनलाई अन्नपूर्ण रोस्ट हाउस प्रा.लि., ठमेल, काठमाडौँमा पत्राचार गर्न सकिन्छ ।



सबैसँग मिल्ने स्वभावका गमन पुन ५ फिट २ इन्च अग्ला छन् । व्यवसायमा संलग्न पुन २३ वर्षका भए । अविवाहित गमन पत्रमित्रता गर्ने अभिरुचि राख्छन् । हाल काठमाडौँमा रहेका पुन गहुँगोरो वर्णका छन् । जातभात नछुट्याउने, दुःखमा साथ दिने, रूपको घमन्ड नगर्ने साथीको खोजीमा रहेका गमनलाई pokhara\_123@hotmail.com मा इमेल गर्न सकिन्छ ।



पेसाले सिभिल इन्जिनियर सुनिल तन्दुकारको उचाइ ५ फिट ४ इन्च छ । २७ वर्षीय तन्दुकारले स्नातकोत्तरसम्मको अध्ययन पूरा गरेका छन् । गहुँगोरो वर्णका उनी खुलेर कुरा गर्ने तथा रमाइलो गर्न मन पर्ने स्वभावका छन् । भ्रमण तथा फुटबलमा अभिरुचि राख्ने तन्दुकार कीर्तिपुरका बासिन्दा हुन् । भट्ट नरिसाउने, लामो समयसम्म

मित्रता राख्ने, आफ्नो भावना बुझ्ने साथीको खोजीमा रहेका सुनिललाई a\_sunil5@yahoo.com मा इमेल गर्न सकिन्छ ।



३० वर्षीय विष्णु परियार धेरै साथी बनाउने अभिरुचि राख्छन् । ५ फिट ६ इन्च अग्ला विष्णुले प्रवीणता प्रमाणपत्र तहसम्मको अध्ययन पूरा गरेका छन् । मिलनसार स्वभावका तामाड अविवाहित छन् । गहुँगोरो वर्णका विष्णु दुःखमा साथ दिने तथा साथीको भावनालाई कदर गर्ने साथीको खोजीमा छन् । उनलाई साथी बनाउन चाहनेहरूले निजगढ ८, तेर्सोलाइन, बारा, नेपालमा पत्राचार गर्न सक्नुहुन्छ ।

उदायो सपना सारा हुरीले.....

रेडियोमा गीत बजिरहेको थियो, गीतको भावसँगै मेरो मन पनि अतीतका भुमरीभित्र डुबुल्की मारिरहेको थियो । आजभन्दा ५ वर्ष अगाडि म क्याम्पस भर्ना भएको थिएँ । समय आफ्नो गतिमा कसैलाई नपर्छी आफ्नै गतिमा बग्दै जाँदो रहेछ । मेरो क्याम्पस जाने क्रम यथावत् नै थियो, विस्तारै मेरा आँख एउटी युवतीमाथि ठोक्किन पुगे । उनी पनि मलाई हेर्दै मुस्कुराउन थालिन् । उनको मुस्कानमा म आफैँ हराउँथे ।

क्याम्पस पढेर बेलुका घर आउँथे, केही पढ्ने पुस्तक पढाएर बस्ये, तर पुस्तकका पाना-पानामा उनी आएर मुस्कुराएजस्तो लाग्थ्यो, केहि लेखेर मन बहलाउन खोज्थे तर कापीको पाना-पानाबाट उनैले बोलेजस्तो लाग्थ्यो । समय बित्दै गयो । मैले क्याम्पस पढ्न थालेको पनि पाँच-छ महिना भैसकेको थियो, तर उनीसँग बोल्ने रहर हुँदाहुँदै पनि म बोल्न सकिरहेको थिइनँ । उनको मोहिनी रूपलाई सुटुक्क मुटुमा चित्रित गर्थे यतिजेलसम्म मलाई उनको नाम थाहा भैसकेको थियो ।

पुस-माघका दिनहरू कठ्याङ्ग्रिदा थिए । मुटु कमाउने जाडोसँग मुकाबिला गर्दै म क्याम्पस जान्थे । एक दिनको कुरा हो, म अलि सबेरै क्याम्पस पुगे । त्यति बेला साथीहरू कोही आएका थिएनन् । चारैतिर आँखा दौडाएँ, एउटा कुनामा कोही बसेजस्तो लाग्यो । अनायसै त्यतैतिर मेरा

दृक्रिएका भावनाहरू



● जीवनको जोरोटोमा ●

पाइला बढे । त्यहाँ उनी थिइन् जसलाई म हृदयदेखि नै माया गर्थे । उनले विस्तारै मलाई हेरेर लजालु मुस्कान छोड्दै भनिन्- 'किन आज छिटो आउनुभयो नि...?' मलाई के गरौँ, कसो गरौँ भैरहेको थियो । मैले केही उत्तर दिइनँ । सोचिरहेको थिएँ, यो सुनसान ठाउँ, अनि भिरीभरे विहान साथमा म र उनी, यस्तो मौका कहिल्यै आउनेछैन, जहाँ अव्यक्त प्रेम व्यक्त गर्न सकियोस् । म भन्न चाहन्थे उनलाई-

'म तिमीलाई माया गर्छु ।' तर म एक शब्द पनि बोल्न सकिरहेको थिइनँ । विस्तारै मैले खल्टीबाट एउटा पत्र फिकें जुन मौका परेको बेलामा उनैलाई दिनका लागि थियो । काँपिरहेको हात उनीतर्फ बढाउँदै मैले भनें- 'यो लगेर पढ ल ।' उनले मलाई हेर्दै सोधिन्- 'के हो यो...?' 'तिमी आफैँ पढ न,' मैले मसिनो स्वरमा भनें र लामा-लामा पाइला बढाउँदै कक्षाकोठातिर लागें । यतिजेलसम्म अरू साथीहरू पनि आइसकेका थिए । उनले पत्र

पढिन् कि पढिनन् थाहा भएन । उनको उत्तर पाउने आशामा म अर्को दिन पनि छिट्टै क्याम्पस गएँ । अचम्म ! उनी त पहिल्यै आइसकेकी थिइन् । उनी विस्तारै मुस्कुराइन् । म हर्षविभोर भएँ, उनको स्वीकृति पाएँ । उनी धनी बाबुकी छोरी थिइन् । कतै हाम्रो विछोड त हुने होइन ? तर सम्झन्थे उनको त्यही सुकुमार र निर्दोष मुहारलाई, जसले मेरो सम्पूर्ण दुःख विसार्दैदिन्थ्यो । हाम्रो माया वसन्तको बहावजस्तै वर्षाको दूवोजस्तै फैलँदै गयो..... फैलँदै गयो..... समय बित्न कति पो लाग्दो रहेछ र ? हामीहरूको पहिलो वर्षको पढाइ सिध्याएर दोस्रो वर्षको पनि अन्तिम अन्तिममा पुगेका थियौं । एक दिन अचानक उनले मलाई आफ्नो विवाह हुन लागेको कुरा बताइन् । उनले रुँदै भनिन्- 'तपाईंको प्रेममा खोट छ भनेर म रोएकी होइन, बरु यही तपाईंको पवित्र र निश्चल प्रेम मेरा लागि मृगतृष्णा हुने भयो भनेर रोएकी हुँ ।' म छाँगाबाट खसेजस्तो भएँ । उनीसँगको विछोड म कसरी सहन सक्छु, मेरा आँखा तिरमिराए । आफू उभिएको जमिनमा आफैँ भासिएजस्तो लाग्यो । उनले रुँदै भनिन्- 'मैले चाहेर यस्तो गरेको होइन, बाध्यताको भुमरीमा परेपछि हाम्रो के पो लाग्दो रहेछ...? यति भन्दै उनले मलाई आँगालो हालिन् र रुँदै मबाट विदा भइन् सधै-सधैका लागि.....'

-आकाश

कूपन सन्देश

सन्देशका लागि कुनै शुल्क लाग्दैन तर कूपन अनिवार्य छ ।

पाउने :  
पठाउने :  
सन्देश :

साप्ताहिक साथीका लागि फर्म

साप्ताहिक साथीका लागि कुनै शुल्क लाग्दैन तर कूपन अनिवार्य छ ।

नाम : .....

उमेर : ..... उचाइ : .....

पेसा : ..... शिक्षा : .....

स्वभाव : ..... वैवाहिक स्थिति : .....

अभिरुचि : ..... वर्ण : .....

इमेल : .....

ठेगाना : .....

तपाईं कस्तो साथीको खोजीमा हुनुहुन्छ ?

आफूले उल्लेख गर्न चाहेको थप विवरण छुट्टै पानामा पठाउन सकिनेछ ।

# काली र गोरी युवतीमध्ये को बढी राम्रा हुन्छन् ?

कस्तो प्रश्न गर्नुभएको ? रूपले मात्र मानिस राम्रो बन्न सक्दैन । तैपनि यो समाजमा व्यक्तिको अनुहार हेर्ने चलन छ ।

**सुजिता पौडेल**  
काली युवती राम्रा हुन्छन्, किनभने अहिले ब्याक ब्यूटीको जमाना छ ।

**पदमराज महतारा**  
खै सम्पादकज्यू, म आफू त गोरो छु र पनि कालीसँग विवाह गरेको छु, मलाई त काली नै मन पर्छन् ।

**नन्दु**  
आफूनी त न गोरी छ, न काली छ, मेरा लागि एउटा पोस्ट खाली छ । एउटा विज्ञापन गरिदिने हो कि ?

**रुद्रप्रसाद दाहाल**  
मलाई त काली युवती नै राम्रा लाग्छन् । काली युवतीहरूमा सहनशीलता एवं आत्मीयता हुन्छ भने गोरी युवतीको घमन्डीपन प्रस्टै देखिन्छ ।

**डियर उत्तम (२०)**  
सबैखाले युवती राम्रा हुन्छन् । जो सरल, नम्र, अनुशासित, शिक्षित र संवेदनशील छन्, अरूको मनको कुरा बुझी सोही अनुसार कार्य गर्ने काली-गोरी सबै युवती राम्रा हुन्छन् ।

**वसन्त न्यौपाने, ताप्लेजुड**  
गोरी युवती, किनभने हेर्दा सुन्दर र आकर्षक देखिन्छन् ।

**नन्दलाल श्रेष्ठ**  
काली युवती राम्रा हुन्छन् किनभने मेरो काली युवतीसँग लभ परेको छ ।

**विराज (१७), सप्तरी**  
कालीभन्दा गोरी नै राम्रा, भट्ट हेदा मनै भुत्तुक हुने ।

**छवि (२४)**  
काली हुन् वा गोरी, दुवै नराम्रा हुँदैनन् ।

**अनिल विक, सिरहा**  
बाहिरी छालामात्र गोरो भएर हुँदैन । त्यसैले काली हुन् वा गोरी भित्री मन स्वच्छ हुनुपर्छ ।

**मीनबहादुर परियार, सिरहा**  
यो मानिसको सोचाइमा भरपर्ने

## • अब हाम्रो पालो •

यो स्तम्भमा हामीले राखेका प्रश्नको ३० शब्दमा नबढाई उत्तर पठाउनुपर्नेछ । प्रत्येक उत्तरका साथमा आफ्नो पूरा नाम, ठेगाना र उमेर लेख्न नबिसर्नुहोला । प्रश्न नम्बर एक सधैं आगामी प्रश्नका रूपमा रहनेछ । एउटा पानामा एउटा उत्तर मात्र स्वीकार गरिनेछ ।

१. पैसा पाउनु ठूलो कुरा हो कि प्रेम पाउनु ? किन ?
२. तपाईंले जिन्दगीमा कोबाट कस्तो धोका पाउनुभएको छ ?
३. हामी नेपाली किन र के कारणले पिछडिएका छौं ?
४. मानिसहरूलाई अर्काका श्रीमान्/श्रीमती किन राम्रा लाग्छन् ?
५. पुरुषहरू महिलाको चरित्र र चालचलनको कुरा किन बढी गर्छन् ?
६. पढेर जानिन्छ कि परेर ?
७. नेपालको सबैभन्दा ठूलो समस्या के हो ?
८. वेश्यावृत्तिलाई कानुनी मान्यता दिनु हुन्छ कि हुँदैन ? किन ?
९. नेपालमा जातीय आधारमा राज्य बनाउनु कतिको उपयुक्त हुन्छ ? किन ?
१०. कस्ता मानिसले राजनीति गर्नुपर्छ ?



कुरा हो । छालाको आधारमा हेर्दा गोरी युवती राम्रा हुन्छन् । व्यवहारमा हेर्ने हो भने दुवै राम्रा हुन्छन् । कुमार्ग, कुविचार र कुकार्यतर्फ नलागेका सबै युवती राम्रा हुन्छन् ।

**सञ्जीव**  
यो त संभेदी प्रश्न भएन भन्थ्यो ?

**सुमित (१७), गौशाला**  
हेर्ने आँखा राम्रो हुनुपर्छ, सबै राम्रा हुन्छन् । फूलको आँखामा फूलै

संसार, काँडाको आँखामा...।

**विनोद खतिवडा**  
ओहो ! कस्तो प्रश्न गर्नुभएको सम्पादकज्यू ? खै के भन्नु ? हुन त मनले रोजेको भए काली-गोरी दुवै राम्रा लाग्छन् ।

**प्रवीण ज्वाली, करावी**  
हात्ती र हात्तीछाप चप्पल जस्तै हो सम्पादकज्यू ।

**बी.के., इनरुवा**

**प्रश्न :** म २६ वर्षीय विवाहित युवक हुँ । मेरो विवाह भएको माघमा तीन वर्ष पुग्यो । मेरी श्रीमती १८ वर्ष पुग्न लागिस्कदा पनि हाम्रो कुनै बच्चा भएको छैन । हामीले कुनै पनि अस्थायी साधन प्रयोग गरेका छैनौं । थापाथली प्रसँगैगृहमा जाँच गराउँदा मेरो वीर्यमा हनुपर्ने शुक्रकीट १-२ प्रतिशत मात्र छ भन्ने रिपोर्ट आयो । बच्चा हुनका लागि यो कति प्रतिशत हुनुपर्छ ? के अब मेरो बच्चा हुँदैन ? शुक्रकीट बढाउन के गर्नुपर्ला ? अब मैले कहाँ सम्पर्क गर्नुपर्छ ?



डा. राजेन्द्र भद्रा

**उत्तर :** विवाह भएको तीन वर्ष भैसकदा पनि तपाईंकी श्रीमती भर्खरै १८ वर्ष मात्र पुग्नुभएको कुराले तपाईंको उमेर पुगे पनि तपाईंकी श्रीमतीको उमेर नपुगेकाले बालविवाह नै मान्नुपर्छ । अर्को कुरा, तपाईंले महिला २० वर्ष पुगेपछि मात्र सन्तान जन्माउनु आमा तथा शिशुको स्वास्थ्यका लागि राम्रो हुन्छ भन्ने कुरा त सुन्नुभएकै होला ।

**सन्तान जन्माउन नसक्नुको कारण के होला ?**

सन्तान जन्माउन गर्भधारण हुनुपर्छ । गर्भधारणका लागि यौनसम्पर्क, वीर्यस्खलन, डिम्ब निष्कासन, डिम्ब निसेचन अनि डिम्बरोपणजस्ता कुरा हुनु आवश्यक छ । सन्तान जन्माउने यी सबै कुराको बीचमा तालमेल आवश्यक छ ।

जन्माउन नसक्ने हुनु सबैभन्दा प्रमुख कारण हो । पाठेघरभित्र मासु बढ्ने, पाठेघरको भित्री तहको खराबी वा संक्रमण (जस्तै टी.बी.) वा अन्य खराबी भए पनि सन्तान जन्मन नसक्ने हुन्छ । विभिन्न कारणले डिम्बवाहिनी नलीको संक्रमण भए यो नली बन्द हुनसक्छ । यो नली बन्द भए डिम्ब तथा शुक्रकीटको मिलन हुन सक्दैन । कतिपय यौनरोग डिम्बवाहिनी नली बन्द हुनुका

## • यौन जिज्ञासा र समाधान •

प्रमुख कारक हुन् । निःसन्तान महिलामा हुने कारणहरूलाई केलाएर हेर्ने हो भने पाठेघरको मुखसँग सम्बन्धित खराबीहरू गर्भधारण हुन नसक्नुका प्रमुख कारण हुन्छन् ।

कतिपय जटिल दीर्घरोग वा कडा शारीरिक रोगका कारणले सन्तान जन्माउन सक्ने क्षमतामा नकारात्मक असर पर्छ ।

**वीर्य परीक्षण किन ?**  
कुनै व्यक्तिमा सन्तान जन्माउने क्षमता छ-छैन भनेर

पत्ता लगाउन विभिन्न किसिमको परीक्षण तथा जाँच-पडताल गर्नुपर्ने हुन्छ । महिलामा जटिल परीक्षण सुरु गर्नुभन्दा पहिले पुरुषको वीर्यमा शुक्रकीटको परीक्षण गर्नुपर्छ । किनभने वीर्य परीक्षणमा पर्याप्त मात्रामा शुक्रकीट नभएको स्थितिमा गर्भ रहने कुरै भएन । यस्तो अवस्थामा महिलामा जटिल परीक्षणहरू गरिरहने आवश्यकता पर्दैन । दम्पतीले सन्तानको रहर पूरा गर्न अन्य उपायजस्तै कृत्रिम गर्भधारणका बारेमा पनि विचार गर्न सक्छन् ।

**शुक्रकीटको संख्या कम भएको हो त ?**

पुरुषको चरमसुख (orgasm) पाउने हाराहारीमा लिङ्गबाट एक प्रकारको सेतो तरल पदार्थ निस्कन्छ, जसलाई हामी वीर्य (semen) भन्छौं । यही वीर्यमा नै शुक्रकीट (sperms) हुन्छन् । एकपल्ट वीर्यस्खलन हुँदा यस्तै ३ देखि ५ मिलि (५ मिलि भन्नाले १ चियाचम्चाजति) वीर्य निस्कन्छ । वीर्यमा हुने शुक्रकीटको संख्या सधैं एकैनास नहुन सक्छ । शुक्रकीटको संख्या ४ देखि १२

करोड प्रतिमिलिसम्म हुनुलाई सामान्य मानिन्छ । हामीले देखेको वीर्यको सानो अंश मात्र शुक्रकीटको मात्राले ओगटेको हुन्छ । शुक्रकीट निकै साना हुन्छन् । प्रयोगशालामा संक्षमदर्शक यन्त्रको मद्दतले यसको परीक्षण गरिन्छ ।

सामान्यभन्दा कम शुक्रकीट हुनुलाई संख्या कम भएको भन्न सकिने पनि चिकित्सकीय दृष्टिकोणले oligo(zoo)spermia अर्थात् शुक्रकीट कम भएको मान्न प्रतिमिलि २ करोडभन्दा कम शुक्रकीट हुनुपर्छ । अहिले त २ करोडसम्मलाई सामान्य भन्न थालिएको पाइन्छ । १-२ प्रतिशत मात्र भएको हो भने त्यो अति नै थोरै हो । तपाईंले वीर्य परीक्षणका अन्य नतिजाका बारेमा लेख्नुभएको

छैन । नतिजा पुरै लेखिदिनुभएको भए जवाफ दिन सजिलो हुने थियो ।

**के-कति कारणले ?**

शुक्रकीटको संख्यामा कम हुने वा यसको गतिशीलता, स्वरूप इत्यादिमा प्रभाव पर्ने अनेक कुरा हुन सक्छन् । अण्डकोष लामो समयसम्म तातो वातावरणमा भए शुक्रकीटको उत्पादन कम हुन्छ । ख्वच्छयअभिमि हुनुको पनि यस्तै प्रभाव हुन्छ । त्यसै गरी कोकिन वा अन्य केही लागू पदार्थले पनि शुक्रकीटको संख्या तथा गुणस्तरमा कमी ल्याउँछ । धूम्रपान अर्को कारण हो । भिटामिन सी, सेलेनियम, जिङ्क वा फोलेटजस्ता कुराको कमी अर्को कारण हो भने धेरै समयसम्म निरन्तर साइकल हाँक्नु पनि यसको कारण हुनसक्छ । धेरै मोटो हुनुको प्रभाव पनि यस्तै हुन्छ भन्ने कुरा केही अध्ययनले देखाएको छ । केही वंशाणुगत रोगले पनि यस्तो पारेको हुनसक्छ । त्यसैगरी वातावरणीय प्रदूषण, lead, cadmium वा arsenic को दीर्घकालीन सम्पर्कले पनि शुक्रकीट उत्पादनमा नकारात्मक प्रभाव पार्नसक्छ । विकिरण (एक्स रे वा अन्य) ले पनि शुक्रकीटको उत्पादनमा नकारात्मक असर पर्ने नै भयो । अर्कातिर पर्याप्त मात्रामा स्खलन नभए पनि शुक्रकीटको पूर्ण संख्यामा कमी हुनसक्छ ।

शुक्रकीट उत्पादन गर्ने क्षमता सजिलै बढाउन सकिँदैन, तर पनि शुक्रकीटको उत्पादनलाई कम गर्ने केही कुरा छ भने त्यसलाई हटाउने प्रयास गर्न सकिन्छ, जसका बारेमा चिकित्सकसँग प्रत्यक्ष सम्पर्क गर्नु बेस हुन्छ ।

**सौन्दर्यका सामान**

- Height बढाउने (Yoko Japanese) - 1050/-
- मोटापन घटाउने (Sauna Belt)
- अनुहार गोरो बढाउने (Roop Amrit)
- स्नान बढाउने, घटाउने साथै टाइट गर्ने (Cream)
- डण्डीफोर, चाया पोतो हटाउने (Cream)
- धूपपान, ज्राड रक्सी घटाउने, चाउरीपना हटाउने
- कपाल नमर्ने वा उमार्ने तेल (Herbal-44)
- एकमुखे स्नाइस साथै हवामान कवज

**Worldwide Shopping Centre**  
Newbaneshwor  
(शुद्धमूल मार्ग, तयारी पोशाक सघको अगाडी)  
Ph: 2290871, Mob: 9841506134

**Learn to Speak English**

100% Guarantee

- \* 2 & 3 Months Packages
- \* 1 Month Special & Speaking Course
- \* Audio & Visual in American & British Tone
- \* Situational Conversations
- \* विदेश जाने र जान्ने नजान्नेलाई विशेष कक्षा

Japanese/ Hebrew/ Korean/ Chinese/ French/ Spanish/ German IELTS/ Visa / Job Interview Pre.

**OASIS Language Centre**  
Golkopkha, Thamel & Kalimati Chok  
4359170 & 2024700

**ग्यारेन्टी उपचार**

100% Guarantee

**यौन:** शिघ्र स्खलन, यौन सन्तुष्टि नहुने

**अनुहार:** कालो पोतो, चार्पो, डन्डीफोरको उपचारको लागि

शारीरिक तौल घटाउने, बढाउने । मधुमेहको उपचार साथै ग्याष्टिक, प्रेसर, बाय, दम आदि समस्याहरूको समाधान

**जोड:** सावधान! डाक्टरद्वारा जाँच गरेर मात्र औषधि प्रयोग गर्नुहोस् ।

**माहारुद्र आयुर्वेद फार्मसि**  
लगनखेल साभामवन पसल नं २२  
2291316, 9741137095

**सुखी विवाहित जीवनको लागि**

**सेवाको १५ वर्ष**

- विवाहको पहिलो वा विवाहपछि
- भएका यौन रोग, शीघ्रपतन, स्वप्न
- दोष, पिसावसित धातु खस्ने,
- नपुंसकता, सन्तान नहुने र
- कमजोरी आदिको सफल उपचारको
- लागि आज नै भेटनुहोस् ।
- भेट्ने ठेगान: **फोन नं. : ४-८६०७८५५**

**पापुलर आयुर्वेद औषधालय**  
ज्ञानेश्वर रातोपुल पारीपट्टी काठमाडौं

**मुहार**

बेदाग गोरी बनाउने आयुर्वेदिक

**रूपअमृत** - Rs. 1650/-

**Anti Pimple (Rose Suncream Free)**

मुहारको दम गर्नेगोली हटाउने Dr. Japan - Rs. 350/-  
मुहारको चउरीपना हटाउने Cream - Rs. 1250/-  
स्नान बढाउने घाउको Cream - Rs. 1650/-

**ग्याष्टिक सुकर लडपेसर दम समाधान**

शरीरको तौल + उमर बढाउने  
सफल आयुर्वेदिक/आयुर्वेदिक उपचार  
शरीरको weight घटाउने **Enzyme** 100% Guarantee

**केश**

Before केश तरे को रेषो जमान तौल  
Herbal 44 Rs. 750/- → 1500p free

**आस्था हेल्थ केयर**  
काठमाडौं गोशाला, तयारी पोशाक सघको अगाडी  
Tel: 4498929, 9841330144  
9845062538 Chitwan, इटहरी 025-580944

पृष्ठ १ बाट जारी

यी घटनामा किशोर-युवाहरूको संलग्नताले मुलुकको युवाशक्ति आपराधिक क्रियाकलापतर्फ उन्मुख भएको देखाउँछ। एकै पटक ६ जनाको ज्यान लिने विप्लवमानसिंह डंगोलदेखि सँगै पढ्ने साथीको हत्या गर्ने राजेन्द्रकुमार पण्डितसम्मको विवरणले युवाहरूमा उच्छ्रंखलताको गति तीव्र रूपमा बढ्दै गएको प्रस्ट हुन्छ। अभिभावकको हेलचेक्राइ नैतिक शिक्षाको कमी, कडा कानूनको अभावका कारण किशोर उमेरमा आपराधिक मानसिकता प्रवल हुँदै गएको महानगरीय प्रहरी परिसर प्रमुख नवराज सिलवाल बताउँछन्।

खासगरी सहरी जीवनशैलीमा हर्किएका सम्पन्न परिवारका सदस्यहरू किशोरवयमा सही परामर्श नपाउँदा अपराधको बाटोतर्फ अग्रसर भैरहेको पाइन्छ। उपल्लो सुखसुविधा भोग गर्ने, निमेषभरमै धनी बन्ने अभिलाषा बोकेका किशोरहरू आफ्नो महत्वाकांक्षा पूरा गर्न आपराधिक क्रियाकलापमा संलग्न हुने गरेका छन्।

देश निर्माणमा होस् वा समाज सुधारमा युवाहरूको अहम् भूमिका हुन्छ। उनीहरू समाज एवं राष्ट्रका लागि आशा हुन्छन् तर आज तिनै युवाहरू समाज र देशकै लागि खतरा निम्त्याउने कारण बनिरहेका छन्। उनीहरूकै कारण समाजले कहालीलाग्दो घटना बेहोर्नुपरिरहेको छ। यसका पछाडि ती युवा मात्र दोषी छैनन्। तिनलाई हर्काउने आमाबाबु, बातावरण दिने समाज पनि उत्तिकै जिम्मेवार छन्।

राजधानीमा हुने लुटपाट तथा चोरीका घटनामा पनि सम्पन्न परिवारका किशोर-किशोरीहरू संलग्न छन्। नियमित ड्रग्स सेवन गर्ने क्रममा एकदिनमै ५ सय-हजार रुपैयाँ चाहिने किशोरहरू पैसा व्यवस्थापन गर्न नसक्दा सिक्री, मोबाइल तथा नगद लुट्ने र सो क्रममा निर्दोष मानिसहरूमाथि डरलाग्दो हतियार प्रयोग गर्ने गरेको प्रहरी अनुसन्धानबाट प्रस्ट हुन्छ। ड्रग्स सेवन गर्ने क्रममा युवतीहरू सिक्रीको मुनि डेन्डाइट राखेर फुकै सुँछ्छन्। सिलवालका अनुसार ड्रग्सको कुलतमा पर्नेहरू त्यसको सहज आपूर्तीका निम्ति पैसा जुटाउन खुकुरी प्रहारसमेत गर्छन्।

पहिलो उदाहरणका विप्लवमान सिंह सम्पन्न परिवारका सदस्य हुन्। हनुमानढोका प्रहरीले दिएको जानकारीअनुसार डेढ वर्षअघि खैरो हेरोइनका साथ पक्राउ परेका सिंह २० हजार धरोटी तिरेर छुटेका थिए। त्यस्तै सार्वजनिक अपराध शीर्षक अन्तर्गत गत असारको १९ गते पनि उनी पक्राउ परी २८ हजार रुपैयाँ धरोटी बुझाई रिहा भएका थिए। पैसाको बलमा सहजै छुट्टिन सकिने विश्वासका कारण यी डंगोल युवाले अन्ततः मानिस मार्दा पनि सजिलै रिहा हुन्छु भन्ने सोचेर नै उक्त आपराधिक क्रियाकलापका लागि प्रेरित भएको देखिन्छ।

दोस्रो उदाहरणका अनाम किशोर भने आफ्नै नयाँ मोटरसाइकल चलाउन पाएको उन्मादका कारण दुर्घटनाको सिकार भए।

तेस्रो उदाहरणका टासी लामा राजधानीको उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थाबाट प्लस टु उत्तीर्ण गरिसकेपछि अमेरिका जाने पैसा

# टिनएज उच्छ्रंखलता



जुटाउने क्रममा अपराधी बनेको उल्लेख गर्छन्। पहिलो पटकको लुटको प्रयास सफल भैसकेपछि लुट्टै पैसा कमाइन्छ भने किन अमेरिका जाने भन्ने आपराधिक भावना बढ्दै जाँदा उनले श्रृंखलाबद्ध लुटपाट मच्चाएको देखिन्छ। उनले स्याकार कम्पनी, एभरेस्ट बैंक, कान्तिपुर फाइनान्स तथा गुडविल फाइनान्स आदिमा आधा दर्जनभन्दा बढी घटनामार्फत् करौडौं रुपैयाँ लुटेका थिए। चौथो उदाहरणका निरञ्जन खनालले पाँच वर्षअघि एकलैले बैंक

हुन सकेको छैन। टिनएज आफैमा कौतूहलताले भरिएको समय हो। किशोर-किशोरीलाई सही परामर्श नदिइनु पनि अपराध बढ्ने अर्को कारण हो। सही परामर्शको अभावमा उनीहरूमा नैतिक शिक्षाको कमी हुँदै गएको छ। 'काउन्सिलिङको अभावलाई परिपूर्ती गर्न प्रहरीले विद्यालय सम्पर्क कार्यक्रमअन्तर्गत स्कुल प्रशिक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्दै लगेको छ' सिलवालका अनुसार

## युवतीहरू पनि अपराधमा

संगठनात्मक आपराधिक क्रियाकलापमा युवतीहरूको संलग्नता पनि बढ्दै गएको छ। ख्याति श्रेष्ठको अपहरण काण्डमा प्रयोग भएकी किशोरी मेरिना शाक्य एसएलसी दिएर बसेकी छात्रा थिइन्। ख्याति हत्याकाण्डका मूल आरोपी विरेन श्रेष्ठले मेरिनालाई फोन गर्न लगाएर ख्यातिको अपहरण गरेका थिए। अनुसन्धानकै क्रममा रहेकी मेरिना पनि आर्थिक प्रलोभनका कारण हत्याकाण्डमा संलग्न भएको प्रहरीको प्रारम्भिक प्रतिवेदनले देखाएको छ। यस्तै लेण्डुप लामाको अपहरणमा १५ दिनअघिदेखि सुस्मिता मगर नामकी युवतीले उनलाई लगातार

फोन गरेर अपहरणको सञ्चालनभित्र पार्न सफल भएकी थिइन्। संगठनात्मक अपहरण काण्डमा प्रयोग भएकी १९ वर्षीया सुष्मिता हालसम्म फरार छिन्। यी गम्भीर प्रकृतिका दुई उदाहरण हुन्, यसबाहेक चोरी, डकैती, लुटपाट जस्ता थुप्रै अपराधमा किशोरी तथा युवतीहरूको प्रयोग भएका पाइन्छन्। 'खासगरी अर्गनाइज्ड क्राइममा युवतीहरूको प्रयोग धेरै पाइन्छ।' एक प्रहरी भन्छन्- 'युवतीहरूलाई चाँडै विश्वास गरिने भएकाले उनीहरूलाई माध्यम बनाएर अपराधको जालो बुनिने गरेको छ।'

लुटिसकेपछि आत्मसमर्पण गरेका थिए। छोटो जेल जीवन बिताए पनि जेलबाट निस्कने क्रममा उनी अझ खतरनाक अपराधी भएर निस्किए। प्रहरीका अनुसार सुधि एर आत्मसमर्पण गर्न आएको केटो अब सु-मार्गमा लाग्ला भनेको भन्नु अपराधी बनेछ।

पाँचौं उदाहरणका अपराधी किशोर राजेन्द्र पण्डित आफूलाई सुपेरियर देखाउने क्रममा पेस्तोल खरिद गरेर साथीभाइमाथि सो-अप गर्थे। रीतेशले उनलाई विक्री गरेको मोबाइलको पैसा नितिनै पण्डितमा 'इगो' बढ्दै जाँदा अपराधको भावना विकास भएको देखिन्छ।

'हरेक व्यक्तिको अपराध मनोवृत्ति हुन्छ तर मानिसले असल मानिस र असल कुराको संगत गर्नु भने अपराध मनोवृत्तिलाई सहजै निस्तेज गर्न सक्छ।' परिसर प्रमुख सिलवालले भने- 'तर अहिलेका युवाहरूमा भने गलत व्यक्ति र गलत कुराको संगत बढ्दै जानुले पनि उनीहरूभित्र रहेको आपराधिक मनोवृत्ति अझ फस्टाउँदै गएको हो।'

राज्यको कानुनी व्यवस्था फितलो हुनुले पनि अपराधको श्रृंखला मौलाउँदै गएको विश्लेषकहरू बताउँछन्। कानून बलियो नभएकै कारण प्रहरी संयन्त्र पनि बलियो

'यो कार्यक्रमले ड्रग्स सेवन एवं आपराधिक क्रियाकलापबाट किशोर-किशोरीलाई टाढा राख्न मद्दत गर्छ।'

### संगठनात्मक अपराधमा किशोर

एकलै गर्ने आपराधिक क्रियाकलापबाहेक धेरैजसो किशोर तथा युवाहरू संगठित अपराधमा प्रयोग हुने गरेका छन्। किशोर तथा युवाहरू बढी महत्त्वकांक्षी हुने र अत्यकालीन सोचअनुरूप निर्णय गर्ने हुँदा उनीहरूलाई संगठनात्मक अपराधका गिरोहहरूले प्रयोग गर्ने गरेको पाइएको छ। २५ वर्षीय लुद्धबहादुर घर्तीमगर, २५ वर्षकै विष्णुबहादुर थापामगर, २१ वर्षे रिबन्द्रबहादुर थापामगर र २१ वर्षे सन्तोष गुरुड यतिबेला जेलको चिसो छिडीमा छन्। संगठनात्मक अपराधमा संलग्न यी युवाहरू डकैतीका क्रममा प्रहरीको फन्दामा परेका हुन्।

सिंगापुरका भूतपूर्व प्रहरी रुमबहादुर गुरुड अपहरणमा पनि युवाहरूकै बाहुल्य देखिन्छ। अपहरणपछि ६ करोड ५० लाख फिरोली मार्गने कार्यमा २२ वर्षीय सन्त थापामगर, २१ वर्षीय भक्तबहादुर लामा, १९ वर्षीय विनेक श्रेष्ठको संलग्नता थियो। यो आपराधिक संगठनको नाइके २६ वर्षीय प्रवीण तामाड हुन्। १९ वर्षीय

विष्णुप्रसाद शर्मा, २५ वर्षीय विष्णु पुन, २२ वर्षीय प्रेमप्रकाश पुन पनि अपहरणमा संलग्न आपराधिक समूहका सदस्य हुन्। उनीहरू पनि प्रहरीबाट जोगिन सकेनन्।

गोंगबु बस्ने ढोण्डुप लामालाई वारम्बार एक अपरिचित युवतीको फोन आउँथ्यो। फोनबाटै कुराकानी र चिनजान भएपछि युवतीले युवकलाई स्वयम्भूमा भेट्न बोलाएछन् तर युवतीको नियत त्यतिबेला छलंग भयो जब छोरो सोही स्थानबाट अपहरणमा परे। उक्त अपहरणमा २२ वर्षीय सुरज गुप्ता, २४ वर्षीय नवीन गुप्ता, २५ वर्षीय प्रमोद थापा, १७ वर्षीय मनबहादुर तामाड, २४ वर्षीय सरोज सिंखडा संलग्न थिए। यसैगरी उद्योगपति महेश सारडाको अपहरणमा २३ वर्षीय निरञ्जन खनाल, २४ वर्षीय कुमार राई, २३ वर्षीय दीपेन्द्र तिमलिना संलग्न रहेको प्रहरी श्रोत बताउँछ।

### सवारी दुर्घटनामा युवा

अल्लारे उमेरका युवाहरू ट्राफिक नियम मिचेर भए पनि सबैलाई उछिन्ने दाउमा हुन्छन्। यही क्रममा उनीहरू डरलाग्दो दुर्घटनाको सिकार हुने गरेको पाइएको छ। ट्राफिक कार्यालय, काठमाडौंले दिएको तथ्यांक अनुसार वर्षेनी थुप्रै युवा सडक दुर्घटनामा पर्ने गरेको देखिएको छ। खासगरी सहरिया युवाहरू मोटरसाइकल तीव्र गतिमा हुड्क्याउने क्रममा आफू मात्र दुर्घटनामा पर्दैनु अरूको समेत ज्यान लिन पुग्छन्।

ठूला सवारी साधनदेखि कार, मोटरसाइकल चलाउने युवाहरूमा उच्छ्रंखलता बढ्दो क्रममा भएको ट्राफिक प्रहरी स्रोत बताउँछ।

ट्राफिक प्रहरीको तथ्यांक अनुसार २०६५ साउनदेखि ०६६ असारसम्म उपत्यकामा मात्र ४ हजार ६ सय ५० सवारी दुर्घटना भए। दुर्घटनाबाट १ सय ७ जना पुरुष, २४ जना महिला, ६ जना बालबालिकाले ज्यान गुमाउनुपयो।

विवरण अनुसार १६ देखि २५ वर्ष उमेर समूहका किशोर तथा युवाहरू दुर्घटना निम्त्याउने कारक बनेका छन्। ट्राफिक प्रहरी कार्यालय काठमाडौंको तथ्यांक अनुसार आर्थिक वर्ष २०६४ देखि ०६५ सम्म सो उमेर समूहका युवाहरू मोटरसाइकल तथा स्कुटरको ७३ दुर्घटनामा परेको देखिन्छ। यसैगरी भाडाका कारमा ४, टेम्पामा १, माइक्रोमा १, टाटामोबाइलमा १, टिपरमा १ र भ्यानमा २ दुर्घटनाको कारण १६ देखि २५ वर्ष उमेर समूहका युवाहरू देखिन्छ। यसैगरी २०६५/०६६ मा मोटरसाइकल तथा मोपेटको १ सय ५८ दुर्घटनामा ती उमेर समूहका किशोरहरू परेका छन्।

## किन बढ्दैछ उच्छ्रंखलता ?

आपराधिक क्रियाकलापमा युवा तथा किशोरहरूको संलग्नता बढ्दै जानुको मुख्य कारण शिक्षाको कमी हो। औपचारिक वा अनौपचारिक दुवै ढंगले किशोरवयका केटाकेटीलाई अपराध र अपराधीबाट कसरी बच्ने भन्ने विषयमा शिक्षा प्रदान

गर्नुपर्छ। अनौपचारिक शिक्षा अन्तर्गत घर-परिवार, समाज, समुदायमा र औपचारिक शिक्षा अन्तर्गत शैक्षिक पाठ्यक्रममा उच्छ्रंखलतातर्फ संलग्न नहुने शिक्षा प्रदान गर्नुपर्छ। अहिलेको समयमा आफूलाई नयाँ पुस्ताको प्रतिनिधिपत्र मान्ने, सभ्य र जानिफकार भन्ने सोच राखेर परिवारले भनेको नसुन्ने, पश्चिमी सभ्यताका गलत प्रवृत्तिलाई अंगीकार गर्ने ट्रेन्ड बढ्दै जानुले पनि उच्छ्रंखलताका घटना बढ्दै गएका छन्। पछिल्ला वर्षहरूमा कानूनको शासन घट्दै जानु र बलको शासन अझ 'बन्दुक' संस्कृति हावी हुनुले पनि किशोर-किशोरीलाई अपराधतर्फ उन्मुख गराइरहेको छ। मुख्य रूपमा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक शिक्षाको कमीका कारण किशोर-किशोरीमा आपराधिक मनोवृत्ति बढ्दै गएको विश्लेषण गर्न सकिन्छ। अहिलेको समाजमा नागरिकको अधिकारको कुरा मात्र सिकाइन्छ, उसको काम र कर्तव्य सिकाइँदैन। त्यसैले मैले शिक्षामार्फत् केटाकेटीलाई मुलुक प्रतिको दायित्वका बारेमा सचेत गराउनुपर्छ भनेको हुँ।

डा. गोविन्दबहादुर थापा पूर्व अतिरिक्त महानिरीक्षक

किशोर-किशोरी किन आपराधिक क्रियाकलापमा संलग्न हुन्छन भन्ने कुरा बुझ्न सामाजिक मनोविज्ञानको अध्ययन गर्नु पर्ने हुन्छ। सामाजिक, आर्थिक परिवेशले उनीहरूलाई अपराधतर्फ उन्मुख गराइरहेको हुन्छ। जो अपराधमार्फत् सफल भैरहेका हुन्छन्, उनीहरूको उदाहरणले पनि किशोर-किशोरीलाई यो बाटो सही रहेछ भन्ने भ्रम हुन्छ। अझ लागूऔषधको कुलत वा रक्सी सेवनले आफूलाई नयाँ परिचय दिन्छ, भन्ने भ्रममा उनीहरू त्यसको लतमा आफूलाई डाल्न पुग्छन्। उनीहरू त्यो अवस्थामा पुगिसक्दा पनि समयमै त्यो बाटोबाट फर्काउन नसक्दा उनीहरू अपराधको बाटोमा अग्रसर भएको पाइन्छ। उच्छ्रंखलतालाई रोक्न विदेशमा शिक्षा मन्त्रालय, प्रहरी र शैक्षिक संस्थाहरूले संयुक्त प्रयास मार्फत् लागूऔषध र भयानक हिंसाको बाटोबाट जोगाउने शिक्षा प्रदान गर्नुपर्छ।

अर्को कुरा नेपाली युवाहरूको भविष्य अनिश्चित हुनुले पनि उनीहरू अपराधतर्फ उन्मुख छन्। राम्रो पढेलेखे पनि विना सोर्स अवसर नपाउनु, आफूभन्दा कम योग्य मानिस कसैको सहाराले सफल बन्नु जस्ता उदाहरणले उनीहरू छिट्टै सफल हुन अपराधको बाटोतर्फ अग्रसर हुन्छन्। नेपालको सन्दर्भमा ठूला-ठूला सफल आपराधिक क्रियाकलापमा संलग्न हुनेहरू कडा कानुनी कारवाहीमा नपर्नुले पनि अपराध गरे हुने रहेछ भन्ने भ्रम युवाहरूमा परेजस्तो देखिन्छ। डरलाग्दो कुरा १६ देखि २५ वर्षका किशोर तथा युवाहरू अधिकांश आपराधिक क्रियाकलापमा संलग्न छन्। त्यतिमात्र होइन, अपराधबाट पीडित हुने धेरै पनि यही उमेर समूहका हुन्छन्। सवारी दुर्घटनाको केसमा त आफै भिक्टिमाइज हुने गुप यही नै हो।

डा. चूडाबहादुर श्रेष्ठ अपराधशास्त्री

किशोर अवस्थामा प्रत्येक व्यक्तिको अरूको नजरमा चढ्न पाए हुन्थ्यो भन्ने हुन्छ। म अरूभन्दा कसरी भिन्न देखिन्छु भन्ने सोच उनीहरूमा हुन्छ। यही क्रममा उनीहरू आफूलाई सफल सावित गर्ने ध्याउन्नमा हुन्छन्। त्यही क्रममा फरक देखिन चुरोट तथा रक्सी पिउने बाटोमा लाग्ने उनीहरू क्रमशः त्यही कुलतमा फस्न थाल्छन्। म जान्ने-बुझ्ने भैसकें। मलाई कसैले सिकाउनु पर्दैन अर्थात् देश, दुनियाँलाई मैले बुझिसकें भन्ने भ्रम पर्ने उमेर पनि यही नै हो। कसैले सही परामर्श दिँदा पनि त्यसको आवश्यकता महसुस नगर्ने बेला पनि यही हो। उनीहरू भिन्न र पृथक सोचमा अधि बढिरहेका परिवारले भने यो उमेर समूह यस्तै हो, उनीहरूलाई सही ढंगले गाइड गर्नुपर्छ भन्ने नजान्दा उनीहरू आपराधिक क्रियाकलापतर्फ अग्रसर हुन्छन्। किशोर उमेरमा सानो गल्ती गर्दा पनि परिवारका सदस्यले त्यही विषयलाई वारम्बार दोहोर्छाई, तेहन्याई गाली गरिरहेको खण्डमा ए म त अपराधी नै रहँछु भन्ने मानसिकता विकास भएर भयानक हिंसातर्फ अग्रसर हुने सम्भावना रहन्छ। यो उमेरमा साथीभाइको संगत परिवारभन्दा महत्त्वपूर्ण हुन्छ। परिवारले दिएको सल्लाह नमान्ने तर साथीको हरेक गलत क्रियाकलाप ढाकछोप गर्न मद्दत पुऱ्याउने उमेर समूहका यी किशोर-किशोरीहरू साथीभाइको लहलहैमा ग्याड फाइटमा पनि संलग्न हुन्छन्।

चेतना लोक्सम अपराध मनोविज्ञानशास्त्री



# जमे गाईजात्रे कार्यक्रम

सत्य, जीरे खुसानी तथा मेरी बासैका कलाकारहरूले भन्दा तीन घण्टा दर्शकलाई दायँ-बायाँ गर्न दिनेनन्। 'प्रस्तुतिका हिसाबले राष्ट्रिय सभागृहको गाईजात्रे कार्यक्रम उत्कृष्ट लाग्यो, सबै प्रहसनले दर्शकलाई प्रशस्त हँसाउँछन्, गाईजात्रे हास्यव्यंग्य कार्यक्रमका नियमित एक दर्शक भन्दै थिए- 'प्रज्ञा-प्रतिष्ठानको प्रस्तुत पनि आकर्षक छ।'

आगामी भदौ ६ गते शनिवारसम्म जारी रहने प्रज्ञा-प्रतिष्ठानको गाईजात्रे प्रस्तुतिमा तीतो सत्य समूहको प्रहसन आकर्षक छ। दीपकराज गिरी, दीपाश्री निरौला, गोपाल नेपाल फिस्टे, गोपाल अधिकारी, निर्मल शर्मा आदि कलाकारको अभिनय रहेको 'सुस्सा सुस्ताउँदछ' शीर्षकको प्रहसनले सीमा अतिक्रमणको विषयलाई चित्रण गरेको छ। परराष्ट्रमन्त्री सुजाता कोइरालाको प्रतिनिधित्व गर्ने दीपाश्रीले दर्शक हँसाउन प्रशस्त मेहनत गरेकी छिन्। 'मेरी बासै' का धुमुस, सुन्तली, माग्ने बूढा तथा बान्द्रेले 'सम्बन्ध-विच्छेद मन्त्रालय' माफत नयाँ विषयमा हँसाउने प्रयास गरेका छन्। मनोज गजुरेलले गरेको प्रधानमन्त्री माधवकुमार नेपालको नक्कल सुहाएको छ। यसअघि उनले प्रचण्ड, पूर्वराजा ज्ञानेन्द्र, उपराष्ट्रपति आदिको नक्कल गरिसकेका छन्। जीरे खुसानीका कलाकारको पुरुष मसाज केन्द्र शीर्षकको प्रहसनमाफत पशुपतिनाथ मन्दिरको पुजारी विवादमा प्रस्तुत गरिएको तीखो व्यंग्य दर्शकले मन पराएका छन्। जितु नेपाल, शिवहरि पौडेल, कीरण केसी,

सविता गुरुड, मनोज आचार्य आदिको प्रहसन पनि दर्शक हँसाउन सक्षम छ।

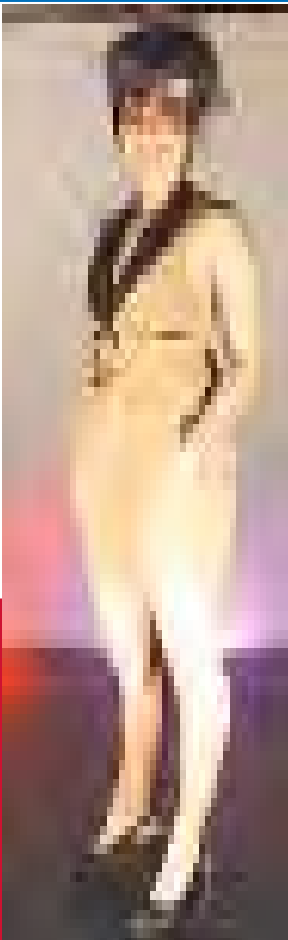
भोलि शनिवारसम्म जारी रहने राष्ट्रिय सभागृहको गाईजात्रामा दिनेश डिसी तथा सुरवीर पण्डितको उद्घोषणसहितको प्रहसन मात्र होइन, शिवशंकर रिजाल, सूरवीर पण्डित एवं नीरज सुवेदी (गोविन्द बाजे) संग मिलेर प्रस्तुत गरेको प्रहसन 'छत्रछायाँ' पनि दर्शकले अत्यधिक रुचाइरहेका छन्। दमन रूपाखेती दुई भिन्न चरित्रमा प्रस्तुत भएको 'शिथु गणतन्त्र' सन्देशमूलक प्रहसनका रूपमा रुचाइयो। रवि डंगोल वेदमानले मन्त्रालय तथा शौचालयबीच तुलना गरेको प्रहसन पनि उत्तिकै चोटिलो रह्यो। टेलिभिजनमा कमै देखिने खेम शर्माले आफ्नो घ्याम्मोजस्तो पेट हल्लाएर दर्शकलाई मनोरञ्जन त दिइरहेका छन् नै, साथै उनले मुलासाग उपनामले लोकप्रिय सुरेन्द्र केसीसँग मिलेर प्रस्तुत गरेको प्रहसनले लामो ताली पाइरहेको छ।



## साप्ताहिक समाचार

काठमाडौं- पूर्व मिस्टर नेपाल तथा चलचित्र अभिनेता जीवन लुईटेलले अस्ट्रेलियाको सिड्नीमा आयोजित एउटा फेसन शोमा क्याटवाक गर्ने अवसर पाएका छन्। नेपाली तथा अस्ट्रेलियाली संस्कृतिकर्मिहरूको संस्था निर्वाणा इभेन्टले अधिल्लो शुक्रबार सिड्नीको डार्लिड हार्वरमा आयोजित 'वन वर्ल्ड वन लभ' शीर्षकको फेसन शोमा अस्ट्रेलियामै बसोबास गर्ने चार नेपालीसहित अभिनेता लुईटेलले क्याटवाक गरेका हुन्।

फेसन शोमा अस्ट्रेलिया, फ्रान्स, स्कटल्यान्ड आदि देशका करिब दुई दर्जन व्यावसायिक मोडलले क्याटवाक गरेका थिए।



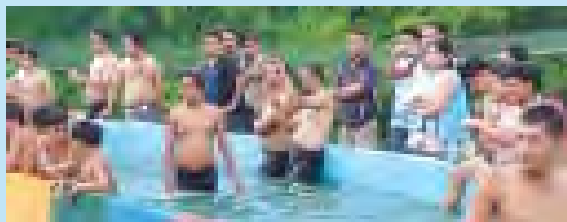
## अस्ट्रेलियाको न्याम्पमा नेपाली

अस्ट्रेलियाको भ्रमणबाट फर्किएर लुईटेलका अनुसार दस तलामाथि चलचित्र 'नाई नभन्नु ल' को निर्माण गरिएको आकर्षक न्याम्पमा छायांकनमा व्यस्त अभिनेता उनले तीन सिक्वेन्समा क्याटवाक गरेका थिए।

विदेशी मोडलहरूसँगको क्याटवाकको अनुभव सुखद रहेको बताउँदै लुईटेलले फेसन शोमा ढाकाटोपी तथा कमिज, परेवाको प्वाँखबाट तयार पारिएको पहिरन तथा क्याजुअल वेयर प्रदर्शन गरेका थिए। फेसन शोमा नीरज श्रेष्ठ, ईश्वर फुयाँल, आरती शाक्य तथा आशमा आचार्यले पनि क्याटवाक गरेका थिए।



## वाटर किड्डममा रेन डाव्स



धादिङ (घाटवेसी)- साउन सकिनै लाग्दा पनि मनसुन भर्खर सुरु भएको छ। पानी पर्ने क्रम जारी छ। धादिङको घाटवेसीस्थित एकजोटिक रिपोर्टस्थित वाटर किड्डमले मनसुनको फाइदा उठाएको छ। राजधानीबाट गएका केही लोकप्रिय गायकलाई सहभागी गराएर गत शनिवार आयोजित 'मनसुन रेन डाव्स लाइभ म्युजिकल इभेन्ट' मा काठमाडौंसहित पोखरा, चितवन, हेटौँडा तथा बुटवलका युवा-युवती सहभागी भए। आकर्षक स्वीमिङ पुलमा पौडी खेल्दै गीत, संगीत र नृत्यको मज्जा लिन पाइने भएकाले होला, विहान दसदेखि साँझ छ बजेसम्म सञ्चालन भएको कार्यक्रममा भीड घट्टेको थिएन। कार्यक्रममा गायक नवीन के भट्टराईले आफ्ना लोकप्रिय गीत गाएर सांगीतिक वातावरण सिर्जना गरेका थिए। उनलाई सुरज सिंह, कमलमान सिंह, प्रमोद निर्वाण आदि गायकले साथ दिए। कार्यक्रमको उत्तरार्द्धमा सञ्चालन गरिएको डिजे सेसनमा पानीमा भिज्दै रेन डाव्स गर्नेहरू पनि उल्लेख्य रहे।

## सडकमा संगीतमय साँझ

विराटनगर- खुला सडकमा भएको संगीतमय साँझमा कलाकारहरूले विराटनगरका संगीतप्रेमीलाई सडकमै नाच बाध्य पारे। एचआईभी संक्रमितहरूका लागि उपचार र परामर्श केन्द्र स्थापना गर्न सहयोग संकलन गर्ने उद्देश्यले गएको मंगलवार साँझ सडकमा संगीतमय साँझको आयोजना गरिएको हो। विराटनगरको जनआन्दोलन चौकस्थित हिमालय रोडमा गरिएको कार्यक्रममा कलाकारहरूले दर्शकलाई पर्याप्त मनोरञ्जन प्रदान गरे।



सपनले संयुक्त रूपमा गाएको उक्त गीत यस वर्षको इमेज एवार्डका लागि छनौटमा परेको छ। सपनको 'साइनो टुङ्गियो, सालीको बोलीमा भेना भूलियो...' गीतमा दर्शकहरू अझ हौसिए। गायक प्रबलदीप विश्वास, दृष्टिहीन गायक प्रकाश तिमिसिना, नवगायिका सुजाता राई आदिले विभिन्न गीतबाट दर्शकलाई मनोरञ्जन प्रदान गरे।

-कमल रिमाल

स्पर्श नेपालले गरेको कार्यक्रममा चर्चित गायकहरूले हिँडिरहेका यात्रुलाई सडकमै उभिन बाध्य पारे। गायक प्रकाश पौडेलले लागूऔषध दुर्व्यसनमा फसेका युवाहरूलाई सन्देश दिँदै 'आमा म जोगवनी जान्छु, अबदेखि गोटी खान्छु...' गाएका थिए। त्यसबाहेक उनको चर्चित गीतहरू 'आमा मलाई त्यही केटी चाहियो...', 'मेरो साथीको सुकेको जीउ...', 'काले काले म हुँ रातो भाले...' प्रस्तुत गरेका थिए। उनले एचआईभी संक्रमितलाई घृणा हैन, माया गर्नुपर्छ भन्ने सन्देश दिए। कलाकारका गीतमा लागूऔषध तथा एचआईभी एड्स नियन्त्रणको अभियानमा लागेका अभियानकर्ताहरू पनि सडकमा नाचेका थिए।

गायकद्वय सुमित खड्का र सपन श्रेष्ठले राष्ट्रिय गीत 'हिमाल जस्तो शि मेरो पहाड जस्तो छाती...' लगायत थुप्रै गीत गाए। सुमित र

**तु-आवश्यकता**  
**International Project** को लागि कर्मचारी आवश्यकता।  
 योग्यता: SLC or Above  
 संख्या: 5 Ladies / Gents  
 सुविधा: 9500+ सञ्चय कोष + बोनस (होस्टल समेत)  
**URI USI**  
 6637290 9849195511  
 9849302980 9803437476  
 नयाँबाटो टिमी भक्तपुर ललितपुर नखु दोबाटो  
 Note: Office Visit रक Document आवश्यक छ।

**होटेल तालिम मोडर्नमा**  
**Switzerland & UK** बाट अत्याधुनिक प्रगत करी अत्युत्कृष्ट प्रशिक्षण द्वारा पनि प्रशिक्षण दिइन्छ।  
 Cook, Waiter, Waitress, Bakery, Barman, Captain, Front Office, House keeping (Room Boy), Supervisor, Care Giver, Domestic Helper तथा सम्पूर्ण Hotel Management सम्बन्धि तालिम दिइन्छ।  
[www.modernhoteltraining.com.np](http://www.modernhoteltraining.com.np)  
 Modern Management Modern Technology  
**MODERN HOTEL Training Center**  
 Pvt. Ltd. महाराजगञ्ज बस्वधरा पुल- Ktm  
 Ph:- 4363215, 2315801

**चाहियो**  
**American Company**  
 लाई कर्मचारी चाहियो।  
 योग्यता: SLC or Above  
 Post: PRO  
 संख्या: 5 Ladies & 5 Gents  
 तलब: 7500+ दसैँ भत्ता  
 गोग्रु चोक र सापाबुधि चोकको बिच रिडरोड गोरखा लिगलिग पोलिक्रिनिक भएको घरको तेस्रो तल्ला  
 01-2292347, 9841881313  
 जे.ड. अक्ला यादवका गणेश्वर र: PP Photo अवकाश

**Protein Hair**  
 अमृतपुरी अम अमालिका अमलसु  
 लुईटेलको अमृतपुरी अम अमालिका अमलसु  
 लुईटेलको अमृतपुरी अम अमालिका अमलसु  
 लुईटेलको अमृतपुरी अम अमालिका अमलसु  
**8990633**  
 लुईटेलको अमृतपुरी अम अमालिका अमलसु

## रिमिक्स तीज

विराटनगर- मारवाडी र नेपालीभाषीहरूको तीज फरक हुन्छ, तर दुवै जातिको तीजलाई रिमिक्स गरियो भने कस्तो होला ? दुई संस्कृतिको मिश्रण भएकाले पक्कै पनि फरक र मनोरञ्जनपूर्ण हुन्छ। यस्तै भयो गएको साता विराटनगरमा। मारवाडीको अगाडी र नेपालीभाषीको पछाडी हुने तीजलाई मिसाएर गरिएको तीज कार्यक्रमले फरक स्वाद दिएको छ। संस्कृतिकै सम्मिश्रण गरिएको यो प्रयोग पहिलो पटक भएकाले धेरैले चासो पनि देखाए।

तीज आउनु दुई साताअघिदेखि

तीजको रौनक छाडिसकेको विराटनगरमा बस्ने ठूलो संख्याका मारवाडी र नेपालीभाषी महिलाहरूलाई एकै ठाउँ भेला गराएर रोटीरी क्लब अफ विराटनगर डाउन टाउनले यस्तो नयाँ प्रयोग गरेको हो। मारवाडी सेवा सदनमा भएको कार्यक्रममा दुवै संस्कृतिका तीज गीतमा नाच्दै रमाइलो गरियो। मारवाडीभाषीले नदेखेको नेपाली संगिनी र नेपालीभाषीले नदेखेको मारवाडी नृत्य धुमर त्यहाँ प्रस्तुत गरियो।

ठूलो संख्यामा भेला भएका महिलाहरूमध्ये सबैजसो गहनमा सजिएका थिए। हातभरि मेहन्दी र

फरकखाले गहना लगाउने मारवाडी र लामो पोतेमा ठूलो तिलहरी लगाउने नेपालीभाषी भनेर चिनिन्थ्यो। एक पटक मारवाडी गीतमा नृत्य गरेपछि लगत्तै नेपाली गीत लगाइन्थ्यो। पालैपालो स्टेजमा चढेर उनीहरू आफ्नो भाषाका गीतमा नाच्ने का थिए। उक्त अवसरमा तीजलाई लक्षित गरेर महिलाहरूका लागि श्रृङ्गार, गहना र पहिरनका स्टलहरू पनि राखिएको थियो। त्यसबाहेक तीज कार्यक्रममा सहभागीमध्येबाट श्रृङ्गार र सौन्दर्य प्रतियोगिता पनि गराइयो। प्रतियोगिताबाट नितु दुगड तीज

क्विन घोषित भइन्। ६५ वर्षीया शशि भट्टराई द्वितीय र प्रमिला थापा तृतीय भए।

गएका वर्षहरूभन्दा यस वर्ष पनि महिलाहरूले सार्वजनिक स्थलमा विभिन्न कार्यक्रम गरेर तीज मनाउने भएका छन्। अखिल नेपाल महिला संघले विराटनगरको संसारी माईस्थानमा हरेक वर्ष समारोहको आयोजना गर्दै आएको छ। संघले विभिन्न टोलका महिलाहरूबीच संगिनी नृत्य प्रतियोगिता गराउँछ। त्यस्तै नेपाल महिला संघले पनि यस वर्ष अन्य समुदायका महिलाहरूसँग तीज कार्यक्रम गरिने जनाएको छ। विराटनगरको सरस्वती मन्दिरमा प्रत्येक वर्ष तीजका अवसरमा महिला र युवतीहरूबीच नृत्य प्रतियोगिता गरिन्छ।

यसबीच गएको आइतबार विराटनगर-४ पोखरियाका महिलाहरूले सामूहिक दर खाने कार्यक्रम आयोजित गरेर नयाँ संविधान निर्माणका लागि सरकारलाई घुघुचाएका छन्। सासू-बुहारी मिलेर गरेको सामूहिक दर खाने कार्यक्रममा गीत र छलफलका माध्यमबाट समयमै संविधान बनाउन सरकारलाई दबाव दिइएको हो।

कमल रिमाल  
तस्विर : सञ्जिव खनाल



## कोमल वलीले भुमाइन् पोखरा

पोखरा- होटल पोखरा ग्रान्डमा राताम्मै पहिरनमा महिलाहरू ओहोरदोहोर गरिरहेका थिए। तीज पर्व आउन अझै केही समय बाँकी रहे पनि कार्यक्रमले भने तीज पर्वको भूभक्तको दिव्यो। हुन पनि पोखरा लेडी जेसिजले तीज पर्वकै सन्दर्भ पारेर तीज विशेष कार्यक्रमको चाँजोपाँजो जुराएको थियो। गरगहना र रातो साडीमा चिरिच्याँट्ट सजिएका महिलाहरू होटल परिसरमा समूह मिलाएर बसेका थिए।

उद्घोषिका संगीता पौडेलले चर्चित लोकगायिका कोमल वलीको नाम उच्चारण गरेपछि भने महिलाहरू निकै उत्साही भए। रातो साडीमा सजिएका महिलाहरूमाभ गायिका वली

भने कुर्ता-सलवारमा प्रकट भइन्। उनले आफूले पोते र टीका लाउने कहिले होला भनेर ठट्टा गर्दा महिलाहरू पेट मिची-मिची हाँसेका थिए। अब नाच्ने होइन त ? उनले के भनेकी थिइन्, महिलाहरू हो, हो भन्दै बसेको ठाउँबाट उठेर कम्मर मर्काउन तम्तयार भए।

गायिका वलीले पनि मनमा आँट गोजीमा गाँठ भएको केटा खोजेको गीत प्रस्तुत गरेपछि वातावरण गर्मागर्म भयो। महिलाहरू वलीसँगै नाच्न तमिसए। उनले भुवाक तन्नेरी गीतमा सबैलाई उफारेकी थिइन्। कार्यक्रममा गायिका वलीले तीजका आफ्ना चर्चित गीतसँगै अन्य गीत पनि प्रस्तुत गरिन्।

## तीजको रह्र लाउयो



काठमाडौं- गायिका सुनिता दुलालले गाउन थालिन- 'अब त स्वामीराजा भुस्का लगाउँछु.' उनको गायनसँगै कार्यक्रम सुरु भयो। रातो पहिरनमा सजिएका महिलाहरू नाच्न थाले। उनी पनि मञ्च तल भेरेर नाच्दै गाउन थालिन्। वाद्यवादकहरू पनि मञ्जाले उनको लयमा साथ दिन थाले। उनीपछि मञ्चमा निम्त्याइयो लोकगायिका सिर्जना विरही थापालाई। उनले पनि तीजका गीत सुनाएर सबै महिलालाई कम्मर मर्काउन बाध्य पारिन्।

तीजको रमाइलोसँगै दिदी

बहिनीहरूसँग दर खाने कार्यक्रमका रूपमा मीनभवनस्थित सीटीभ्यु रेस्टुराँले उक्त कार्यक्रमको आयोजना गरेको थियो। आयोजक नीलम जंगमले तीज आउन अझै केही दिन बाँकी रहे पनि त्यतिवेला सबै जना तीजका अन्य कार्यक्रमहरूमा व्यस्त हुने भएकाले सुरुवातमै दर खाने कार्यक्रम राखिएको बताइन्। 'तीजको रह्र आयो बरिलै' शीर्षकको उक्त कार्यक्रममा आमन्त्रित महिलाहरूलाई तीजको सौभाग्य बाँड्ने मात्र नभै उनीहरूमध्येबाट उत्कृष्ट नृत्य, उत्कृष्ट सिंगार तथा उत्कृष्ट महिलाको पुरस्कार पनि प्रदान गरिएको थियो। उक्त अवसरमा लोकगायिका राधिका हमाल, रीता केसीका साथै गायकहरू हरिबहादुर राउत तथा खुमन अधिकारीले पनि लोकदोहोरी गाएर सबैलाई नचाए।

## रोपाइँजात्रामा भुमयो धनकुटा

मौसमले पनि जात्रा गरिरहेको थियो, छिनमै घाम लाग्ने, छिनमै पानी पर्ने, त्यसमा पनि रोप-रोप भाका गाउँदै बजारका विभिन्न भागबाट रोपाइँजात्रा निकालिएपछि धनकुटामा शुक्रबार जात्रा हेर्ने मानिसको निकै चहलपहल थियो।

नेवार समुदायले परम्परादेखि मनाउँदै आएको रोपाइँजात्रा हेर्न गाउँ-गाउँदेखि मानिसहरू आएका थिए। पानीको समेत पर्वाह नगरी बजारका घरका भित्तामा अडेस लागेर बस्नेदेखि छाता ओढेर बस्नेहरूको निकै भिडभाड देखिन्थ्यो। त्यही हूलमा भेटिए मूर्तिढुङ्गाका सुरज काफ्ले। पहिलो पटक जात्रा हेर्न आएका काफ्लेले भने- 'साँच्चै गाउँघरमा लगाइने बेठीजतिकै रमाइलो हुने रहेछ। सुनेको मात्र थिए हेर्दा रमाइलो लग्यो।'

बाजाको तालमा अधि-अधि मान्छे नै हली र गोरु बनेर जोतेको पारामा हिँड्ने र पछि-पछि युवतीको भेषमा सारी-चौलो लगाएर मेकअप गरी युवाहरू सडकमा धान रोप्दै हिडेको दृश्य कम रमाइलो थिएन। विगतका वर्षहरूमा नेवार समुदायले मात्र मनाउने यो जात्रालाई यस वर्ष अन्य जातिका युवाहरू पनि सहभागी भएर अझ रोचक बनाएका थिए। रोपाइँजात्रामा युवतीको भेषमा देखिएका राई थरका एक युवकले भने- 'संस्कृति कसैको पेवा हुँदैन, नेपालमा मनाइने संस्कृति सबै नेपालीको हो। त्यसैले सबै पर्व र संस्कृतिको संरक्षणमा लाग्नुपर्छ,' उनले भने- 'संस्कृति भनेको हाम्रो गहना पनि हो।'

-भिषा काफ्ले



पोखरा- बाजागाजासहित थरी-थरीका वेशभूषका विभिन्न भाँकी चोक-चोकबाट निस्किए।

सहरबासीहरू त्यो रमिता हेर्न सडकमै उत्रिए। एकाबिहानैदेखि साँभसम्म देखिएको नृत्यले शनिवार पोखरावासीको

## पोखरामा तायमचा

ध्यान केन्द्रित गर्‍यो। नेवार समुदायको करिब २ सय वर्ष पुरानो तायमचा नृत्यले सबैलाई आकर्षित गर्‍यो। नेवार समुदायमा मात्र प्रचलित यो नाच अन्य जातजाति तथा विदेशीहरूमाभ समेत लोकप्रिय हुँदै गएको छ।

नृत्य प्रतिस्पर्धामा लेखनाथका ३ गरी कुल २३ टोलीको प्रतिस्पर्धा भएको थियो। तायमचा नृत्य हेर्न दर्शकहरूको पनि उल्लेख्य सहभागिता देखिन्थ्यो। प्रतिस्पर्धामा नयाँबजार तायमचा समिति पहिलो भयो। त्यसै गरी मोहोरिया टोल समूह दोस्रो र महेन्द्रपुल समूह तेस्रो

बन्‍यो। तेसाँपट्टी समूहले सान्त्वना स्थान पायो। महिला नृत्यतर्फ भने रामबजार तायमचा समिति पुरस्कृत भयो। ख्यालीमा भीमसेन टोल पुरस्कृत भयो।

पोखरामा यो नाचको सुरुवात १९९५ मा भएको हो। यसलाई ०५६ सालमा गणेशटोलको नेवा खलले प्रतियोगिताका रूपमा सञ्चालन गर्न थालेको हो। नेपाली संस्कृतिको संरक्षणका लागि तायमचा नाचलाई प्रतियोगितात्मक रूपमा सम्पन्न गरिएको आयोजकहरूले बताए।

## पाल्पामा सडकमा

## धान रोप्दै रोपाइँजात्रा

पाल्पा- समयमा पानी परेन। गाउँ-गाउँमा खेत बाँझै छन्। रोपाइँ सकिएको छैन तर चाडपर्व मनाउन भने यहाँका किसान पछि परेनन्। सिमसिम पानी र हिलाम्मे सडकमा असारे गीत गाउँदै पन्चैबाजाको तालमा ताल मिलाउँदै रोपार, बाउसे र हलीले काम गरे। गीत गाउँदै रोइलाहरू, पन्चैबाजाको ताल र असारे भाकामा नाचगान गर्दै हिँडेको देखा खेतमा यस्तो प्रचलन हराए पनि जात्रामा भने जीवितै रहेको अनुमान गर्न सकिन्छ।

जात्रैजात्राको संगम बनेको पाल्पामा गाईजात्राको भोलिपल्ट मनाइने रोपाइँजात्राको दृश्यले तानसेनवासीको भोक-प्यास मेटाएको अनुभव हुन्थ्यो। बराड्डी

गाविसको कालिका युवा क्लब तथा तानसेन नगरपालिका-१२ का युवाले यो रोपाइँजात्राको आयोजना गरेका थिए।

पुरानो परम्परालाई जोगाइराखौं भन्दै कालिका युवा क्लबका अध्यक्ष अशोक कार्कीले भने, 'खर्च पुरै नै, बजारका मानिसले पाँच-दस रुपैयाँ दिन्छन्। रोपाइँजात्रा निकाल्न कम्तीमा २० हजार खर्च हुन्छ।'

८० जनाजतिको नास्ता खर्च, कपडा खर्चले गर्दा समस्या हुने उनले बताए। तानसेन धरमपानीका युवाहरूले पनि रोपाइँजात्रा संस्कृति भएको र यसलाई जोगाउन लागिपरेको बताए। लोकतन्त्र सबैका लागि, सधैँका लागि भन्ने मूल नारा बनाएर तानसेन धरमपानीका युवाहरूले पनि रोपाइँजात्रा सम्पन्न गरे।



पाल्पाको तानसेनबाहेक आर्यभन्ज्याङ, जम्बादी, सिलुवा, वीरकोट, ताहुमा पनि रोपाइँजात्रा सम्पन्न भएको छ। गाउँ-गाउँमा प्रदर्शन गरिने रोपाइँजात्रा खेत रोपिसध्याएर रमाइलो गर्ने परम्परा हो। बर्खामा धान रोपेको थकाइ मार्न रोपाइँजात्रा निकालिने धरमपानीका युवा कृष्ण कार्कीले बताए। जात्राका बेला मानिस नै बोरा ओढेर रमाइलोका लागि जुवामा नारेर हलो तानिन्छ। युवाहरू युवतीको पहिरन

लगाएर रोपाइँ गर्दै हिँडेका थिए। यति मात्र नभै गीत गाउनु-बजाउनुका साथै तालमा ताल मिलाएर नाच्नेहरूलाई हेर्ने हजारौं रमितेलाई हँसाउने टोली पनि हुन्छ।

पाल्पामा जनैपूर्णिमामा चुइके जात्रादेखि भगवती जात्रासम्म दैनिक रूपमा मात्र मनाइन्छ। गाउँ-गाउँमा लाखे नाच, गाईजात्रा, रोपाइँजात्रा, ताहामचा मनाइन्छ।

-माधव अर्याल



चाडपर्वको आगमनसँगै फेसन शो तथा प्रतिस्पर्धात्मक आयोजनाको तयारी पनि प्रारम्भ भएको छ। संयोग नै मान्नुपर्छ, गएको साता भदौ महिनामा सम्पन्न हुने फेसन मोडलिङ सम्बन्धित अधिकांश कार्यक्रमको अडिसन सम्पन्न भयो। कतिपय अडिसनमा मोडलहरूको क्याटवाक, परफर्मेन्स र आत्मविश्वासलाई आधार मानी मोडलहरू चयन गरिए भने कतिपयमा सम्भावित प्रतिस्पर्धीहरूको छनौट भयो। सेप्टेम्बर महिनाको पहिलो साता सम्पन्न गर्ने लक्ष्य राखी लाजिम्पार्टस्थित आईएनआईएफडीले एउटा फेसन शोको आयोजना गर्दैछ। सोही कार्यक्रमका लागि गत मंगलबार द न्याम्पबाट प्रशिक्षित मोडलहरूको अडिसन भयो। उक्त फेसन शोमा नेपालका व्यावसायिक मोडलहरूका अतिरिक्त मिस इन्डिया पूजा चोपडासमेतको प्रस्तुति रहनेछ।

## क्याटवाक अडिसनमय साता

अडिसनकै क्रममा गत बुधवार फेसनसम्बन्धी दुईवटा अडिसन सम्पन्न भए। कमलादीस्थित चाइना टाउन रेस्टुराँको होटलमा ७ देखि १४ वर्ष उमेर समूहका ७५ जना बालिकाले मिस लिटिल काठमाडौंमा आफ्नो सहभागिताका लागि अडिसन दिए। मुभी हाउसको आयोजनामा भदौ १८ गते जमलस्थित राष्ट्रिय नाचघरमा सम्पन्न हुने यो प्रतियोगिताको अन्तिम प्रतिस्पर्धाका अडिसनबाट छानिएका ४

दर्जन बालिकालाई उतारनेछ। मिस लिटिल काठमाडौंका लागि सम्भावित प्रतिस्पर्धी छनौट भैरहेको बेला बागवजारस्थित बागवजार पार्टी प्यालेसमा ५ दर्जनभन्दा बढी मोडल आफ्नो क्याटवाकमार्फत निर्णायकहरूलाई प्रभावित पार्न व्यस्त देखिन्थे। आईईसी फेसन डिजाइनिङ इन्स्टिच्युटको आयोजनामा आगामी सेप्टेम्बर ७ तालिखमा प्रारम्भ हुने नेपाल फेसन सप्ताहका लागि मोडलहरू उक्त अडिसनबाट छनौट गरिएको थियो। फेसन सप्ताहमा भारतीय मोडलहरूको समेत सहभागिता रहनेछ।

### मिस्टर एन्ड मिस एपेक्स छानिँदै

अध्ययनसँगै अतिरिक्त क्रियाकलापको आवश्यकतालाई महसुस गर्दै हिजो आज बालबालिका, किशोर-किशोरी, युवायुवतीसम्बन्धी विभिन्न प्रतिस्पर्धा आयोजना हुने गरेका छन्। मिस्टर एन्ड मिस शीर्षकमा हुने प्रतियोगिता यसैको एउटा पाटो हो। यसै सन्दर्भमा एपेक्स डे मनाउन जुटेका बानेश्वरस्थित एपेक्स कलेजका विभिन्न संकाय र तहमा अध्ययनरत छात्रछात्रावीच मिस्टर एन्ड मिस एपेक्स प्रतिस्पर्धा हुने भएको छ।

अन्तिम प्रतिस्पर्धाका लागि छनौटमा परेका निर्माण काफ्ले, गोविन्द महर्जन, युवराज कार्की, दूरदर्शन चन्द, सुमन पौडेल र सुजय थापा मिस्टर एपेक्स तथा विनिशा शिवाकोटी, पवित्र राना, पूजा अग्रवाल, एञ्जिला शर्मा, रविना श्रेष्ठ र इभिता बज्राचार्य मिस एपेक्स बन्ने अन्तिम तयारीमा जुटेका छन्। पर्श आइतबार प्रज्ञा-भवनमा हुने यो प्रतिस्पर्धाका अतिरिक्त नृत्य, लाइभ कन्सर्टसहित एपेक्स डे मनाइनेछ।



## पूर्वाञ्चल आइडलको सेमिफाइनल सम्पन्न

धरान- गायन प्रतिभाको विक, सुष्मा सुब्बा, सुरज मेवाहाड, खोजी गर्ने उद्देश्यले सुरु भएको प्रेम क्षितिज राई, गणेश गुरुङ, विष्णु आडबुहाड, पुष्प किराँती, अनिल लिम्बू आइडल-२ को सेमिफाइनल प्रतियोगिता धरानमा सम्पन्न भएको छ। पूर्वाञ्चलका विभिन्न जिल्ला तथा अञ्चलस्तरीय विद्यालयले आयोजना गरेको प्रतियोगितामा विजयी बन्दै आएका ३० जना प्रतियोगीमध्ये सेमिफाइनलबाट १० जना छनौट भएका छन्।

धरानको सैनिक भवनमा सम्पन्न सेमिफाइनलमा कृष्णराजा श्रेष्ठ र केशव श्रेष्ठको निर्णयका आधारमा सावला मादेन, राजेन्द्र

-गोपाल दाहाल



## सविना बनिन् मंगोलियन किड

आईएनआईएफडीका विद्यार्थी फेसन डिजाइनरहरूले तयार पारेका प्रकृतिसम्बद्ध विभिन्न शीर्षक समेटिएका रंगीबिरंगी पहिरनमा सजिएका ७ देखि १४ वर्ष उमेर समूहका २२ जना प्रतिस्पर्धीहरू मञ्चमा उभिएर आ-आफ्नो परिचय दिएसँगै प्रतिस्पर्धा आरम्भ भएको थियो। सर्वोत्तम मिस मंगोलियन किड शीर्षकमा सञ्चालन गरिएको उक्त प्रतिस्पर्धामा मिस ट्यालेन्ट उपाधिकालागि प्रतिस्पर्धीहरूमध्ये अधिकांशले नृत्य प्रस्तुत गरेका थिए।

कतिपयले वक्तृत्व कला प्रदर्शन गरे भने केहीले उद्घोषणकला पनि देखाए। गायन, अभिनय, वाद्यवादन कला प्रस्तुत गर्नेहरू पनि थिए। तीमध्ये नृत्य प्रतिभा गर्ने दीक्षा लामाले मिस ट्यालेन्टको उपाधि हात पारिन्। आ-आफ्नो रोजाइअनुसारको पहिरनमा आकर्षक विरालो चालमा बेस्ट ड्रेस राउन्डमा उत्रिएका प्रतिस्पर्धीहरूमध्ये भने टासी छेतेन लामाले बेस्ट ड्रेस एवार्ड पारिन्।

प्रतिस्पर्धीहरूको प्रस्तुतिका अतिरिक्त शान्ति लुकाऔं कहाँ... गीतमा नृत्य-निर्देशक रोहिया

महर्जनको कोरियोग्राफीमा प्रस्तुत सामूहिक नृत्यले दर्शकदीर्घाको प्रशंसा बटुल्न सफल भएको थियो। अर्कातिर साप्ताहिककर्मि सुब्रत आचार्य र नारी मासिककी लक्ष्मी भण्डारीलगायत राष्ट्रिय दैनिक तथा मासिक पत्रिकाका आठ जोडी पत्रकारको क्याटवाकले पनि कार्यक्रमलाई रोचक बनाएको थियो। आदिवासी जनजातिको पहिरन समेटिएको उक्त फेसन सिक्वेन्सको कोरियोग्राफी जयन सुब्बा मानन्धरले गरेकी थिइन्।

आर्मी अफिसर्स क्लबको मञ्चमा एक्सन इन्टरटेनमेन्ट प्रा.लि.को आयोजना तथा सञ्चालक रोजिन शाक्यको कोरियोग्राफीमा सम्पन्न उक्त प्रतिस्पर्धाको अन्तिम चरणमा पुगेका ७ जना प्रतिस्पर्धीमध्येबाट सविना मगर, सर्वोत्तम मिस मंगोलियन किडका रूपमा छनौट भइन्। फास्ट रनरअपतर्फ बेस्ट स्किनसहित निदिशा राई तथा सेकेन्ड रनरअपतर्फ बेस्ट पर्सनालिटीसहित प्रतिभा तामाङ विजयी भए। यसैगरी एञ्जला बेस्ट हेयर, सोनिया मोक्तान फ्रेन्डसिप, आइछिरिङ शेर्पा- फोटोजेनिक, अनिता लामा, डिसिसप्लनतर्फ उत्कृष्ट ठहरिए।

## शारीरिक तन्दुरुस्तीको होड

### शिव मुखिया

काठमाडौं- शरीरलाई चुस्त र स्फूर्त राख्ने चाहना कसको हुँदैन ? तर व्यस्त जीवनशैली र पर्याप्त जानकारीको अभावमा सबैको चाहना पूरा हुँदैन। सहरियाहरूको यस्तै चाहना पूरा गर्न यसपालि राजधानीमा शारीरिक तन्दुरुस्तीसम्बन्धी वृहत् मेला सम्पन्न भयो। मेलामा शारीरिक स्वास्थ्यसम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी प्रदान गरिनुका साथै व्यायामका सामग्रीहरू पनि प्रदर्शन गरिएको थियो। गत २२ गते प्रारम्भ भएको मेला २५ गते आइतबार टुंगिएको थियो।

'हेल्थ एन्ड फिटनेस एक्सपो-२००९' शीर्षकको यो मेला दोस्रो पटक आयोजना गरिएको हो। त्रिपुरेश्वरस्थित वर्ल्ड ट्रेड सेन्टरको चौथो तलामा सम्पन्न मेला बालकदेखि वृद्धवृद्धासम्मले अवलोकन गरेका थिए। यद्यपि युवा एवं किशोरहरूको संख्या उल्लेख्य देखिन्थ्यो। 'शारीरिक स्वास्थ्यसम्बन्धी चासो राख्नेहरू मेलाबाट लाभान्वित भए,' मेलाका इभेन्ट म्यानेजर पशुपति खत्रीले भने- 'एउटै थलोमा स्वास्थ्य र तन्दुरुस्तीसम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी पाउने यो अवसर थुप्रैले प्राप्त गरे।'

शारीरिक तन्दुरुस्तीका लागि आवश्यक सामान खरिद विक्रीको अवसर पनि मेलामा उपलब्ध

थियो। निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं सामान्य उपचार गर्न चाहनेहरूका लागि समेत मेला उपयुक्त गन्तव्य बन्यो। शारीरिक तन्दुरुस्तीका आवश्यक सामग्री, स्वस्थ परामर्श सेवा, निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, खेलकूद प्रदर्शन, दैनिक सेमिनार तथा रक्तदान कार्यक्रमले मेलालाई आकर्षक बनाएको थियो। मेला अवधिमा हरेक दिन सञ्चालन गरिएको 'शारीरिक स्वास्थ्य एवं तन्दुरुस्ती' सेमिनारले पनि सही र जीवनोपयोगी सन्देश प्रवाह गरेको थियो।

मेलामा स्वस्थकर्मि, फिटनेस क्लब सदस्य तथा खेलकूदकर्मिहरूको सहभागिता थियो। मेलामा अक्षयपन्चर सेवा, आर्युवेदिक औषधीहरू एवं हस्पिटल, हर्बल उत्पादनहरू पनि उपलब्ध थिए। उक्त अवसरमा बालबालिकालाई आवश्यक स्वास्थ्य सामग्री, ब्युटी एन्ड पर्सनल केयर प्रोडक्टलगायत अर्ग्यानिक खाद्यपदार्थ, पानी शुद्धीकरण प्रणाली पनि प्रदर्शन गरिएको थियो। आर्युवेदिक हस्पिटल, हर्बल उत्पादक संस्था, हेल्थ एन्ड फिटनेस क्लब, स्वीमिङ क्लब, एरोबिक स्कुल, रिक्तिएसन क्लब आदिले करिब ५० वटा स्टलबाट आफ्नो सेवा सुविधाबारे परामर्श दिएका थिए। मेलाको आयोजना डाइरेक्सन नेपाल प्रा.लि.ले गरेको हो।



# अन्धविश्वासको जालो



भएको खेलमा उनी पीडा कम भए पनि नाडीमा ब्यान्डेज बाँधेर उत्रिए। यो खेलमा ह्याट्रिक गर्न सफल भएपछि उनको मनमा के विश्वास जाग्यो भने दाहिने नाडीमा ब्यान्डेज बाँधेर खेल्दा फाइदा हुन्छ। सोही प्रतियोगितामा उनले युरोपियन फुटबलको पावरहाउस रियल म्याड्रिड र इन्टरमिलानविरुद्ध गोल गरे। त्यसपछि उनले प्रोफेशनलदेखि इन्टरनेसनल खेलहरूमा सधैं दाहिने नाडीमा ब्यान्डेज बाँध्न थाले।

खेलकुदमा सफलतालाई अधिकांश खेलाडीले आफ्नो भाग्यसँग तुलना गर्ने हुनाले उनीहरूमा कुनै न कुनै रूपमा अन्धविश्वास देखिन्छ। अन्धविश्वास राख्ने खेलाडीहरूमा इङ्ल्यान्डका

क्याप्टेन एवं चेल्सी क्लबका खेलाडी जोन टेरीको नाम समकालिन फुटबलहरूमा अग्रस्थानमा आउँछ। टेरी भन्छन्- 'म अन्धविश्वासी छु। म बसमा सधैं एउटै सिटमा बस्छु। म मोजालाई टेपले तीनपटक घुमाएर बेक्छु। फुटबल खेल्न जाँदा सधैं एउटै गीत मात्र सुन्छु भने बसलाई सधैं स्ट्यामफोर्ड पुलको अधि पार्किङ गर्न लगाउँछु। उनी कुनै पनि फुटबल

म्याच खेल्दा नलीखुट्टा जोगाउने एउटै 'सिन प्याड' लगाउँछन्। उक्त सिन प्याड सन् २००५ मा भएको युईएफए च्याम्पियन्स लिगमा हराएपछि उनले त्यसलाई बदले। पहिलो सिन प्याड हराएपछि अर्का फुटबलर फ्यांक लाम्पार्डले उनलाई सिन प्याड दिएका थिए, जुन अहिलेसम्म उनले लगाउँदै आएका छन्। जोन भन्छन्- त्यो सिन प्याड मेरो भाग्य बलियो बनाउने एउटा आधार हो।

इटालीको राष्ट्रिय टिमका मिडफिल्डर गेनारो गातुसो पनि अन्धविश्वासी छन्। जर्मनीले सन् २००६ को विश्वकप प्रतियोगिता आयोजना गर्दा उनी इटालीको टिममा थिए। उनी दैनिक सफलताको प्रार्थना गर्थे, लिग चरणमा चेक रिपब्लिकविरुद्धको खेलमा उनले आफ्नो फुटबल ड्रेस ब्यागमा प्याक गरेर घर जान लागे जस्तो गरे त्यो खेलमा इटालीले चेक रिपब्लिकलाई शून्यका विरुद्ध २ गोलले पराजित गरेपछि उनले विश्वकपमा आफ्नो टिमले खेलेका प्रत्येक म्याचमा सामान भोलामा हात्तै घर जान लागेको अभिनय लगाएर गएका थिए। पहिलो खेलमा इटालीले घानालाई शून्यका विरुद्ध २ गोलले पराजित गरेपछि उनले

प्रतियोगिता अवधिभर स्वीटर लगाएर प्लेयर बक्समा बस्दै घर जान लागेको अभिनय गरे। उनको अन्धविश्वास थाहा नपाएका मैदानका खेलाडीहरूले भने अन्ततः फ्रान्सलाई पराजित गर्दै विश्वकप जिते।

फुटबल खेलाडीहरूको अन्धविश्वासको प्रसंग उठ्दा रोमानियाका एड्रियन मुत्तु र कोलम्बियाका रेने ह्युगुइताको पनि चर्चा गर्नेपर्छ। यी दुवै खेलाडी आफ्नो टिमले सफलता पाउँछ भनेर मैदानमा उत्रँदा सधैं एउटै अन्डरवेयर लगाउँथे, त्यो पनि नीलो रंगको। ह्युगुइता भन्छन्- सन् ८० को दशकको उत्तरार्द्धमा कोलम्बियाको एट्लेटीको नासिनो लले मिलेनारियोसलाई पराजित गर्न हम्मे-हम्मे पर्थ्यो। मिलेनारियोसलाई कसरी पराजित गर्ने भनेर बैठक बसिरहेको अवस्थामा कार्लोस परेरा आए र उनले हामीलाई एक महिला भविष्यवेत्ता कहाँ लगे। ती भविष्यवेत्ता महिलाले सबै खेलाडीलाई पुग्ने नीलो अन्डरवेयर र पेटी दिइन्। त्यसले भोलिपल्टै मैदानमा चमत्कार गर्‍यो। हामीले त्यो खेल मात्र जितेौं, कोपा लिवेरेटोर उपाधि समेत हात पायौं। त्यसपछि म सधैं ती महिला भविष्यवेत्ताले दिएको अन्डरवेयर लगाएर मैदानमा उत्रिन थालें।

सन् १९९४ देखि प्रोफेशनल फुटबल करियर थालेका अर्जेन्टिनाका मिडफिल्डर हुवाँ सेवेस्टियन भेरोनले सन् १९९७ मा चोटग्रस्त भएपछि दाहिने घुँडाभन्दा केही तल सेतो ब्यान्डेज बाँध्न थाले। त्यसपछि उनले आफू अनुबन्ध भएका पर्मा, लाजियो, म्यानचेस्टर युनाइटेड, चेल्सीजस्ता क्लबबाट फुटबल खेल्ने क्रममा सधैं सेतो ब्यान्डेज बाँधेर खेले। भेरोन भन्छन्- चोटका कारण उक्त

ब्यान्डेज बाँधेपछि चोट त कम भयो नै, शरीर पनि पहिलेको तुलनामा फुर्तिलो भयो। त्यसपछि म राम्रो प्रदर्शन गर्ने आशामा सधैं सेतो ब्यान्डेज बाँधेर मैदानमा उत्रिन थाले।

भेरोनको जस्तै सोच चिलीका इभान जामोरानोको पनि छ। स्वीटजरल्यान्डको सेन्ट गालियन क्लबबाट फुटबल खेल्ने क्रममा घाइते भएपछि जामोरानोको दायाँ नाडीमा ब्यान्डेज बाँध्नुपर्‍यो। अर्को दिन

## आमा बन्ने सोचमा कोर्निकोभा



महिला टेनिसमा ग्ल्यामरस छविका कारण विश्वको ध्यान आकृष्ट गर्न सफल एन्ना कोर्निकोभा आमा बनेर आफ्नो बाँकी जीवन बिताउने सोचमा पुगेकी छिन्। गायक ईन्रिक इग्लेसिएससँग सन् २००२ देखि प्रेमसम्बन्धमा रहेकी कोर्निकोभाले आफूले नयाँ जीवनशैली बिताउन चाहेका कारण आमा बन्ने सोचमा रहेको बताएकी छिन्। त्यसो त एन्ना र ईन्रिकबीचको प्रेमसम्बन्ध कहिले तोडिएको त कहिले एन्ना आमा बन्न लागेको त कहिले उनीहरूले गोप्य रूपमा विवाह

गरिसकेको जस्ता चर्चा चल्ने गरेका छन्। एन्नाले हालै कन्ट्याक्ट म्युजिकलाई दिएको अन्तर्वार्तामा ती कुरा सबै हल्ला भएको तर अब आफू आमा बन्ने सोचमा रहेको बताइन्। उनले भनिन्- 'म भर्खर २८ वर्षकी भएँ, मैले जीवनमा अझै केही नयाँ काम गर्नु छ, तर आजकाल ममा आमा बन्ने रहर जागेर आएको छ। ईन्रिक र मबीच सुमधुर सम्बन्ध छ र हामी एक-अर्कालाई नभेटिरहन सक्दौं। कुनै कामविशेषले टाढा भए पनि हामी फोनमा कुराकानी गर्छौं।'

### • मैदान बाहिर •

## सर्वाधिक महँगो खुट्टा

रियल म्याड्रिडका स्टाइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डोको खुट्टा सर्वाधिक मूल्यमा विमा गरिएको छ। 'सेलिब्रिटी लेग इन्स्योरेन्स क्लब' मार्फत हालै रियल म्याड्रिड गएका रोनाल्डोको खुट्टा ९ करोड डलरमा विमा गरिएको हो। हालै जुन महिनामा रियल प्रवेश गरेका रोनाल्डोको खुट्टा ८ करोड डलरमा विमा गरिएको थियो। पछिल्ला तीन सिजनका खेलमा उनलाई ३४ पटक फल हानिएको थाहा पाएपछि उनको खुट्टाको विमा रकम बढाइएको हो। रियल म्याड्रिडबाट डेभिड बेकह्याम अमेरिकाको एलए ग्यालेक्सि क्लबमा गएपछि रोनाल्डोलाई अहिले म्याड्रिडले बेकह्यामलाई भन्ने सुविधा दिँदै उनको भन्दा राम्रो प्रदर्शनको आशा राखेको छ। भदौको तेस्रो सातादेखि सञ्चालन हुने स्पेनिस



लिगका लागि क्लबले रोनाल्डोलाई पनि बेकह्यामले लगाएको ७ नम्बर जर्सी दिने भएको छ। स्पेनिस लिग खेल्ने बेलामा रियलले बेकह्यामको खुट्टाको विमा ७ करोड डलरमा गरेको थियो, तर बेकह्याम अमेरिका गएपछि उनको शरीरका विभिन्न भागको विमा १० करोड डलरमा गरिएको थियो। महँगोमा भएका शरीरका अंगको विमा-गायिका जोनीफर लोपेजको पुठ्ठा- २ करोड ७० लाख डलर, नायक जेमी लीको खुट्टा- २० लाख डलर, गायक तथा नायिका डली पारटोनको स्तन- ६ लाख डलर, गायक ब्रुस स्पिड्जुग स्टिनको आवाज- ३० लाख डलर तथा पूर्व क्रिकेटर मेरी हज्जको जुँगा- ३ लाख १७ हजार डलर।

## Classified Advertisement

### रोजगार

NGO संस्थालाई साधारण SLC, +Basic Internet जानेका १३ कर्मचारी तलब ग्यारेन्टी 9500, 2072545, 9841493026, 9803075981 चावहिल

महिला / पुरुष / विद्यार्थी कर्मचारीहरु ७५००, १०,०००। फिक्स २२९०२२३, ९८०३४५९६०८

जर्मनीको लागि slc +2 केटीहरु 9741056886, 9803386712 Autocar Arc.gis, Land development, Sap. 3D-Max, Networking 01-2121605, 9851039247

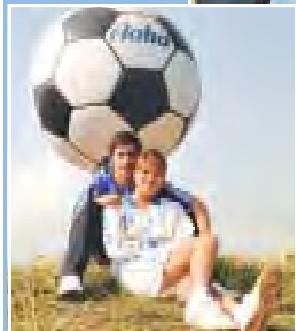
### उपचार

स्तन घटाउन बढाउन गुप्ताङ्ग टाइट गर्न, यौन सन्तुष्टिको विकास तथा तालिम प्राप्त अनुभवी चिकित्सकद्वारा सुरक्षित गर्भ पतन साथै, आकस्मिक गर्भ निरोधक साधन, 9841981976, 9849051161

निसन्तान, मधुमेह, स्वेतप्रदर गुप्ताङ्गको सफल उपचार अन्तर्राष्ट्रिय अनुभवी डाक्टर Direct appointment: 9721417717

वर्षौ पुरानो पिनास गन्ध रहित नाक बन्द, मासु हड्डी बडेको, एर्लजी लगायत विभिन्न जिर्ण रोगहरुको ख्याती प्राप्त आर्युवेदिक चिकित्सकहरुबाट विशेष उपचार ४४६७५६९

तेह्रवर्ष पुरानो र जटकेनीकलमा ३०५ छुटमा मोवाइल, Chinese Mobile को software गराइन्छ, टेलिभिजन, हार्डवेयर, इलेक्ट्रीकल्स, एसिप्रीज तालिमहरु (डल्सहरु निशुल्क) नयाँबानेश्वर ४४९५५८१ कालिमाटी



## अनिल गुरुड र मञ्जु गुरुड र

राष्ट्रिय फुटबल टिमका स्ट्राइकर अनिल गुरुड र भलिबलकी राष्ट्रिय हस्ती मञ्जु गुरुड फोटोसेसन गर्न तयार थिए । नेपालका चर्चित खेलाडी अनिल व्यावसायिक फुटबल खेल बेलायत जान लागेका बेला उनीसँग मुस्किलले फोटोसेसनको चाँजोपाँजो जुटेको हो । मोडलका रूपमा फोटोसेसन गर्दाको अनुभवलाई दुवैले नौलो भन्न रुचाए । यसरी सेसन गरेको पहिलो पटक हो, दुवैले मुस्कुराउँदै भने ।

पोखराबाट राष्ट्रिय स्तरमा चम्किएका यी चर्चित खेलाडीको फोटोसेसन पोखरा रंगशालामा गरिएको हो । १९ वर्षीया मञ्जु र २१ वर्षीय अनिलले दूधको विज्ञापनमा पनि मोडलिङ गरेका छन् । फरासिली मञ्जु र कम बोल्ने अनिलले फोटोसेसनका क्रममा भनेजस्ता पोज दिए । दुवैले जीवनसाथी खोजी नसकेको दाबी गरे पनि अनिलकी प्रेमिका छिन् भन्ने हल्ला नचलेको होइन ।

राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय खेलको अनुभव साँगालिसकेका यी दुईले खेलकुदलाई सरकारले खासै महत्त्व नदिएको गुनासो गरे । सरकारी बेवास्ताकै कारण राम्रा खेलाडी पलायन भैरहेका छन्, स्वरमा स्वर मिलाउँदै दुवैले भने, तर उनीहरूले भने खेलक्षेत्रबाट पलायन हुने सोच कहिल्यै नबनाउने बताए । डेटिड जान पाए कोसँग जाने भनेर सोध्दा मञ्जुले हाकाहाकी भनिदिइन्- अनिल गुरुडसँग । उनको कुरा सुनेर अनिल मुस्कुराए मात्र, केही बोलेनन् ।

तस्वीर : राम गुरुड ठीकठाक इटकाठ



# शर्मिला बनिन् पोखरा मिसेस ब्युटिसियन

पोखरा- अविवाहित युवती र साना बालबालिकाबीचको सौन्दर्य प्रतियोगिता त हुँदै आएको हो, तर गएको साता पोखरा सभागृहमा बेग्लै खालको सौन्दर्य प्रतियोगिता सम्पन्न भयो। भिन्न खालको प्रतियोगिता हेर्न सभाहलमा दर्शकको भीड लागेको थियो। फलतः बलेको रातो पहिरनमा नृत्य गर्दै महिलाहरू स्टेजमा प्रस्तुत भएपछि भने धेरैलाई अनुमान लगाउन गाह्रो भएन-मिसेस ब्युटिसियन प्रतियोगिताका सम्बन्धमा।

पहिलो पटक पोखरामा विवाहित महिलाहरूबीच यस किसिमको प्रतियोगिताको आयोजित गरिएको हो। तीज पर्वको विशेष अवसरमा आयोजित कार्यक्रम हेर्न रातो

पहिरन लगाएका ब्युटिसियनहरूको उल्लेख्य सहभागिता देखिन्थ्यो। राष्ट्रिय सौन्दर्यकर्मी युनियन नेपालको पहलमा भएको कार्यक्रममा २२ जना ब्युटिसियनले प्रतिस्पर्धा गरेका थिए।

सुरुदेखि नै दर्शकको नजरमा परेकी हंसिली र सुन्दर मुहारकी शर्मिला गुरुङ नै विजेता हुनुपर्छ भनेर धेरैले लख काटेका थिए। त्यसो त परिचय राउन्डदेखि नै दर्शकले उनकै पक्षमा हुटिङ गरेका थिए। दर्शकको अनुमानलाई सत्य सावित गर्दै २१ जना प्रतिस्पर्धीलाई पछि पारी बगर पोखराकी शर्मिला गुरुङले मिसेस तीज ब्युटिसियन पोखराको मुकुट पहिरिन्। विजेता घोषित भएपछि एक्ससाइटेड देखिएकी गुरुङले प्रतियोगिताले ब्युटिसियनहरूमा

आत्मविश्वास प्रदान गर्नुका साथै यसबाट प्रतिभा देखाउने अवसर प्राप्त भएको बताइन। सेनेरिटा ब्युटिपार्लरकी सञ्चालक गुरुङले ५ हजार नगदका साथ प्रमाणपत्र पनि पाइन्।

प्रतियोगितामा संगीता पाण्डे फस्ट रनरअप तथा इन्दु छेत्री सेकेन्ड रनरअप घोषित भए। दर्शकको मतका आधारमा पवित्रा गुरुङले भ्यूअर च्याइसको उपाधि जितिन्।

रवीन्द्र बज्राचार्यको कोरियोग्राफीमा सम्पन्न प्रतियोगितामा धनमाया गुरुङ फोटोजेनिक, शर्मिला गुरुङ क्याटवाक, माला गुरुङ बेस्ट फिगर, राजकुमारी गुरुङ बेस्ट चार्मिड, प्रेमा तामाङ बेस्ट स्माइल, प्रिया गुरुङ ब्युटिफुल, मीना मल्ल बेस्ट ड्रेस तथा मीरा भण्डारीले फ्रेन्डलीको उपाधि प्राप्त गरेका थिए।

-शिव शर्मा

Worldwide Valid Certificate

## होटल तालिम

यो छुट सिमित अवधिको लागि मात्र।

- कुक १ १/२ महिना रु. २७००/-
- कुक ३ महिना रु. ३७००/-
- वेटर २ बारमेन रु. १३००/-

१. 5 star लेभलको आफ्नै रेस्टुरन्ट भएको।  
२. थप तालिमको लागि 5 star होटलमा तथा आफ्नै रेस्टुरन्टमा पनि गराइने व्यवस्था छ।  
३. तालिमपछि कुक वेटर-वेटर बारमेनलाई USA, EUROPE को ship मा पठाउने व्यवस्था छ।

माउण्टेन होटल ट्रेनिङ सेन्टर  
चावहिल, गोपीकृष्ण हलको पूर्व गेट सँगै  
Ph: 016212336, 9841812055

३ महिनामा ४" उचाइ बढाउने

- केश भर्न तुरन्तै रोकौ उमानै
- १ महिनामा चाहेजती बेट बढाउन र घटाउन
- जस्तो सुके उमेर अनुसार चाउरीपन हटाउन
- तिलकोटी, डण्डीफोर, चायापोतोको लागि
- १ महिनामा ६ देखि १० किलो मोटोपन घटाउन
- पेशा, सुगर, डाड दुखाइको लागि (आयुर्वेदिक उपचार)
- र्याटिक, दम, बाथको समस्याको लागि (आयुर्वेदिक उपचार)

**नेचुरल हेल्थ केयर**  
निसिपुर, सप्तथेन  
पाटन हस्पिटल अगाडी  
Tel: 01-5004046  
01-5550195  
शाखा कार्यालय बनेपा Mo: 985112675

पश्चिम त्रिभुजा कमिडा फुला टिप्प फुड्येटी कुन शक्तिमाने कल्पना कहिले ठहरी कुनैको

Greater NEDAN  
सिमानाको खाजी

Produced by Manoj Kumar R.C. / Manoj Shrestha  
Documentary by Manoj Pandit

हामी सबैले हेर्ने पर्ने बुझ्ने पर्ने इतिहास तथा सिमाना स्वतन्त्रता जन वृत्तचित्रलाई स्कूल/कलेज संस्था वा समुदायमा प्रदर्शन वा च्यारिटी शो गर्न चाहनु हुन्छ भने कृपया जतयापछि जान्नु होला। आवश्यक्त उपकरण सहित उपत्यका बाहिर पनि पठाउन सकिनेछ।

यस वृत्तचित्रमा नयाँ शब्द सिमानामुक्त वृत्तचित्र, चर्चित प्रदर्शन गर्ने एनेसा पनि हुन्थेनै सम्झनुपर्ने।

डा.पार्की : वि.सं. ४२४९०४५/९८५९०२२८४८/९८०३०९३९३५/०९-२३९३७९८

रोजगारकै लागि तालिम ५०% छुटमा युवा स्वरोजगारमा आश्चर्यजनक सफलता

१५ दिनमा नै

## फोटोग्राफी

मिडियोग्राफी तालिम सिकाइने

World Wide Valid Certificate नेपालको न. 1 Study Center

KANTIPUR PHOTOGRAPHY VIDEOGRAPHY INSTITUTE  
पुनलीसडक चोक, काठमाडौं, फोन : ४४४३३१९, ९८४१-३२२७७७

## ग्लोबलको तालिम 5★ मा

- \*Hotel Mgmt. Basic/Adv.
- \*F&B Mgmt. Basic/Adv
- \*Bartender Mgmt. Basic/adv
- \*Culinary Arts Mgmt. (Cook) Basic/Adv
- \*F & B Service Mgmt (Waiter) Basic/Adv
- \*Bakery Pastery Mgmt. / Ice / veg carving
- \* Front Office/House Keeping Mgmt.

आउनुहोस्, निर्कुतोस्, बुझ्नुहोस्

**Learn & Earn Package**  
Contact—  
Global Institute of Hotel Mgmt & Tourism Technical Center P. Ltd  
Min Bhawan, Santinagar Gate (Next to the Petrol Pump)  
☎ 4484098, 2134544

## होटल तालिम

कुटमा १०% छुटमा

- \*Cook \*Waiter \*Bakery
- \*Housekeeping \*Front Office
- \*Bartender \*Coffee making \*Hotel Mgmt
- \*F & B Mgmt \*Airlines Ticketing
- \*Tour & Travel Mgmt \*Care giver

International Air Fares & Ticketing with Abacus, Amadeus, Galileo (International Certificate)

ओरिएण्टल हस्पिटालिटी (होटल)  
एण्ड टुरिजम ट्रेनिङ सेन्टर प्रा. लि.  
नयाँ बानेश्वर (एअरेष्ट होटलसंगै)  
फोन नं- 88९३८०१ २०८२७३१  
(बिहान ७:०० देखि बेलुका ७:०० सम्म)

## होटल तालिम

नयाँ बर्ष प्रवेश विशेष छुट

कुक-4500 वेटर-1700

विशेष छुट थापना गर्नुपर्ने सम्पत्तिको लागि मात्र नभएर

अंग्रेजी नजान्नेलाई नेपालीमा सिकाइने थुप्रै भन्दा प्राकृतिकल धेरै गराइने

अपकर्त विदेश जानुपरेमा स्पेशल तालिम

आगमन होटल ट्रेनिङ सामाखुसी, सरकारीधारा, रेडन कलेज सँगै 4352846

## Language/Computer

TOEFL/IELTS (Free Books, CDs, Lab Practics, Weekly Tests)

Language: English, Chinese, French, German, Korean, Hebrew, Japanese, Spanish, Italian & Others  
विशेष व्यवस्था विदेश जानि र जान्ने नजान्नेहरूका लागि

Computer: Hardware & Networking  
Basic, Graphics, WebPage, Office Package, Q-Basic, C,C++, Access Programming, Account (Tally, Fact, Tata)

**Osish Language & Computer Center (OLC)**

New Baneshwor (Opp. BICC पानी ट्याङ्की): Tel: 4483414	New Baneshwor Chok (Opp. New Baneshwor Dept. store): Tel: 4785226	Adwait Marg (Bagbazar): Tel: 4232888	Lagankhel (Bus Park): Tel: 5004018
--	--	---	---------------------------------------